শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 320 | गुवाहाटी | गुरुवार, 20 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बूढ़ादिया नदी का तटबंध टूटा, नलबाड़ी व रंगिया के कई इलाकों में पानी भरा — पेज 3
महाराष्ट्र टैक्सी ऑटो रिक्शा चालक मालिक कल्याण निगम स्थापित किया जाएगा : शिंदे — पेज 4
किसानों को बैंक या एटीएम जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे प्राप्त करें किसान ... — पेज 5
इगोर स्टिमैक की बर्खास्तगी के बाद एआईएफएफ ने शुरू की नए... — पेज 11

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हम चीजो को उस तरह से नहीं देखते जिस तरह से वे है, बल्कि हम चीजो को उस तरह से देखते है जिस तरह के हम है।

– **अब्दुल कलाम**

आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं : प्रधानमंत्री मोदी

पटना/नालंदा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अपने उद्घाटन भाषण में मोदी ने कहा कि बिहार अपने गौरव को वापस लाने के लिए जिस तरह विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है, नालंदा का ये परिसर उसी की एक प्रेरणा है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। इस मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर और 17 देशों के राजदूत और बिहार के सीएम नीतीश कुमार, राज्यपाल विश्नाथ राजेंद्र अर्लेकर, उपमुख्यमंत्री सम्राट

नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है

चौधरी और संसदीय कार्यमंत्री विजय चौधरी ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि नालंदा कभी भारत की परंपरा और पहचान का जीवंत केंद्र हुआ करता था। शिक्षा को लेकर यही भारत की सोच रही है। शिक्षा ही हमें गढ़ती है, विचार देती है और उसे आकार देती है। प्राचीन नालंदा में बच्चों का प्रवेश उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता को देख कर नहीं होता था। हर देश हर वर्ग के युवा यहां पर अध्ययन करने के लिए आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए परिसर में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से आधुनिक रूप में मजबूती देनी है और मुझे ये देख कर खुशी है कि दुनिया के कई देशों से आज यहां कई विद्यार्थी आने लगे हैं। *-शेष पृष्ठ दो पर*

नालंदा विश्वविद्यालय की कुछ खास बातें

1. नया परिसर नालंदा के प्राचीन खंडहरों के पास है, जो नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 द्वारा स्थापित एक विश्वविद्यालय है। अधिनियम ने 2007 में फिलीपींस में आयोजित दूसरे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में किए गए विश्वविद्यालय की स्थापना के निर्णय को लागू किया।
2. पांचवीं शताब्दी में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने वाला एक प्रसिद्ध शिक्षण केंद्र था। 12वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों द्वारा इसे नष्ट करने से पहले यह 800 वर्षों तक फलता-फूलता रहा।
3.समकालीन विश्वविद्यालय ने 2014 में 14 छात्रों के प्रारंभिक समूह के साथ एक अस्थायी स्थल पर अपना *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

डाकघर अधिनियम 2023 हुआ लागू अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने नए डाक कानून (डाकघर अधिनियम, 2023) के प्रावधानों को प्रभावी करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसको लेकर इंडिया पोस्ट ने कहा कि डाकघर अधिनियम, 2023 का उद्देश्य अंतिम मील तक नागरिक केंद्रित सेवाओं, बैंकिंग सेवाओं और *-शेष पृष्ठ दो पर*

मोदी कैबिनेट ने 14 फसलों की एमएसपी बढ़ाई

नई दिल्ली। मोदी सरकार 3.0 की बुधवार को दूसरी कैबिनेट बैठक हुई। इसमें 5 बड़े फैसले लिए गए हैं। किसानों को मोदी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि खरीफ की फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने की मंजूरी दी गई है। इसमें 14 फसलों को शामिल किया गया है। धान का नया एमएसपी 2300 रुपए होगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत के नौ प्रमुख बंदरगाहों ने दुनिया के शीर्ष सौ की सूची में बनाई जगह : सोनोवाल

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के निरंतर प्रयासों के तहत, भारतीय बंदरगाह अब दुनिया के अग्रणी बंदरगाहों के साथ बराबरी करने में सक्षम हैं। कंटेनर पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स (सीपीपीआई), 2023 के नवीनतम *-शेष पृष्ठ दो पर*

करीमगंज में भूस्खलन, एक ही परिवार के पांच की मौत

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज जिले के बदरपुर थाना अंतर्गत एंगलरबाजार बेंडरगुल गांव में मंगलवार की मध्य रात भूस्खलन से एक ही परिवार की महिला और चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के वक्त अब्दुल करीम दूसरे कमरे में सो रहा था। तेज आवाज सुनकर उसकी नींद खुली और गांव के लोग एकत्र हो गए। इस बीच मस्जिद के इमाम ने माइक पर घटना की घोषणा की और सभी को मदद के लिए बुलाया। घटना की खबर मिलते ही बुधवार सुबह करीब दो बजे बदरपुर थाने की पुलिस आपदाग्रस्त गांव में पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। मलबे से अब्दुल करीम की पत्नी, तीन बेटियां और पुत्र के शवों को मिट्टी के ढेर से निकाला गया। इस घटना में अब्दुल करीम तो बच गया, लेकिन उसकी पत्नी रायमुन नेसा (55), *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम में बारिश लगातार जारी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में हो रही भारी बारिश लगातार जारी है। इसी कड़ी में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा बुधवार को तड़के चेतावनी जारी की गई थी। जिसमें आईएमडी ने अगले 3 घंटों में असम के बजाली, बाक्सा, बरपेटा, बंगाईगांव, चिरांग, दरंग, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, कामरूप, कामरूप (मेट्रो), कोकराझाड़, मोरीगांव, नलबाड़ी, तामुलपुर, उदालगुरी जिलों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया था। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी के अनुरूप 3 घंटे पार हो जाने के बावजूद बारिश लगातार जारी है। इस बारिश के कारण असम में बाढ़ की स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। ब्रह्मपुत्र समेत राज्य की प्रायः सभी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर या उसके आसपास पहुंच गया है।

पूर्व समन्वयक हितेश देव शर्मा ने पीएम को लिखा पत्र

एनआरसी में हुए 260 करोड़ रुपए के घोटाले की ईडी से जांच कराने का आग्रह किया

गुवाहाटी। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और पूर्व राज्य एनआरसी समन्वयक हितेश देव शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से असम में कथित 260 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अद्यतन घोटाले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने का आग्रह किया है। 12 जनवरी 2014 से 31 दिसंबर 2019 तक की अवधि को कवर करने वाली सीएजी निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए, शर्मा ने पीएम मोदी को लिखा, जिसमें खुलासा किया गया कि 260 करोड़ रुपए में से 155.83 करोड़ रुपए डेटा एंट्री ऑपरेटरों के वेतन से डायवर्ट किए गए, जिन्हें न्यूनतम मजदूरी दर से कम भुगतान किया गया था। शर्मा ने कहा कि सीएजी ने इन विसंगतियों के लिए तत्कालीन राज्य एनआरसी समन्वयक प्रतीक हाजेला को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि लोक लेखा समिति का सामना करने के बावजूद, हाजेला को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने की अनुमति दी गई, जिससे उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। शर्मा ने कहा कि यद्यपि इस *-शेष पृष्ठ दो पर*

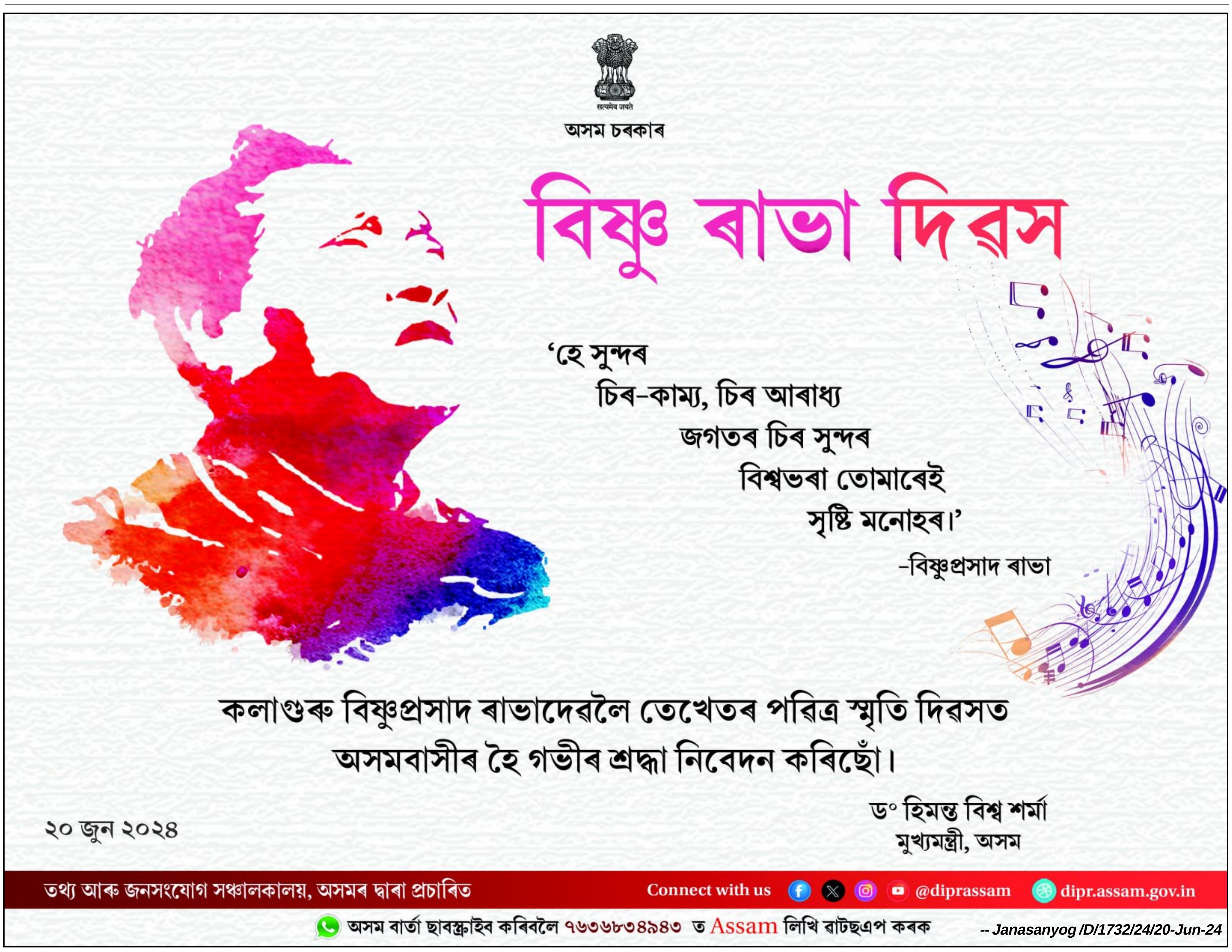

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारतीय प्रजातंत्र में जनजातीय समाज का स्थान रीढ़ की हड्डी के बराबर : उपराष्ट्रपति

डिंडौरी (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारतीय प्रजातंत्र में जनजातीय समाज का स्थान शरीर की रीढ़ की हड्डी के बराबर है। जनजाति ही भारतीय संस्कृति और प्रजातंत्र को बल देती है। देश के इतिहास में पहली बार एक जनजातीय समाज की महिला राष्ट्रपति बनती है, यह गौरव का पल है। उपराष्ट्रपति धनखड़ बुधवार को डिंडौरी प्रवास के दौरान यहां शासकीय चंद्र विजय कॉलेज परिसर में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय परामर्श शिविर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, उपराष्ट्रपति ने कॉलेज परिसर में पौधरोपण करने के बाद दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, ग्रामीण विकास मंत्री पहलाद पटेल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। इस परामर्श शिविर में जिलेभर से 1970 मरीज पहुंचे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल मंगुभाई पटेल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का दिल जनजाति के लिए धड़कता है। उन्होंने कहा कि 1989 में जब मैं सांसद बना, केंद्र में मंत्री बना तो हमारी अर्थव्यवस्था लंदन शहर और पेरिस से भी छोटी थी। हमारा सोना हमने स्विटजरलैंड को गिरवी रखा था और अब देखिए हम कहां से कहां आ गए। हमने बहुत सारे देशों को पीछे छोड़ दिया। इसमें जनजातीय समाज का बहुत बड़ा योगदान है। भारत की पहचान जनजाति कल्चर है। इसी वजह से भारत के प्रधानमंत्री ने दो बड़े संकल्प लिए हैं। भारत जहां दुनिया का छठवां हिस्सा रहता है, जब वह 2047 में आजादी की शताब्दी मनाएगा, तो भारत विकसित राष्ट्र होगा और विकसित राष्ट्र की पहचान होगी सिकल सेल बीमारी का पूर्ण अनुमूलन। आयुष्मान योजना के माध्यम से इस बीमारी को जड़ से खत्म करेंगे। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज उरैती ने बताया कि यदि माता-पिता दोनों में सिकल सेल के जीन हैं तो बच्चों में इस बीमारी का होना स्वाभाविक है। इस बीमारी में रोगी की लाल रक्त कोशिका हंसिये के आकार में परिवर्तित हो जाती है। सिकल सेल एनीमिया के अगर लक्षण यह नजर आएं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। इन पीड़ितों में खून की कमी, हल्की पीलिया होने से बच्चे का शरीर पीला दिखाई देना, तिल्ली का बढ़ जाना, पेट एवं छाती में दर्द

होना, सांस लेने में तकलीफ, हड्डियों एवं जोड़ों में विकृतियां होना, पैरों में अल्सर घाव होना, हड्डियों और जोड़ों में सूजन के साथ अत्यधिक दर्द, मौसम बदलने पर बीमार पड़ना, अधिक थकान होना यह लक्षण बताए गए हैं। सिकलसेल एनीमिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए 15 नवम्बर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। मिशन में अलीराजपुर एवं झाबुआ जिलें में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुल 9 लाख 17 हजार जनसंख्या की स्क्रीनिंग की गई। द्वितीय चरण में प्रधानमंत्री द्वारा एक जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल उन्मूलन मिशन- 2047 का शुभांरभ शहडोल जिले से किया गया। *राष्ट्रीय सिकलसेल उन्मूलन मिशन* में देश के 17 राज्य शामिल हैं। मिशन में मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिलों के 89 विकासखंडों में लगभग 1 करोड़ 11 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जानी है। द्वितीय चरण में अब तक 49 लाख 17 हजार जनसंख्या की स्क्रीनिंग की जा चुकी है जिसमें से 1 लाख 20 हजार 493 सिकलवाहक एवं 18 हजार 182 सिकल रोगी चिह्नित किए गए हैं। सिकलसेल रोगियों की जांच एवं उपचार सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रत्येक जिला चिकित्सालय में एचपीएलसी मशीन द्वारा पुष्टिकरण जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य जांच जैसे- सीबीसी, टोटल आयरन, सिरम फेरीटिन आदि जांचों की व्यवस्था नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। सिकलसेल एनीमिया की पुष्टिकरण जांच पीओसी किट द्वारा स्क्रीनिंग स्थल पर त्वरित जांच परिणाम प्राप्त कर सिकल रोगी का प्रबंधन किया जा रहा है।

उत्तरी सिक्किम में रेस्क्यू अभियान खत्म 1447 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

गंगटोक (हि.स.)। उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले के विभिन्न स्थानों पर फंसे सभी पर्यटकों को तीन दिन के अथक प्रयासों के बाद 1447 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। मंगन जिले के विभिन्न स्थानों पर फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए बड़ा अभियान चलाया था। तीसरे दिन बुधवार को रेस्क्यू टीम ने चुंगथांग और मंगन के उत्तरी क्षेत्र से 158 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला गया। पर्यटकों को निकालने की प्रक्रिया मंगन जिले के जिलापाल हेम कुमार छेत्री की देखरेख में की गई। मंगन जिले के पुलिस अधीक्षक सोनाम डी. भोटिया, जिला प्रशासन के अधिकारी, वन विभाग, पर्यटन विभाग, मोटर वाहन प्रभाग, पुलिस विभाग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, ग्रेफ, बीआरओ, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ सिक्किम, स्थानीय पंचायतें और स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से सहयोगा किया। दरअसल, 12 जून की रात को मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के बाद उत्तरी सिक्किम का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया था। इसके चलते उत्तरी सिक्किम के इलाकों में घूमने गए 1200 से ज्यादा पर्यटक फंस गए। इनमें बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल थे। इने फंसे हुए पर्यटकों को निकालने के लिए 17 जून को रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस रेस्क्यू अभियान के लिए सिक्किम सरकार ने हेलीकॉप्टर की भी व्यवस्था की थी, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। बाद में सड़क मार्ग से बचाव कार्य शुरू किया गया।

नगांव में विभिन्न स्थानों से 11 चोरी की बाइक बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव पुलिस ने जिले के विभिन्न स्थानों से 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस ने आज बताया कि डीएसपी (पी) संदीपन गर्ग और इटासाली पुलिस चौकी के सब इंस्पेक्टर अजीत सोनोवाल के नेतृत्व में नगांव पुलिस की टीम ने एक समन्वित अभियान में जिले के विभिन्न स्थानों से 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इस दौरान एक आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए गिरफ्तार किया गया।

मणिपुर में 260 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में 260 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने राज्य के सेनापति जिले के माओ से जॉन (32) नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरे 22 साबुनदानी बरामद किए गए, जिनका वजन पैकेजिंग के वजन सहित कुल 260 ग्राम है।

प्रधानमंत्री आज जाएंगे जम्मू-कश्मीर योग दिवस समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योग दिवस समारोह में शामिल होने के लिए 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 84 प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं का शिलान्यास

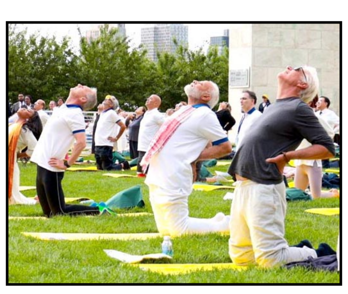

और उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार 21 जून को सुबह करीब 6.30 बजे प्रधानमंत्री श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे और उसके बाद सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) योग सत्र में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 20 जून को शाम करीब 6 बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में *एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके* कार्यक्रम में भाग लेंगे।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि तलाशी अभियान के दौरान एक एसएलआर के साथ एक मैगजीन, एक बोल्ट एक्शन राइफल, एक 9 मिमी खाली मैगजीन, पांच एचई-36 हैंड ग्रेनेड, एक चीनी हैंड ग्रेनेड, तेरह .303 एचडी कारतूस, चार ग्रेनेड आर्मिंग रिंग, पांच ट्यूब लांचर, एक 2 मोर्टार शेल, एक 81 मिमी मोर्टार शेल, एक आरपीजी-शेल बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिले के निकटवर्ती स्थान खुजैरोक ट्यूरेल क्षेत्र से बरामद किया गया।

राज्यपाल ने योग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज यहां जीएमसीएच ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति के प्राचीन और अद्भुत ज्ञान *योग* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र, गुवाहाटी के सहयोग से योग को भारत की सांस्कृतिक विरासत के रूप में बढ़ावा देने के लिए *मानवता के लिए योग* शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी 21 जून को मनाए जाने वाले 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि योग का लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। योग व्यक्ति में दया और करुणा की भावना जागृत करता है, जो उसे मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक समय में योग को स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए व्यायाम और चिकित्सा की एक प्रणाली के रूप में समझा जाता है। हालांकि, योग का उद्देश्य सिर्फ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ ही नहीं है, बल्कि इससे भी कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के विद्वानों ने माना है कि योग के अभ्यास से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि नैतिक विकास भी होता है। योग व्यक्ति में पारिवारिक मूल्यों और विश्वासों को भी जागृत करता है। इसलिए, योग का अभ्यास करने से व्यक्ति में प्रेम, करुणा, सहानुभूति और नैतिकता जैसे गुणों का विकास होता है और ऐसे गुणों से ही स्वस्थ परिवार और समाज का निर्माण होता है। राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ नागरिक से स्वस्थ परिवार बनता है और स्वस्थ और संस्कारित परिवार से आदर्श समाज की स्थापना होती है। आदर्श समाज से ही देश विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। इसलिए योग अभ्यास का समाज और देश के विकास पर सीधा प्रभाव पड़ता है। कटारिया ने यह भी कहा कि योग प्राचीन भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन है। योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और सभ्यता के आरंभ से ही योग का अभ्यास किया जाता रहा है। योग विद्या में भगवान शिव को प्रथम योगी, प्रथम गुरु या आदि योगी माना जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि के अलावा अनेक ऋषियों और योगाचार्यों ने योग साधना और योग साहित्य के माध्यम से इस क्षेत्र के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि योग के दृष्टिकोण से भारत एक *सॉफ्ट पावर* के रूप में उभरा है। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर *योग दिवस* मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव को दुनिया के 170 से अधिक देशों का समर्थन मिला, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। इस अवसर पर एम्स, गुवाहाटी की अकादमी की डीन प्रो. मानसी भट्टाचार्य, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अच्युत चंद्र बैश्य, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के डीन प्रो. पंकज अधिकारी, भारतीय योग संस्कृति एवं योग चिकित्सा केंद्र के अध्यक्ष योगाचार्य शुभाशीष सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूसीरे ने कई ट्रेनों को किया पुनर्निर्धारित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) द्वारा कई ट्रेनों के आगे आवागमन को पुनर्निर्धारित किया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि जिन ट्रेनों को पुनर्निर्धारित किया गया है उनमें 19 जून को ट्रेन संख्या 12378 न्यू अलीपुरद्वार-सियालदह पदातिक एक्सप्रेस का प्रस्थान समय 17:40 बजे के बजाए पुनर्निर्धारित समय 19:40 बजे किया गया है। 19 जून को ट्रेन संख्या 12346 गुवाहाटी-हावड़ा सराईघाट एक्सप्रेस का प्रस्थान समय 12:20 बजे के बजाए पुनर्निर्धारित समय 22:00 बजे किया गया है। 19 जून को ट्रेन संख्या 12423 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का प्रस्थान समय 20:55 बजे के बजाए पुनर्निर्धारित समय 20 जून को 05:55 बजे किया गया है। 19 जून को ट्रेन संख्या 20503 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का प्रस्थान समय 19:55 बजे के बजाए पुनर्निर्धारित समय 20 जून को 04:55 बजे किया गया है।

अमेरिका ने चीनी नागरिकों पर कसी नकेल, ग्रीन कार्ड बिना संपत्ति खरीद पर लगाया प्रतिबंध

न्यूयार्क। अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा ने अमेरिकी ग्रीन कार्ड के बिना चीनी नागरिकों के राज्य में संपत्ति खरीदने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वे इस कानून से नाराज हैं। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव वर्ष में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव को रेखांकित करता है, इन नियमों ने राज्य में रहने वाले जातीय चीनी लोगों के बीच बेचैनी और भ्रम को बढ़ावा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि इस कानून ने उनके व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया है, जबकि अन्य का कहना है कि वे फ्लोरिडा को पूरी तरह से छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बियान 12 साल से अमेरिका में रह रहा है और एच-1बी वीजा का प्राप्तकर्ता है। वह कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, को बताया गया कि इस निर्णय से उसे जेल हो सकती है। बियान, जो मूल रूप से नानजिंग, चीन से हैं, ने कहा कि यह मेरे लिए वास्तव में चौंकाने वाला था। यह सिर्फ संपत्ति खरीदना है। एक बार जब मुझे यह पता चला, तो मैंने और देखने की जहमत नहीं उठाई। 1 जुलाई, 2023 को फ्लोरिडा सीनेट बिल 264 के प्रभावी होने के बाद से, ग्रीन कार्ड के बिना चीनी नागरिकों पर राज्य में संपत्ति खरीदने पर एक गंभीर आरोप और संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विक्रेता और रियल एस्टेट एजेंट भी कानून के तहत उत्तरदायी पाए जा सकते हैं। बियान ने कहा कि उन्होंने हाल ही में फ्लोरिडा में अपने जीवन पर पुनर्विचार करना शुरू किया है, और वे अकेले नहीं हैं। कानून विशेष रूप से किसी भी व्यक्ति द्वारा अचल संपत्ति की खरीद या अधिग्रहण पर प्रतिबंध लगाता है जो चीन में रहता है और जो मेरिका का नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं है। लेकिन *निवासी* शब्द कानून की भाषा में पूरी तरह से परिभाषित नहीं है।चीन में जन्मे और फ्लोरिडा एशियाई अमेरिकी न्याय गठबंधन के अध्यक्ष इको किंग ने कहा कि हमें लगता है कि इस तरह के कानून के कारण हम बाकी सभी से अलग हैं। हमें लगता है कि हमारा स्वागत नहीं है। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में 47 वर्षीय एक छोटे व्यवसाय की मालिक सुसान ली, जिनके पास ग्रीन कार्ड है, ने कहा कि जब उन्हें इस बिल के बारे में पता चला तो उन्हें वास्तव में भेदभाव महसूस हुआ। बियान की तरह, ली भी कानून पारित होने के समय एक नया घर खोज रही थी। इस तथ्य के बावजूद कि वह अमेरिका की एक कानूनी निवासी है, उसके परिवार ने संभावित कानूनी जटिलताओं के डर से अपने आवास की खोज को रोकने का फैसला किया। एसबी 264 के तहत, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा, वेनेजुएला और सीरिया के नागरिकों को फ्लोरिडा में किसी भी सैन्य स्थापना या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुविधा के 10 मील के भीतर संपत्ति खरीदने से प्रतिबंधित किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

आग की लपटें ज्ञान ...

दुनिया के कई देशों से यहां छात्र आने लगे हैं। नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। ये वसुधैव कुटुंबकम की भावना का कितना सुंदर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। आज भारत में योग की सैकड़ों विधाएं मौजूद हैं। हमारे ऋषियों ने कितना गहन शोध इसके लिए किया होगा लेकिन किसी ने योग पर एकाधिकार नहीं बनाया। आज पूरा विश्व योग को अपना रहा है, योग दिवस एक वैश्विक उत्सव बन गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की पहचान ज्ञान के केंद्र के रूप में रही है। पुराने विश्वविद्यालय में करीब 10 हजार छात्र पढ़ते थे जबकि दो हजार शिक्षक बच्चों को पढ़ाते थे। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं दुनिया के अनेक जगहों के लोग यहां आकर पढ़ाई करते थे लेकिन दुर्भाग्यवश यह विश्वविद्यालय नष्ट हो गया था। नीतीश ने कहा कि साल 2005 से हम लोगों को काम करने का मौका मिला और तब से हमने बिहार के विकास का काम शुरू किया। वर्ष 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम बिहार आए थे। विधानमंडल में संबोधन के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने की बात कही थी, जिसके बाद सरकार ने विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने की पहल शुरू की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से हमने अनुरोध किया था लेकिन उस वक्त केंद्र में जो सरकार थी वह जल्दी कुछ सुन नहीं रही थी। इसके बाद राज्य सरकार ने इसको लेकर नया कानून बनाया। राज्य सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय के लिए 455 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया था। वर्ष 2008 में जब काम शुरू हुआ तो कलाम साहब उसे देखने के लिए फिर से आए थे। नीतीश ने कहा कि 2010 में हमारे अनुरोध पर नालंदा विश्वविद्यालय के लिए लोकसभा में बिल पारित किया गया। इसके बाद बिहार सरकार ने भूमि समेत अन्य चीजों को केंद्र सरकार को सौंप दिया था। फिर विश्वविद्यालय का काम धीरे-धीरे होता रहा और साल 2014 से पढ़ाई शुरू हो गई। केंद्र में 2014 में एनडीए की सरकार बनी तो काम में और तेजी आई। वर्ष 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने विश्वविद्यालय के भवनों का शिलान्यास किया था। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि नालंदा अपनी सांस्कृतिक और शैक्षिक धरोहर-विरासत है। अनेक वर्षों से इसपर ध्यान देने की आवश्यकता थी। इसको फिर एक बार उभार कर लाने की आवश्यकता थी। इसके प्रयास हमारे द्वारा किया जा रहा है।

नालंदा विश्वविद्यालय की...

संचालन शुरू किया और 2017 में निर्माण कार्य शुरू हुआ।

4. भारत के अलावा कुल 17 देशों ने नालंदा विश्वविद्यालय को समर्थन देने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन देशों में ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, लाओस, मॉरीशस, श्रीलंका, थाईलैंड, चीन, म्यांमार और वियतनाम शामिल हैं।
5. विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को 137 छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। इसमें छह स्कूल शामिल हैं- बौद्ध अध्ययन स्कूल, दर्शन और तुलनात्मक धर्म, ऐतिहासिक अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण अध्ययन और सतत विकास और प्रबंधन।
6. शैक्षणिक वर्ष 2022-24, 2023-25 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और 2023-27 के लिए पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित अंतर्राष्ट्रीय छात्र अर्जेंटीना, बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, घाना, इंडोनेशिया, केन्या, लाओस, लाइबेरिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, नेपाल, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य, दक्षिण सूडान, श्रीलंका, सर्बिया, सिएरा लियोन, थाईलैंड, तुर्की, युगांडा, यूएसए, वियतनाम और जिम्बाब्वे सहित विभिन्न देशों से आते हैं।
7. परिसर में 40 कक्षाओं वाले दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं, जिनकी संयुक्त बैठने की क्षमता लगभग 1,900 है। परिसर में दो सभागार भी हैं, जिनमें से प्रत्येक में 300 सीटें हैं। छात्रावास में 550 छात्र रह सकते हैं।
8. परिसर में विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें एक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, 2,000 लोगों की क्षमता वाला एक एम्फीथिएटर, एक फैकल्टी क्लब और एक खेल परिसर शामिल हैं।
9. परिसर एक *नेट जीरो* ग्रीन कैंपस है, जिसे सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों, घरेलू और पेयजल उपचार सुविधाओं, अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के लिए एक जल पुनर्चक्रण संयंत्र, 100 एकड़ जल निकायों और कई अन्य पर्यावरण के अनुकूल सुविधाओं के साथ आत्मनिर्भर होने के लिए डिजाइन किया गया है।

करीमगंज में भूस्खलन...

बच्चियां साहिदा खानम (18), जाहिदा खानम (16), हमीदा खानम (11) और पुत्र मेहंदी हसन (3) की मौत हो गई। अब्दुल की एक बेटी की जान बच गई है। मेहंदी अब्दुल का एकमात्र पुत्र था। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासनिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शवों को पोस्टमार्टम के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। बदरपुर सर्कल अधिकारी के साथ-साथ प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, जिला पुलिस अधिकारी पूरी घटना पर नजर रख रहे हैं। उधर करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रोतिम दास ने जानकारी दी कि असम में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर है। वहीं करीमगंज में घटे भूस्खलन की इस घटना ने असम में बाढ़ और उससे जुड़ी आपदाओं से मरने वालों की संख्या में वृद्धि की है, जो इस साल अब तक 30 से अधिक हो गई है। मालूम हो कि मेघालय और असम में लगातार हो रही बारिश ने रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिसके कारण जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। असम में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है, जिससे राज्य भर में 1.61 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, करीमगंज सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां 1,52,133 लोग बाढ़ के पानी से जूझ रहे हैं। प्राकृतिक आपदा ने कृषि गतिविधियों को भी तबाह कर दिया है, जिससे कुल 1,378.64 हेक्टेयर फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है और 54,877 जानवर प्रभावित हुए हैं। वर्तमान में, 24 राजस्व सर्किलों के 470 गांव जलमग्न हैं। तटबंधों, सड़कों और पुलों सहित बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान ने प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाने की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। राज्य की सभी प्रमुख नदियां, जिनमें विशाल ब्रह्मपुत्र भी शामिल है, खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही हैं, जिससे आस-पास के समुदायों के लिए खतरा बना हुआ है। पड़ोसी राज्य मेघालय में, लगातार बारिश ने 10 जून से दो लोगों की जान ले ली है और छह जिलों के 42 गांवों के 3,037 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संकट के जवाब में, अधिकारियों ने सभी जिलों को जिला घटना प्रतिक्रिया दल (आईआरटी) को सक्रिय करने, जिला आपातकालीन संचालन केंद्रों (डीईओसी) को 24×7 चालू रखने, जनता को सलाह जारी करने और तत्काल राहत उपाय शुरू करने का निर्देश दिया है। चल रही प्राकृतिक आपदा ने व्यापक बाढ़ प्रबंधन और आपदा तैयारी योजनाओं की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है ताकि कमजोर आबादी पर ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सके। असम और मेघालय दोनों ही भारी बारिश के बाद की स्थिति से जूझ रहे हैं, इसलिए प्रभावित लोगों के लिए समय पर राहत और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

एनआरसी में हुए 260 ...

मुद्दे के संबंध में कई प्राथमिकी दर्ज की गईं, लेकिन असम पुलिस ने अभी तक उनमें से कोई भी दर्ज नहीं की है। शर्मा ने एनआरसी प्रक्रिया में विदेशी धन के इस्तेमाल की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की भी वकालत की। समय-सीमा का विवरण देते हुए शर्मा ने बताया कि उन्होंने हजेला के जाने के बाद राज्य समन्वयक का पद संभाला और एनआरसी अद्यतन प्रक्रिया में अनेक त्रुटियां पाईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2016 में हाजेला के विवेकाधीन कार्यों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार एनआरसी के माध्यम से असम में अवैध विदेशियों का पता लगाने के प्रयास को कमजोर करना शुरू कर दिया। शर्मा ने कहा कि पूर्ण एनआरसी मसौदा जुलाई 2018 में प्रकाशित किया गया था। इसके बावजूद, महत्वपूर्ण त्रुटियां बनी रहीं, उन्होंने कहा कि वे दिसंबर 2019 में कार्यभार संभाला था। शर्मा ने डेटा एंट्री ऑपरेटरों पर संदिग्ध विदेशियों को शामिल करने के लिए जानबूझकर वंशावली में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने दावे की पुष्टि करते हुए कहा कि 2,346 डेटा प्रविष्टियों की दोबारा जांच की गई, जिनमें से 943 वंश वृक्ष बेमेल थे, जिससे पता चलता है कि अयोग्य नामों को शामिल करने के लिए जानबूझकर कार्रवाई की गई। अन्य अनियमितताओं पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा कि उनके नमूना जांच के आधार पर एनआरसी से लगभग 50,000 वास्तविक भारतीय नागरिक गायब थे। शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने इन मुद्दों की जानकारी असम सरकार और भारत के महापंजीयक (आरजीआई) को दी तथा एनआरसी के पुन: सत्यापन की वकालत की। लेकिन आरजीआई ने स्पष्ट रूप से उन्हें पुन: सत्यापन के बिना ही एनआरसी के अंतिम प्रकाशन की तैयारी करने का निर्देश दिया। शर्मा ने एनआरसी के पुन: सत्यापन की दिशा में कार्रवाई की कमी पर निराशा व्यक्त की, तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए अंतिम एनआरसी प्रकाशन से पहले पुन: सत्यापन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

डाकघर अधिनियम 2023 ...

सरकारी योजनाओं के लाभ प्रदान करने के लिए एक सरल विधायी ढांचा तैयार करना है। यह अधिनियम व्यापार करने में आसानी और जीवन को आसान बनाने के लिए पत्रों के संग्रह, प्रोसेसिंग और वितरण के विशेष विशेषाधिकार जैसे प्रावधानों को समाप्त करता है। अधिनियम में कोई दंडनीय प्रावधान नहीं किए गए हैं। यह वस्तुओं, पहचानकर्ताओं और पोस्टकोड के उपयोग के बारे में निर्धारित मानकों के लिए प्रारूप उपलब्ध करता है। संचार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि डाकघर अधिनियम 2023 के लागू होने से भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 निरस्त हो गया है।

मोदी कैबिनेट ने ...

वैष्णव ने बताया कि आज कैबिनेट में किसान कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। खरीफ की 14 फसलों पर कैबिनेट ने एमएसपी बढ़ाई है। धान का नया एमएसपी 2,300 रुपए तय किया गया है, जो पिछली एमएसपी से 117 रुपए ज्यादा है। कपास का नया एमएसपी 7,121 होगा। इसकी एक दूसरी किस्म के लिए नया एमएसपी 7,521 रुपए होगा, जो पहले से 501 रुपए ज्यादा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा किसानों को प्राथमिकता देते हैं। इस सरकार ने अपने नये कार्यकाल में किसानों के हित में फैसला लिया है। खरीफ सीजन के लिए सरकार ने नई एमएसपी तय की है। 2018 में भारत सरकार ने अपने बजट में कहा था कि एमएसपी लागत से कम से कम डेढ़ गुना होनी चाहिए। सीएसीपी के जरिए लागत का पता लगाया जाता है।

भारत के नौ प्रमुख ...

संस्करण में नौ भारतीय बंदरगाहों को दुनिया के शीर्ष 100 बंदरगाहों में स्थान दिया गया है, जिससे भारत के बंदरगाह विकास कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। ये आंकड़े विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केटिंग इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट से आए हैं। विशाखापत्तनम बंदरगाह को 2023 में दुनिया के शीर्ष 20 बंदरगाहों में 19वां स्थान दिया गया है, जो कि 115वें से उल्लेखनीय सुधार है। दूसरी ओर, मुंद्रा पोर्ट मौजूदा रैंकिंग में सूचकांक 27 पर पहुंच गया, जो पिछले साल के 48वें स्थान से ऊपर था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के परिणामस्वरूप अभिनव सागरमाला कार्यक्रम के माध्यम से देश के बंदरगाहों का आधुनिकीकरण और दक्षता और क्षमता में वृद्धि हुई है। नौ भारतीय बंदरगाहों को दुनिया के शीर्ष 100 बंदरगाहों में स्थान दिया गया है। बंदरगाहों के प्रदर्शन में सुधार, जहाजों और कार्गो के कुशल प्रबंधन में आधुनिकीकरण और तकनीकी प्रगति में हमारी सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धियां मोदी सरकार के अथक प्रयासों ने भारत के समुद्री उद्योग को एक नई गति दी है, नई प्रौद्योगिकियों और हरित को शामिल करने में मदद की है। निरंतर प्रयासों से हमें विश्वास है कि भारतीय समुद्री क्षेत्र आने वाले दिनों में देश की आर्थिक वृद्धि में मजबूत भूमिका निभाएगा। दुनिया के शीर्ष 100 बंदरगाह विशाखापत्तनम (19वें), मुंद्रा (27वें), पिपाभव (41वें), कामराज (47वें), कोचीन (63वें), हजीरा (68वें), कृष्णापट्टनम (71वें), चेन्नई (19वें) और जवाहरलाल नेहरू (96) बंदरगाह हैं।

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 29⁰ न्यूनतम 25⁰

गुवाहाटी/आसपास

गुरुवार, 20 जून, 2024

बूढ़ादिया नदी का तटबंध टूटा, नलबाड़ी व रंगिया के कई इलाकों में पानी भरा

बाढ़ पीड़िता को सांप ने डंसा

नलबाड़ी/रंगिया (हिंस/निसं)। जिले के पश्चिमी नलबाड़ी क्षेत्र में बूढ़ादिया नदी के तटबंध टूटने की वजह से पश्चिम नलबाड़ी के बड़े इलाके में बाढ़ का पानी भर गया है। इससे कई परिवार विभिन्न स्थानों पर बाढ़ के पानी में फंसे हैं। बाढ़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट हो गया है। बूढ़ादिया नदी का पानी समता-कैथालकुची लिंक रोड, ऐतिहासिक कुलबिल शिवालय घाट, नदला बाजार, उत्तर आमनी, पूर्णी, बरपीट, उत्तरी लखीपुर, केंदुबारी, गांधीबस्ती, भोजकुची, घोपा, काउरेहाणी, कठालमुरा जैसे विभिन्न इलाके जलमग्न हो गए हैं। समता-कैथालकुची संपर्क मार्ग भी डूब गया है और स्कूल-कॉलेजों के छात्र और जनता परेशान हैं। कई परिवार विभिन्न स्थानों पर बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। कई बाढ़ प्रभावित परिवारों ने सुरक्षित स्थान की तलाश में तटबंधों पर शरण ली है। बाढ़ प्रभावित लोगों को इस बात की चिंता सता रही है कि वे अपने पालतू मवेशियों और घरेलू सामानों को लेकर कहां जाएंगे। दूसरी तरफ पानी के कारण कई परिवारों के सामने खाद्य के साथ ही पशुओं के लिए चारे की भी कमी हो गई है। सूखे के महीने में तटबंधों की वैज्ञानिक पद्धति से मरम्मत न होने से नदी के किनारे रहने वाले लोगों को बाढ़ की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। आरोप लगाया गया है कि तटबंधों की मरम्मत में विसंगतियों के कारण पश्चिम नलबाड़ी फिर से बाढ़ की चपेट में आ गया है। पश्चिम नलबाड़ी राजस्व सर्किल अधिकारी डॉ. प्रियंका कश्यप बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने मौके पर पहुंचीं हैं। **रंगिया** से हमारे संवाद संवाददाता के अनुसार लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ से असम के लोग प्रभावित हैं। इसी बीच रंगिया के हाशंतुक की अनवरा खातून पर मुसीबत आ गयी। मालुम हो कि विगत दिनों में भारी बारिश से इलाके में बाढ़ आ गई है। अनवरा खातून को बुधवार दोपहर को सांप ने डस लिया। स्थानीय लोग पीड़िता को तत्कालअस्पताल ले जाना चाहते थे लेकिन बाढ़ के कारण क्षेत्र में संचार बाधित हो गया। अंचल की मुख्य सड़क और उपपथ पर कमर से लेकर छाती तक पानी भर गया, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं क्षेत्र तक नहीं पहुंच सकीं। बाढ़ में परिवहन के लिए कोई नाव भी उपलब्ध नहीं थी। अंततः स्थानीय लोगों ने महिला को अपने कंधों पर उठाकर बाढ़ के बीच से निकाला और इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि सांप के काटने के बाद पहले घंटे के भीतर या जितनी जल्दी हो सके चिकित्सा सेवाएं शुरू की जानी चाहिए परंतु बाढ़ के कारण संचार पूरी तरह ठप था। क्षुब्ध निवासियों की शिकायत है कि सरकार और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं। निवासियों की शिकायत है कि कई दिनों की बारिश के कारण बाढ़ प्रभावित इलाके के लोगों की मदद के लिए प्रशासन ने कोई भी जरूरी सामान उपलब्ध नहीं कराया है। शिकायत यह भी है कि क्षेत्र में लोगों की असुविधा का खबर लेने के लिए कोई भी जन प्रतिनिधि नहीं पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की मुख्य सड़कें न केवल बरसात के मौसम में बल्कि सूखे के मौसम में भी खराब स्थिति में रहती हैं। इस मुद्दे पर पहले भी कई खबरें आ चुकी हैं लेकिन सरकार और प्रशासन ने इस मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं देने का गंभीर आरोप लोगों ने लगाया है।

गुवाहाटी में भूस्खलन के संभावित 15 क्षेत्र चिन्हित अलर्ट जारी

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप आपदा प्रबंधन विभाग ने गुवाहाटी शहर में संभावित भूस्खलन के 15 स्थानों को चिन्हित किया है। विभाग ने शहर में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के निवासियों को अलर्ट भी जारी करने के साथ ही इन क्षेत्रों से दूर रहने के निर्देश दिया है। कामरूप आपदा प्रबंधन विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि गुवाहाटी शहर में इन 15 स्थानों पर कभी भी भीषण भूस्खलन हो सकता है। गुवाहाटी के जिन इलाकों की भूस्खलन के संभावित क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया है उनमें चांदमारी, काहिलीपाड़ा, खानापाड़ा, बोंदा आदि शामिल हैं। लगातार बारिश के कारण इन चिन्हित स्थानों पर भूस्खलन हो सकता है। विभाग ने राज्यभर में भूस्खलन के लिए चिन्हित स्थान पर रह रहे लोगों को अपने घरों से सुरक्षित स्थानों पर चले जाने को कहा गया है। करीमगंज में भूस्खलन की घटना के बाद विभाग ने यह अलर्ट जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि करीमगंज जिले में भूस्खलन के कारण एक ही परिवार की एक महिला और चार बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

मायुमं, नगांव शाखा ने निर्जला एकादशी पर खाद्य सामग्री का किया वितरण

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं), नागांव शाखा ने निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर सोमवार को स्टेट होम में खाद्य पदार्थ वितरण किया। जिससे 89 बच्चे लाभान्वित हुए। बच्चों को आम, संतरे का जूस, बिस्कुट और पानी प्रदान किया गया। इस प्रकल्प की संयोजिका मोनिका जाजोदिया और काजल अजितसारिया ने बताया कि अनाथ बच्चों की सेवा से उन्हें अत्यंत आनंद और संतोष मिला। अध्यक्ष मनीष गाड़ोदिया ने कहा कि इस तरह के सामाजिक कार्यों का उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संचार हो सके। सचिव रजत केजरीवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सामूहिक प्रयासों और समर्पण से ही यह कार्यक्रम सफल हो सका है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे विक्रांत सोलंकी, अमित केजरीवाल, सूरज अजितसारिया, काजल अजितसारिया, रुचिका मोर, जूही मोर, नीतू पोद्दार, मोनिका जाजोदिया, सरोज अग्रवाल और सुनीता पोद्दार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह जानकारी शाखा के जन संपर्क अधिकारी नितिन मूंधड़ा ने दी ।

भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने अभियान चलाते हुए गुवाहाटी में ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस की ओर से आज दी गयी जानकारी के अनुसार एसटीएफ की टीम ने बीते मंगलवार की रात को गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्राधिकार के अंतर्गत रुक्मिणी गांव स्थित अर्बन इन लॉज के कमरा नंबर 106 में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ड्रग्स के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मौके से 2 साबुनदानी एवं प्लास्टिक की 34 शीशियों में रखे हेरोइन को बरामद किया गया। बरामद हेरोइन का कुल वजन 69 ग्राम बताया गया है। साथ ही नकद 5 हजार 700 रुपए, 200 खाली शीशियां, 4 मोबाइल फोन, एक .32 पिस्तौल जैसा मेटालिक गैस लाइटर आदि बरामद किया गया है। तस्करों की निशानदेही पर पर एक स्विफ्ट टूर कार (एएस-01एफए-0208) और एक हौंडा एविएटर कार (एएस-01डीक्यू-3334) को उक्त लॉज के परिसर से जब्त किया गया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मोहम्मद अफ्ताब हुसैन (32, कामरूप मेट्रो), ख्याति रंजन गोगोई (26, डिब्रूगढ़), सद्दाम हुसैन (28, कामरूप मेट्रो) के रूप में की गयी है। एसटीएफ ने गिरफ्तार व्यक्तियों एवं जब्त की गयी सामग्री को दिसपुर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल ने मारवाड़ी समाज के योगदान की सराहना की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भारत और असम में मारवाड़ी समाज के योगदान को लेकर आज चर्चा की। इस क्रम में उन्होंने ज्योति प्रसाद अगरवाला का उल्लेख किया, जिनकी तस्वीर आज असम के हर घर में टंगी हुई है। राज्यपाल आज भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के सौजन्य से राजधानी गुवाहाटी के भरलुमुख स्थित आलोक भवन के संघ साधक मधुकर लिमये सभागृह में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. श्याम सुंदर हरलालका द्वारा रचित और भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम द्वारा प्रकाशित पुस्तक *असम के मारवाड़ी समाज का इतिहास* के अंग्रेजी संस्करण का बुधवार की शाम पांच बजे राज्यपाल के हाथों विमोचन किया गया। राष्ट्रगीत और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के सह-संगठन मंत्री गिरीन राय द्वारा संचालित इस पुस्तक विमोचन समारोह को भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के अध्यक्ष डॉ. गजेंद्र अधिकारी ने संबोधित किया। अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत धिंग मजूमदार सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम का संक्षिप्त परिचय दिया। जबकि, पुस्तक के लेखक डॉ. श्याम सुंदर हरलालका ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने असम में मारवाड़ी समाज के इतिहास पर प्रकाश डालने का प्रयास किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तक तीन भाषाओं असमिया, हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित की गयी है। अंत में भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के सचिव डॉ. तपन कलिता ने असमिया संगीत के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को धन्यवाद् ज्ञापित किया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुए भूस्खलन से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। आधिकारिक सूचना के अनुसार पापुम पारे जिले के तारासो सर्कल के अंतर्गत बोरमई में एक कच्चा घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। क्रा दादी जिले में भूस्खलन के कारण लगभग 10 हेक्टेयर धान की फसल क्षतिग्रस्त हो गई है और भूस्खलन में पांच परिवार प्रभावित हुए हैं। वहीं, भूस्खलन के कारण कुरुंग कुमेय जिले में एनएच-713 मार्ग कुश गांव में अवरुद्ध हो गया है। जबकि, 18 जून की सुबह को हुए भूस्खलन में कार्सिंगसा सिंकिंग जोन में एनएच-415 का एक हिस्सा, एक पुलिया आदि बह गया, जिससे निर्जुली और बंदेरदेवा के बीच संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि निर्जुली और बंदेरदेवा के बीच वाहनों की आवाजाही को गुम्टो रोड से मोड़ दिया गया है। आईएमडी द्वारा अगले कुछ दिनों में राज्य की राजधानी में भारी बारिश की भविष्यवाणी के साथ, जिला प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों या नामित राहत शिविरों में स्थानांतरित होने का आग्रह किया है।

असम कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल की आज हुई बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए राज्य के शिक्षा आदि मामलों के मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के छोटे व्यवसाईयों को जीएसटी का नोटिस किया था। छोटे व्यवसायी जीएसटी को लेकर आज आतंकित हैं। असम सरकार द्वारा राज्य के दो कैबिनेट मंत्रियों अशोक सिंघल और अजंता नेउग को लेकर एक कैबिनेट कमेटी का गठन किया गया है। दोनों मंत्री राज्य के पांच शहरों गुवाहाटी, सिलचर, तिनसुकिया, शिवसागर, जोरहाट और तेजपुर शहरों के छोटे व्यवसाईयों के साथ बातचीत करके कैबिनेट को रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद कैबिनेट द्वारा इस पर निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा आज कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक यूथ क्लब को 15 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। इस 15 लाख रुपए में से पांच लाख रुपए क्लब के ढांचा को विकसित करने पर जिला उपयुक्त के जरिए खर्च किए जाएंगे।

धूला हत्याकांड को दबाने के आरोपी एसआई बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। धूला में एक आदिवासी लड़की की हत्या के मामले पर पर्दा डालने के आरोप में गिरफ्तार किए गए पुलिस अधिकारी उत्पल बोरा को आज नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए पुलिस अधिकारी की बर्खास्तगी को सार्वजनिक किया। पुलिस महानिदेशक जीपी ने कहा कि हम आरोपी अधिकारी द्वारा किए गए इस जघन्य अपराध के संबंध में गवाहों और सूचनाओं के आधार पर इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इसके बाद, घटना के सभी तथ्यों को देखते हुए, आरोपी अधिकारी एसआई को इसमें शामिल पाया गया। उत्पल बोरा को असम पुलिस की सभी नियमित सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उत्पल बोरा धूला थाना के प्रभारी अधिकारी और उप-निरीक्षक थे। अधिकारी पर धूला में एक आदिवासी किशोरी की हत्या पर पर्दा डालने के लिए रिश्वत लेने का आरोप था। इस शिकायत के आधार पर असम पुलिस द्वारा उच्च स्तरीय जांच की गई। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से असम पुलिस मामले की तेजी से जांच करने की कोशिश कर रही थी। ज्ञात हो कि धूला थाने के तत्कालीन प्रभारी उत्पल बोरा ने जिले के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर लड़की की हत्या पर पर्दा डालने के लिए हत्यारों से 5 लाख रुपए लिए थे। तत्कालीन थाना प्रभारी उत्पल बोरा ने जून और जुलाई 2022 के बीच तीन किस्तों में 5 लाख रुपए एकत्र करने की बात कबूल की थी, उनके साथ, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त उपायुक्त भी शामिल थे।

नगांव, समृद्धि शाखा का दो दिवस निर्जला एकादशी कार्यक्रम संपन्न

नगांव (निसं)। मारवाडी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा ने निर्जला एकादशी के अवसर पर सोमवार व मंगलवार को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए। इसके तहत प्रथम दिन सोमवार को जीव अमृत धारा के अंतर्गत गायों के पानी पीने हेतु सीमेंट के 21 बड़े-बड़े कुंड बनवाकर शहर के विभिन्न स्थानों में स्थापित किए। इस सामुदायिक सेवा एवं पशु कल्याण से समर्पण भरे कार्य से शहर में घूमने वाली गायों को इस तपती धूप में पीने का पानी मिलने से अति तृप्ति की अनुभूति होगी। सभी गौ अमृत धारा के सीमेंट से बने कुंड स्थानीय समाजसेवी सुरेश जैन द्वारा प्रदान किए गए हैं तथा इन्हें कृष्णाश्रम शिव मंदिर, हैबरगांव बाजार, शांतिपुर, शनि मंदिर रोड, खुटीकटिया,लक्खि नगर चाराआली, सहित नगांव शहर के विभिन्न स्थानों में गौ सेवा हेतु लगाए गए। इस अवसर पर समृद्धि शाखा के सलाहकार प्रदीप शोभासरिया, सुरेंद्र बंका, भाजपा हैबरगांव मंडल के साधारण सचिव सुनील आलमपुरिया, युवा मंच के मारवाड़ी भाषा संस्कृति एवं संस्कृतिक के प्रांतीय वाइस चेयरमैन अरुण नागरका उपस्थित थे। इसी कड़ी में निर्जला एकादशी के अवसर पर दूसरे दिन मंगलवार को धौंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर के पास 200 लीटर अमरस बनवाकर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के बीच वितरित किया गया। शाखा द्वारा किए गए इन धार्मिक गौ सेवा एवं मानव सेवा से भरपूर कार्यक्रमों की समाज की सभी वर्गों ने भूरी भूरी प्रशंसा की है। समृद्धि शाखा की अध्यक्ष ममता सिंघी एवं सचिव सपना पेडीवाल ने इस दो दिवसीय कार्यक्रमों की सफलता हेतु जीव अमृत धारा के प्रायोजक सुरेश जैन के साथ सभी सदस्याओं को धन्यवाद दिया है इस आशय की जानकारी समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका ने दी।

मेघालय में भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-6 बंद

शिलांग (हिंस)। मेघालय पुलिस ने जोंवाई-बदरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश दिया है। मेघालय के लुम्सनॉग में बाढ़ और कुलियांग में विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण राजमार्ग की स्थिति जर्जर हो चुकी है। मेघालय पुलिस ने एक नोटिफिकेशन के जरिए यह आदेश जारी किया। इस बीच, मेघालय के स्थानीय ग्राम प्रधानों ने भी इस आदेश का स्वागत करते हुए स्थिति को शीघ्र सुधारने की मांग की है। इस राजमार्ग पर बुधवार सुबह से किसी भी वाहन को चलने की अनुमति नहीं दी गई। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क से मलवा खाली करने और इसकी मरम्मत का काम भी सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एसएसबी, रंगिया का योगाभ्यास कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दीपक सिंह, कमांडेंट, 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया (असम) के नेतृत्व में आज वाहिनी मुख्यालय रंगिया एवं सीमा चौकियों में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस योग शिविर में दीपक सिंह, कमांडेंट, अन्य अधिकारीगण एवं वाहिनी के बल कार्मिको ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस शिविर में योग से होने वाले अनेक प्रकार के लाभो के बारे में विस्तार से बताया गया एवं योग के माध्यम से लोगों को स्वस्थ्य जीवन के लिए जागरूक किया गया। श्री सिंह ने बताया कि योग स्वस्थ्य जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे न केवल हमारे शरीर को लाभ को होता है अपितु हमारे मन को भी शांति का अनुभव होता है। योग से मोटापा एवं शरीर में होने वाली विभिन्न बिमारियों को भी खत्म किया जाया सकता है। शिविर के दौरान सभी बल कार्मिकों ने भरपूर योगाभ्यास किया एवं योग करने की सही विधि का ज्ञान प्राप्त किया।

भगवान की शरण ही सारे पापों से मुक्ति का मार्ग है : क्षमा राम जी महाराज

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी सभा गुवाहाटी की योग सत्संग इकाई महेश योग सत्संग समिति के सौजन्य से छत्रीबाड़ी स्थित माहेश्वरी भवन में रामसनेही संप्रदायीचार्य पीठ के सिंहस्थल पीठाधीश्वर क्षमा राम जी महाराज के पावन सानिध्य में दो दिवसीय सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें आज प्रथम दिन मे प्रातः कालीन और सांय कालीन दो सत्रों का आयोजन किया गया। सांयकालीन सत्र में महाराज श्री ने सारगर्भित व्याख्यान देते हुए कहा कि सारे शास्त्रों का सार भागवत गीता है। भागवत गीता का सार भगवान शरणागत है। कोई अपने स्वयं के साधन के बल पर अनंत पापों से छूट नहीं सकता। ऐसा असंभव है। भगवान की शरण ही सारे पापो से मुक्ति का मार्ग है। गीता में भगवान ने कहा कि अपने धर्म अर्थात अपने कर्तव्य का कभी भी त्याग मत करो। हर वर्ण का अलग-अलग कर्तव्य होता है। मेरी शरण में आना ही सबसे बड़ा धर्म और कर्तव्य है। भगवान के आश्रय से जीव का कल्याण हो जाता है। मनुष्य को अपना कर्तव्य करते रहना चाहिए। किंतु शरण प्रभु की रखनी चाहिए। अलग-अलग की शरण नहीं लेकर एक की ही शरण में आना चाहिए। कारण एक ईश्वर ही है। हम कथा भागवत सुनते जरूर है लेकिन अन्तर्मन में हमारे मन का आश्रय धन के लोभ में रहता है। मन घोड़े की लगाम की तरह होता है। इसमें इतनी ताकत नहीं है कि वह अपने आप घूम जाए। घोड़े की लगाम ढीली छोड़ते ही वह दौड़ने लगता है तथा खींचने से वह रुक जाता है। इसी तरह मन को अगर ढीला छोड़ दिया जाए, तो वह चारों तरफ घूमने लगता है। इससे पूर्व आज प्रातः कालीन सत्र में महाराज ने बताया कि भगवान के सामने पूर्ण रूप से समर्पण करने से ही भगवान की प्राप्ति हो सकती है। जिस तरह छोटा बच्चा साधारण रूप से रोता है तो मां उसे नहीं पुचकारती तथा न हीं उसे गोद में लेती है। मगर जब वह सचमुच रोने लगता है तो माता उसे गोद में लेकर पुचकारने लगती है। इस तरह साधारण रूप से समर्पण करने से भगवान नहीं मिलते। उसके लिए पूर्ण रूप से भगवान के सामने समर्पण करना पड़ता है। इस कार्यक्रम के संयोजक लूणकरण मुंदडा ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को क्षमाराम महाराज जी के सानिध्य मे सुबह 9 बजे संगीतमय सुंदर कांड पाठ किया जाएगा।

'महाराष्ट्र टैक्सी ऑटो रिक्शा चालक मालिक कल्याण निगम' स्थापित किया जाएगा : शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में रिक्शा और टैक्सी चालकों के कल्याण के लिए ह्ममहाराष्ट्र टैक्सी ऑटो रिक्शा चालक मालिक कल्याण निगमह्ल स्थापित किया जाएगा। इसके माध्यम से रिक्शा, टैक्सी चालकों और मालिकों को सरकार की ओर से सुविधा दी जाएगी। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम की पहल पर बुधवार को रिक्शा-टैक्सी चालकों के प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रिक्शा टैक्सी चालकों के लिए ह्ममहाराष्ट्र टैक्सी ऑटो रिक्शा चालक मालिक कल्याण निगमह्ल शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक रिक्शा टैक्सी चालक को जीवन बीमा करके उसके और उसके परिवार के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी दुर्घटना में अचानक घायल होने पर 50 हजार रुपये की आपातकालीन सहायता दी जाएगी। रिक्शा या टैक्सी चालकों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता दी जाएगी। उनके बच्चों को कौशल विकास विभाग के माध्यम से तकनीकी कौशल प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री रोजगार योजना से उन्हें अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही सरकार ने जर्मन सरकार के साथ 400,000 कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत कुशल ड्राइवरों को विदेशी नौकरियों में जाने का मौका मिलेगा। 63 साल से अधिक उम्र के ड्राइवरों के लिए ग्रेजुइटी दिए जाने का भी प्रावधान किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक ड्राइवर को प्रति वर्ष 300 रुपये यानी 25 रुपये प्रति माह जमा करना होगा और बाकी राशि सरकार की ओर से दी जाएगी। अगले कुछ दिनों में इस निगम की संरचना को अंतिम रूप देने के बाद परिवहन विभाग के कार्यालय में एक अलग विंडो खोली जाएगी और इसके माध्यम से कार्ड लेकर रिक्शा टैक्सी चालकों को इस निगम के लाभों से अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के एमएसआरडीसी मंत्री दादाजी भुसे, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम और रिक्शा टैक्सी चालकों के विभिन्न संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में भाजपा देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में लड़ेगी विधानसभा चुनाव : चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सहयोगी दलों के साथ मिलकर लड़ेंगे, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री पद का निर्णय चुनाव बाद लिया जाएगा। साथ ही लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रदेश इकाई जुलाई महीने में धन्यवाद यात्रा आयोजित करेगी। चंद्रशेखर बावनकुले मंगलवार को दिल्ली में प्रदेश भाजपा नेताओं की बैठक में शामिल होने गए थे। बुधवार को दिल्ली से लौटने पर नागपुर में बावनकुले पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि दिल्ली में लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा हुई, लेकिन देवेन्द्र फड़णवीस को मंत्री पद से हटाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विधानमंडल के सभी सदस्यों और प्रदेश भाजपा ने देवेन्द्र फडणवीस से सरकार में बने रहने और संगठन की मदद करने का अनुरोध किया है। चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की अगली पांच साल की विकास योजनाओं को महाराष्ट्र में लाने के लिए काम करेगी। उसके लिए सरकार में देवेन्द्र फडणवीस की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जिस विधानसभा क्षेत्र में महायुति के उम्मीदवार आधे प्रतिशत से भी कम वोटों से पीछे रहे, उसके कारणों पर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में विधानसभाओं में हम और अधिक काम करके इस कमी को पूरा करने का काम करेंगे।

प्रधानमंत्री ने विश्व सिकल सेल दिवस पर कहा, उनकी सरकार इस बीमारी पर काबू के लिए प्रतिबद्ध

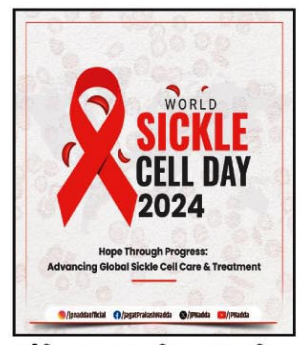

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व सिकल सेल दिवस पर दोहराया कि उनकी सरकार इस बीमारी पर काबू पाने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे इस आनुवांशिक रक्त विकार के बारे में जागरूकता पैदा करने जैसे अन्य पहलुओं पर भी काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा, ह्लविश्व सिकल सेल दिवस पर हम इस बीमारी पर काबू पाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। पिछले साल हमने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन शुरू किया था और जागरूकता पैदा करने, सार्वभौमिक जांच, शीघ्र पता लगाने और उचित देखभाल जैसे पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हम इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि सिकल सेल रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 19 जून को हम विश्व सिकल सेल दिवस मनाते हैं। प्रगति के माध्यम से आशा: वैश्विक सिकल सेल देखभाल और उपचार को आगे बढ़ाना के मूल मंत्र के साथ हम इस बीमारी से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं। हमारे प्रयास शीघ्र निदान को बढ़ावा देने, उपचार तक पहुंच सुनिश्चित करने और प्रभावित लोगों के लिए देखभाल की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत होंगे मुख्य अतिथि

ऋषिकेश, (हि.स.)। योग नगरी ऋषिकेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है। यह कार्यक्रम मायाकुंड ब्राह्मण महासभा द्वारा त्रिवेणी घाट पर 21 जून को मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर बुधवार को मायाकुंड स्थित दंडिबाडा आश्रम में एक बैठक हुई। पूर्व नगर निगम महापौर अनिता ममगांईं की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य कार्यक्रम मां गंगा के तट त्रिवेणी घाट पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत रहेंगे। ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्रा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को यानी सुबह 06:30 बजे त्रिवेणी घाट पर योग का अभ्यास किया जाएगा। इस अवसर पर आप सब भी परिवार सहित योग करने पहुंचे। अनिता ममगांईं ने इस अवसर पर कहा कि ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय योग की राजधानी कहा जाता है। यह सौभाग्य की बात है कि हमारी प्राचीन पद्धति योग आज विश्व में हर देश तक पहुंच गयी है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। मेरा यह मानना है कि यह एक दिन साल में तो उत्सव के तौर पर मनाया ही जाता है, लेकिन योग को प्रतिदिन की दिनचर्या में हर व्यक्ति को शामिल करना चाहिए। कम से कम एक घंटा अपने लिए समय जरुर निकालना चाहिए ताकि आप स्वस्थ रहें। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वह परिवार सहित योग का अभ्यास करने के लिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर त्रिवेणी घाट जरूर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्व हिन्दू परिषद की ऋषिकेश इकाई भी कार्यक्रम में प्रतिभा करेगी।

अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ी

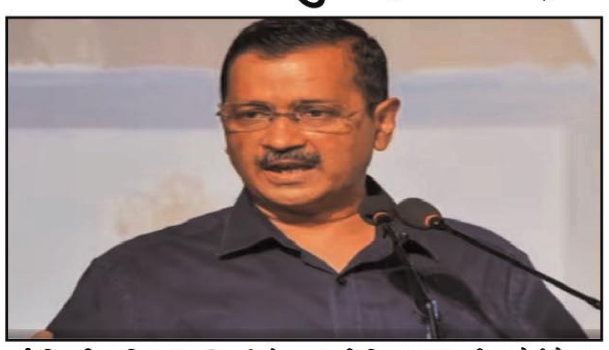

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी है। ड्यूटी जज न्याय बिंदु ने यह आदेश दिया। कोर्ट में अभी केजरीवाल की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही है। केजरीवाल की आज न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। पांच जून को कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत आज तक के लिए बढ़ा दी थी। कोर्ट ने 30 मई को केजरीवाल की अंतरिम और नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 29 मई को केजरीवाल की सात दिन की अंतरिम जमानत के आवेदन को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा था कि चूंकि केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने पर फैसला पहले ही सुरक्षित रखा जा चुका है, इसलिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की उनकी याचिका का मुख्य याचिका से कोई संबंध नहीं है।

इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने की अनुमति भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को एक जून तक की अंतरिम जमानत देते हुए दो जून को सरेंडर करने का आदेश दिया था। केजरीवाल ने दो जून को सरेंडर किया था।

कांग्रेस छोड़ किरण चौधरी भाजपा में हुईं शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। हरियाणा से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रहीं किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। कल ही दोनों नेत्रियों ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में वे भाजपा में दोनों नेत्री शामिल हुईं। किरण चौधरी हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसी लाल की बहू हैं। वे भिवानी जिले के तोशाम से विधायक हैं। श्रुति चौधरी कांग्रेस की हरियाणा इकाई की कार्यकारी भी अध्यक्ष थीं। भाजपा में किरण चौधरी का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री खट्टर ने कहा कि किरण चौधरी भले ही कांग्रेस में रहीं हैं लेकिन उनका मन हमेशा भाजपा में रहा है। वहीं किरण चौधरी ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस एक व्यक्ति केन्द्रित हो गई है। उन्होंने पार्टी को कभी आगे नहीं बढ़ने दिया। उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया ताकि वे अपने कार्यकताओं के हित को सुनिश्चित सकें।

ब्रेन स्ट्रोक के बाद गुजरात सरकार के मंत्री भीखूसिंह परमार आईसीयू में भर्ती

- गांधीनगर में चाय-नाश्ता करते समय ब्लड प्रेशर बढ़ा

अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात सरकार के नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री भीखूसिंह परमार की तबियत बिगड़ने के बाद बुधवार को उन्हें अहमदाबाद के यूएन मेहता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। गांधीनगर स्थित निवास स्थान पर सुबह चाय-नाश्ता के दौरान उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया। भीखूसिंह को ब्रेन स्ट्रोक आने की प्राथमिक जानकारी मिली है। राजनीतिक जीवन में 70 वर्षीय परमार ने सरपंच से लेकर राज्य सरकार में मंत्री तक के लंबे और संघर्षमय जीवन का सफर तय किया है। भीखूसिंह परमार ने विधायक बनने के लिए 1995 से लेकर वर्ष 2022 तक 5 बार चुनाव लड़ा। इसमें वे 4 बार पराजित हुए और अंत में वर्ष 2022 में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर भूपेन्द्र पटेल सरकार में राज्य मंत्री बने हैं। पहली बार वे वर्ष 1995 में विधानसभा का चुनाव लड़े थे। बाद में उन्होंने वर्ष 2002 में निर्दलीय चुनाव लड़ा।

इस चुनाव में भी वे हार गए। इसके बाद वर्ष 2007 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े, किन्तु इस बार भी वे चुनाव हार गए। वर्ष 2017 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े, परंतु इस बार भी उन्हें 1640 वोट से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2022 में भाजपा ने फिर इन्हें टिकट दिया। इस बार वे पहली बार मोडासा सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने। विधायक का चुनाव लड़ने से पूर्व वर्ष 1978 में वे सरपंच का चुनाव जीतने में सफल हुए थे। इस दौरान परिवार का निर्वहन करने के लिए वे गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम में हेल्पर के रूप में नौकरी करते थे। बसों की साफ-सफाई करना उनका काम था।

राहुल गांधी का जन्मदिन पर्यावरण सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया

देहरादून, (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन को कांग्रेस कार्यकताओं ने बुधवार को पर्यावरण सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने गांधी पार्क में पौधरोपण किया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने कांग्रेस भवन में मिष्ठान वितरण भी किया। गोगी ने कहा कि देश के राजनीतिक वातावरण में जब भय और दुष्प्रचार व्याप्त था तो राहुल गांधी ने पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से प्रेम, सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव याकुब सिद्दकी, संजय भारती, मुकीम अहमद पार्षद, फारुक अहमद, ललित बद्री, सुभाष धीमान, एसबी थापा, फैसल, संजय गौतम, ललित थापा, रजत, मंजू गुप्ता, सविति थापा, पूनम कंडारी, इस्तिकार, रवि हसन, मुस्तकिम अंसारी, राजेंद्र, रिपु दमन सिंह, संजय भारती, अशोक, गजेंद्र सिंह, सूकराम आदि उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में स्पाइसजेट फ्लाइट का एसी हुआ खराब, कई यात्रियों की बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्पाइसजेट एयरलाइन की फ्लाइट में बदइंतजामी का मामला सामने आया है। नई दिल्ली से दरभंगा जा रहे स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी 486 के यात्रियों को भीषण गर्मी के बीच एक घंटे से अधिक समय तक बिना एयर कंडीशनिंग (अउ) वाले विमान के अंदर बैठना पड़ा, जिससे कई यात्रियों की तबीयत खराब हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस एयरलाइन से सफर करने वाले एक यात्री ने बताया कि मैं स्पाइसजेट से नई दिल्ली से दरभंगा जा रहा था। दिल्ली एयरपोर्ट पर चेक-इन करने के बाद उन्होंने एक घंटे तक एयर कंडीशनिंग चालू नहीं किया। इसकी वजह से फ्लाइट के अंदर का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी। यात्री ने बताया कि जब फ्लाइट ने उड़ान भरी, तब एयर कंडीशनिंग चालू किया गया...। हालांकि, एयरलाइन कंपनी की ओर से फिलाहाल कोई प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है।

विदेश मंत्री डा.जयशंकर कल जाएंगे श्रीलंका

नई दिल्ली, (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर कल एक दिन की आधिकारिक श्रीलंका यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनने के बाद यह उनकी पहली समुद्री पड़ोसी देश की यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्रा के दौरान वे श्रीलंका सरकार के शीर्ष नेतृत्व के साथ आपसी साझेदारी से जुड़े विभिन्न मसलों पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा कनेक्टिविटी परियोजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में अन्य पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गति प्रदान करेगी। मंत्रालय के अनुसार भारत की पड़ोसी प्रथम नीति की पुष्टि करते हुए यात्रा श्रीलंका के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। श्रीलंका भारत का सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा मित्र है।

डिंडौरी पहुंचे उप राष्ट्रपति धनखड़, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम में सभा स्थल पर किया पौधरोपण

डिंडौरी, (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को एक दिवसीय मध्य प्रदेश के प्रवास पर डिंडौरी पहुंचे हैं। वे यहां विश्व सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन दिवस पर शासकीय चंद्र विजय कॉलेज परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां सभा स्थल पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी मौजूद रहे। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार सुबह वायुसेना के विशेष विमान से जबलपुर आए और यहां डुमना एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से सुबह करीब 11 बजे डिंडौरी पहुंचे। यहां हेलीपैड से वह कार्यक्रम स्थल चंद्र विजय कॉलेज कैंपस पहुंचे, जहां उन्होंने पौधरोपण किया। इसके बाद बैगा आदिवासियों के साथ उन्होंने पारंपरिक वाद्य यंत्र पर नृत्य किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री ने वाद्ययंत्र भी बजाया। इसके बाद विभागों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास, वन विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर उनके साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते मौजूद रहे। इसके बाद उपराष्ट्रपति धनखड़ मंच पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। उपराष्ट्रपति जगदीप की पत्नी सुदीप धनखड़ भी मंच पर मौजूद रहीं। उप राष्ट्रपति लगभग पौने दो घंटे डिंडौरी में रुकेंगे। इसके बाद हेलीकाप्टर से आगे के लिए रवाना होंगे।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को दहलाने की धमकी

-मुंबई नगर निगम मुख्यालय सहित प्रमुख स्थलों में बम विस्फोट करने की धमकी

मुंबई, (हि. स.)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को दहलाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने संवेदनशील स्थानों पर चौकसी बढ़ा दी है। मुंबई नगर निगम मुख्यालय सहित महानगर के प्रमुख स्थलों में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई। पिछले दो दिनों से एक ही ई-मेल से यह धमकी दी जा रही है। इस संबंध में आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है और उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम दक्षिण मुंबई में स्थित मुंबई नगर निगम के मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल संदेश भेजा गया। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार देररात तक मुख्यालय का चप्पा-चप्पा छाना। इसी तरह मंगलवार शाम पुणे के डेक्कन इलाके में भी बम विस्फोट करने की धमकी मिली। सोमवार को मुंबई के 60 अस्पतालों में बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। पुलिस का कहना है कि सभी स्थानों पर गहन छानबीन के बाद कुछ नहीं मिला। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, सोमवार से लगातार दो दिनों तक एक ही ई-मेल आईपी एड्रेस से धमकीभरा संदेश भेजा गया। ई-मेल भेजने वाले की तलाश की जा रही है।

नमस्ते समिट इंडिया के विश्वव्यापी अभियान की कमान संभालेंगे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला

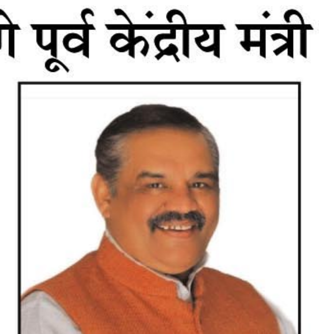

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व के कई देशों में भारत की उपस्थिति को लेकर नमस्ते समिट इंडिया ट्रस्ट एक अभियान की शुरूआत करने जा रहा है। इसकी कमान पूर्व केंद्रीयमंत्री एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष विजय सांपला संभालेंगे। सांपला पंजाब भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं। यह जानकारी समिट इंडिया के अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने विज्ञप्ति में दी। संगठन के महामंत्री महेश वर्मा ने कहा है कि इसकी शुरूआत नेपाल से नमस्ते नेपाल के आयोजन के साथ होगी। ऐसी ही आयोजन वियतनाम, लक्जमबर्ग, सिंगापुर, केन्या, तंजानिया, घाना, ग्रेट ब्रिटेन, यूएसए आदि देशों में भी किया जाएगा। इसका मकसद दुनियाभर में रहने वाले भारत के लोगों के बीच भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रमोट करना है। जाजू ने बताया कि इस अभियान के तहत भारत के अलावा दुनिया के उन तमाम देशों में समिट इंडिया के इस चैप्टर के चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। इस पूरे अभियान का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सांपला करेंगे। इसका मुख्य ध्येय भारत के विश्वगुरु होने की भूमिका कैसे बढ़ाई जाए और भारत की शिक्षा नीति का प्रचार-प्रसार के साथ साथ योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, कला-संस्कृति, स्वास्थ्य, कौशल आदि क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार और सहमति से आगे काम करना है। उन्होंने बताया कि देश के बाहर रहने वाले लोगों को डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए भारत आने के बारे में जानकारी देंगे। भारत के तकनीकी विकास खासकर मेडिकल, आईटी, अनुसंधान और विकास, सेवा, आदि के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में वहां पर कैंप लगाकर वहां के लोगों को जानकारी दी जाएगी। नमस्ते समिट इंडिया का पहला पड़ाव नेपाल है।

धर्मांतरण का दबाव बनाने वाली महिला को नहीं मिली जमानत

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि धर्म परिवर्तन विरोधी कानून प्रारम्भिक चरण में है। यह समाज में व्याप्त कुप्रथा पर रोक लगाने के लिए बनाया गया है। यदि अदालत अभियोजन कार्यवाही में हस्तक्षेप करेगी तो यह कानून अपना उद्देश्य हासिल करने में विफल हो जाएगा। इसी के साथ कोर्ट ने धर्म बदलने के लिए दबाव डालने की आरोपित महिला रूक्सार को राहत देने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर तथा न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने रुक्सार की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। मालूम हो कि पीड़िता ने चित्रकूट की कोतवाली नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 व 506 तथा धारा 3 व 5 (1) धर्म परिवर्तन विरोधी कानून के तहत एफआईआर दर्ज कराई। आरोप लगाया कि जब वह कक्षा 10 में थी, अब्दुल रहमान उसका हर जगह पीछा करता था और एक दिन अपने घर ले गया और दुष्कर्म किया। उसके बाद कई बार दुष्कर्म करता रहा। रहमान की शादी हो गई उसके बाद उसके छोटे भाई इरफान ने भी दुष्कर्म किया और याची रूक्सार ने पीड़िता पर इस्लाम कबूल कर उसके पति के भाई इरफान से निकाह करने का दबाव डाला। 30 मार्च 24 को उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और बुर्का पहनाकर ट्रेन में कर्वी के लिए बैठा दिया, जहां रहमान ने उसे घर ले जाकर दुष्कर्म किया और भेद खोलने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। अधिवक्ता का कहना था कि याची महिला है।

किसानों को बैंक या एटीएम जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे प्राप्त करें किसान सम्मान निधि राशि

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित *किसान सम्मान सम्मेलन* में 18 जून को *प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि* योजना की बहुप्रतीक्षित 17वीं किस्त जारी कर दी। इसको लेकर किसानों और उनके परिवारजनों में खासा उत्साह है। प्रधानमंत्री ने एक क्लिक से डीबीटी माध्यम से देशभर के 9 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में सीधे 20 हजार करोड़ की धनराशि ट्रांसफर की। अब लाभार्थी किसान घर बैठे इस राशि को तुरंत प्राप्त कर सकते हैं। वाराणसी एवं प्रयागराज परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल (पीएमजी) कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि विभिन्न बैंकों के अपने खातों में प्राप्त डीबीटी राशि को किसान घर बैठे डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक के माध्यम से निकाल सकते हैं। इसके लिए किसानों को किसी बैंक की शाखा या एटीएम पर जाने की जरूरत नहीं होगी। देश के किसी भी बैंक में स्थित मोबाईल और आधार लिंक्ड खाते से घर बैठे आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से एक दिन में 10 हजार तक की राशि निकाली जा सकती है। इसके लिए डाक विभाग द्वारा कोई शुल्क नहीं लगेगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए फरवरी, 2019 में शुरू की गई थी। इसके तहत लाभार्थी किसानों को एक साल में छह हजार की राशि दी जाती है। लाभार्थी किसानों को ये राशि हर 4 महीने के अंतराल पर तीन किस्तों में दो-दो हजार रुपये करके उनके खातों में डीबीटी माध्यम से ट्रांसफर की जाती है।

चिरंजीवी योजना नहीं होती तो घर बिक जाते : गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट पूर्व बैठक में डॉक्टरों के चिरंजीवी योजना को सदी की सबसे असफल योजना बताने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार किया है। गहलोत ने निजी अस्पतालों के डॉक्टरों पर झूठ बोलकर अच्छी योजना और मेडिकल के पवित्र पेशे को बदनाम करने का आरोप लगाया है। गहलोत ने सोशल मीडिया में बयान जारी कर तल्ख अंदाज में पलटवार किया है। गहलोत ने एक्स पर लिखा कि कल बजट पूर्व चर्चा में किसी डॉक्टर का मेरे ऑपरेशन पर तथ्यात्मक रूप से गलत बयान मीडिया के माध्यम से जानकारी में आया है। मेरा हर्निया का ऑपरेशन फरवरी 2019 में हुआ था, जबकि चिरंजीवी योजना मई 2021 से शुरू हुई थी। गहलोत ने लिखा कि मेरी आर्टरी में ब्लॉकेज, पैरों के अंगूठों में फ्रैक्चर और कोविड के बाद हैप्पी हाइपोक्सिया होने पर इलाज एसएमएस अस्पताल में ही हुआ। इसके कारण मैं कुछ दिन भर्ती भी रहा। सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर ही इलाज करवाया। चिरंजीवी योजना से लाखों लोगों के जीवन में सुधार हुआ है। उन्होंने लिखा कि अगर ये योजना न होती तो न जाने कितने गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों के जमीन-जायदाद इलाज में बिक जाते। निजी अस्पतालों के कुछ डॉक्टरों को ऐसा असत्य बोलकर एक अच्छी योजना और मेडिकल जैसे पवित्र पेशे को को बदनाम करने से बचना चाहिए। हमारी सरकार ने *राइट टू हेल्थ* का कानून बनाया। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में फ्री इलाज हो सके। वर्तमान सरकार को डॉक्टर एसोसिएशन के साथियों को विश्वास में लेकर *राइट टू हेल्थ* के नियम जल्द से जल्द बनाकर लागू करने चाहिए। इससे राजस्थान के हर निवासी को इलाज का अधिकार मिले। सीएम भजनलाल ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को बजट पूर्व परामर्श बैठक की थी। इसमें एसोसिएशन की ओर से कहा गया था कि चिरंजीवी योजना की असफलता के कारण ही जनता ने कांग्रेस सरकार को सिरे से नकार दिया है।

रेल ट्रैक पर फंसा स्कूल बस, सामने से आ रही थी ट्रेन, टला बड़ा हादसा

नवादा (हिंस)। किउल-गया रेलखंड पर बुधवार को नवादा जिले के चातर हॉल्ट के पास मानव रहित क्रॉसिंग फाटक पर एक स्कूल बस फंस गई। उसी वक्त गया से किउल की ओर जा रही मेमू ट्रेन पहुंच गई। ग्रामीणों के प्रयास और ट्रेन चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। बस से कुछ ही दूरी पर ट्रेन रूक गई। घटना के वक्त में बस पर कोई भी छात्र सवार नहीं थे। बताया जाता है कि ज्ञान भारती स्कूल की बस चातर हॉल्ट के पास स्थित मानव रहित क्रॉसिंग से गुजर रही थी। रेल ट्रैक पार करने के दौरान बस का पिछला पहिया फंस गया। चालक के तमाम प्रसास के बाद भी बस रेल ट्रैक को पार नहीं कर पाया। इसी दौरान गया कि ओर से मेमू ट्रेन आ रही थी। आसपास रहे लोगों ने स्थिति को भांपकर ट्रेन के चालक को रोकने का इशारा

किया। चालक ने भी सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को रोक दिया। इस कारण बड़ा हादसा टल गया। बाद में ग्रामीणों ने धक्का देकर बस को रेल ट्रैक से पार किया। रेल ट्रैक से बस को हटाने में ट्रेन पर सवार यात्रियों ने भी सहयोग किया। बस हटने के बाद ट्रेन नवादा की ओर रवाना हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मोबाइल में वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बता दें कि किउल-गया रेलखंड के दोहरीकरण का काम चल रहा है। नवादा से तिलैया जंक्शन के बीच करीब 15 किलोमीटर का काम होना शेष रह गया है। इस रेलखंड पर कई मानव रहित समपार फाटक है। जिसको पार करने के दौरान छोटी-बड़ी वाहन फंसती रहती है और दुर्घटनाएं भी होती रहती है। चातर हॉल्ट के समीप कई वाक्या पूर्व में भी हो चुका है। फिर भी समस्या का स्थाई समाधान रेलवे द्वारा नहीं किया जा रहा है।

कार्यालयों में हिंदी में काम करने पर दिया जोर

हजारीबाग (हिंस)। दामोदर घाटी निगम के हजारीबाग परियोजना में बुधवार को हिंदी की विशेष कार्यशाला हुई। कार्यालय प्रमुख व राजभाषा नोडल अधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि राजभाषा विभाग के उप निदेशक निर्मल कुमार दुबे थे। विशिष्ट अतिथि निदेशक भूसंवि संजय कुमार, परियोजना प्रमुख व अध्यक्ष अमित कुमार शील, टीएससी उपमुख्य अभियंता डॉ. अशोक कुमार, चिकित्सक अधिकारी थे। संजय कुमार ने राजभाषा अनुभाग द्वारा प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि निर्मल कुमार दुबे ने राजभाषा नोडल अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने का उत्साह बढ़ाया।

बारामूला मुठभेड़ में मारे गए दो आतंकवादी, दो सुरक्षाकर्मी घायल

बारामूला (हिंस)। बारामूला जिले के सोपोर में बुधवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं जबकि दो सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए हैं। सोपोर के हादीपोरा के लाइसर इलाके में बुधवार सुबह आतंकियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। दोपहर बाद क्षेत्र में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देखकर गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। गोलीबारी के दौरान एक पुलिसकर्मी और एक सेना का जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने कहा है कि उनकी हालत स्थिर है। क्षेत्र में अभियान फिलहाल जारी है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने भी जारी मुठभेड़ में दो आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।

सुंदरकाण्ड का पाठ कर भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपने स्वरों से किया मंत्र मुग्ध

अयोध्या (हिंस)। रामनगरी में ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर वामा एप के सानिध्य में रामकथा पार्क में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मशहूर भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपनी सुरीली आवाज से अयोध्यावासियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय उनके सहयोगी सुबोध मिश्रा, स्वामी अभिरामाचार्य, हरि नारायणाचार्य, रिटायर्ड आईएएस राधेश्याम मिश्रा, महंत चौकिया धाम जौनपुर विनय

त्रिपाठी, महंत श्री परमहंस दास इत्यादि महानुभाव उपस्थित थे। वर्चुअल मंदिर एस्ट्रोलॉजी एप (वामा) के फाउंडर ज्योतिषाचार्य डॉ. आचार्य देव ने बताया कि जेष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर अयोध्या वासियों के लिए सुंदरकांड का आयोजन करवाकर वह काफी हर्ष महसूस कर रहे हैं। वामा एप देश दुनिया के मंदिरों को ऑनलाइन लाने के लिए प्रयासरत है जिससे भक्तों की भगवान से दूरी कम हो सके और जो भक्त किसी कारण वश भगवान के सम्मुख नहीं पहुंच पाते उन्हें डिजिटली भगवान के दर्शन करा सकें। हनुमानगढ़ी के दर्शन भी आप वामा एप के माध्यम से निशुल्क कर सकते हैं।

राजनीति का अखाड़ा बनी चित्तौड़ डेयरी में खींचतान, बोर्ड बैठक का बहिष्कार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। किसानों के हितों के लिए काम करने और आम जनता की सरस दूध सहित अन्य उत्पाद उपलब्ध करवाने वाली चित्तौड़ डेयरी में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। चित्तौड़ डेयरी में राजनीतिक खींचतान की बानगी बुधवार को ही देखने को मिली, जब संचालक मंडल की बैठक कौरम के अभाव में स्थगित कर दी गई। बोर्ड चेयरमैन ने एमडी पर सरकार के दबाव में काम करने, कई बीएमसी बंद करने का आरोप लगाया। वहीं दूसरी और चित्तौड़ डेयरी के एमडी ने चेयरमैन के आरोपों को नकारते हुवे कहा कि वे नियमों से बंधे हुवे हैं। नियमों से हट कर वे कोई निर्णय नहीं कर सकते है। वहीं सूत्रों की मानें तो बैठक से पहले भी बोर्ड सदस्यों व डेयरी के अधिकारियों में काफी खींचतान हुई और नौबत बोलचाल तक पहुंच गई। फिलहाल बैठक स्थगित करते हुवे इसकी सूचना आरसीडीएफ जयपुर को भी कर दी गई है। कौरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक स्थगित कर दी गई। जानकारी में सामने आया कि चित्तौड़ डेयरी की साधारण सभा की बैठक बुधवार को आहूत कर संचालक मंडल के सदस्यों को सूचना कर दी थी। तय समय पर पूरे सदस्य नहीं पहुंचे। वहीं

डेयरी चेयरमैन बद्री जगपुरा और इनके समर्थित सदस्यों सहित सात सात सदस्य ही आए थे। ऐसे में कौरम पूरा नहीं हो रहा था। इस दौरान डेयरी चेयरमैन बद्री जगपुरा व सदस्य एमडी सुरेश सेन से उलझ गए। अध्यक्ष व सदस्यों ने एमडी पर सत्ता के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। साथ ही यह भी कहा कि डेयरी को राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया है। बिना कारणों के बीएमसी बंद की जा रही है और किसानों का भुगतान रोका जा रहा है। किसानों को संचालक मंडल सदस्य से इस्तीफा देने के लिए भी धमकाया जा रहा है। इन सभी का असर दुग्ध के उत्पादन पर हो रहा है। चित्तौड़ डेरी का दूध का उत्पादन घट गया है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय किए जाने थे। आगामी कार्य योजना पर भी चर्चा होनी थी। लेकिन एमडी की हठधर्मिता के कारण कुछ भी निर्णय नहीं हो पाए। सदस्यों ने जाकर बीएमसी बंद करने को लेकर आपत्ति जताई थी। लेकिन इस पर एमडी की का कोई सकारात्मक रवैया देखने को नहीं मिला है।

कांग्रेस नेता अजीत ने ली जन सुराज की सदस्यता

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पश्चिम चंपारण के लौरिया विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और समाजसेवी अजीत नाथ तिवारी के नेतृत्व में आज़ सैकड़ों समर्थकों ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के समक्ष जन सुराज की सदस्यता ग्रहण की। धमौरा पंचायत के बौद्ध टोला लछनौता गांव निवासी तिवारी पूर्व में कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। तिवारी पश्चिम चंपारण जिला कांग्रेस कमिटी में जिला असंगठित किसान कामगार यूनियन के वर्षों तक अध्यक्ष रहे हैं। वे कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा देकर प्रशांत किशोर के नेतृत्व में जन सुराज के संस्थापक सदस्य बन गये है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिहार के हित के लिए जन सुराज के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार को अपनी बदहाली पर छोड़ राजद के हवाले कर दिया है, जिसे अब स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके साथ शामिल होने वालों में अनुप रंजन पांडेय, लाल बाबू यादव, सचिन्द्र कुमार पांडेय, दीनानाथ पटेल, मनोज बारी, प्रवीण तिवारी, एजाजुल अंसारी, नसीम अंसारी, नथुनी अंसारी, संतोष तिवारी, विश्वजीत तिवारी, नवीन तिवारी आदि सैकड़ों समर्थक शामिल थे।

बकरा नदी पर बने पुल के ध्वस्त होने के मामले में तीन अभियंता निलंबित, जांच के लिए चार सदस्यीय कमिटी गठित

अररिया (हिंस)। अररिया के सिकटी के पड़रिया में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले ही मंगलवार को नदी के गर्भ में समा गया। पुल का तीन पाया नदी में समा गया, जबकि पुल निर्माण का कार्य तेरह वर्षों से चल रहा था। पुल के ध्वस्त होने के मामले में ग्रामीण अभियंत्रण संगठन (आरईओ) विभाग ने कार्रवाई करते हुए कार्यपालक अभियंता समेत सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को निलंबित कर दिया है। वहीं जांच के लिए चार सदस्यीय जांच कमिटी का गठन किया गया है। पहले पुल निर्माण कार्य की जिम्मेवारी बिहार राज्य पुल निगम के ऊपर थी लेकिन नदी की बदलती धारा के साथ बाद में पुल निर्माण के कार्य की जिम्मेवारी ग्रामीण अभियंत्रण संगठन (आरईओ) के

ऊपर आ गई। 2019 से आरईओ के द्वारा ही पुल निर्माण का कार्य किया जा रहा था। पुल का निर्माण कार्य पूरा हो गया था और अब केवल अप्रोच पथ तैयार कर उद्घाटन होना शेष था। लेकिन उद्घाटन से पहले ही यह धराशाई हो गया। बिहार सरकार की ओर से अभियंताओं का एक जांच टीम का गठन किया गया है, जो पटना से आकर पुल के जमींदोज होने और कार्य की गुणवत्ता को लेकर जांच कर विभाग और सरकार को रिपोर्ट पेश करेंगे। विभाग की ओर से मामले की जांच के लिए चार वरीय अभियंताओं की एक जांच कमेटी बनाई गई है। इस टीम में पूर्णिया क्षेत्र के मुख्य अभियंता निर्मल कुमार, राज्य तकनीकी एजेंसी के प्रतिनिधि डॉक्टर संजीव सिन्हा, पुल सलाहकार बीके सिंह और राज्य गुणवत्ता समन्वयक राजीव रंजन कुमार शामिल है। बकरा नदी पर पडरिया के पास बन रहा यह पुल जिले के सिकटी प्रखंड और कुर्साकांटा प्रखंड को जोड़ने वाला अति महत्वपूर्ण पुल था। लेकिन पड़रिया पुल अपने निर्माण के दौरान ही नदी के गर्भ में समा गया। बहरहाल तेरह साल से बनने के बावजूद पुल आमजनों को सुविधा को लेकर मयस्सर नहीं हो पाया। मामले के जांच को लेकर गठित जांच कमिटी के रिपोर्ट के बाद गाज किन अधिकारियों पर गिरेगा, यह तो जांच रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा। लेकिन पुल निर्माण काल के शुरुआती समय से ही गुणवत्ता विहीन कार्य को लेकर चर्चा में रहा। ग्रामीणों की ओर से कई बार आंदोलन हुए। जिला प्रशासन से विभागीय स्तर तक जांच हुई, लेकिन मामला सिफर ही रहा।

कैच द रेन अभियान को तेजी से पूरा करने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ (हिंस)। अधिकाधिक वर्षा जल संचयन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में चल रहा *कैच द रेन* अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2019 से प्रतिवर्ष मार्च-अप्रैल से नवंबर तक चलने वाला ये अभियान इस वर्ष अपने पांचवें चरण में पहुंच चुका है। इसके अंतर्गत पारंपरिक जल निकायों, जलस्रोतों का नवीनीकरण और पुनः उपयोग, बोरवेल पुनर्भरण, वाटरशेड का विकास, गहन वनारोपण, छोटी नदियों के कायाकल्प के साथ ही *नारी शक्ति से जल शक्ति* के थीम पर जन जागरुकता कार्यक्रम, जिलों की हाइड्रो जियोलॉजिकल परिस्थिति के अनुसार जल संचयन संबंधी अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके अलावा जिलों के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली (आरटीआरडब्ल्यूएच) की स्थापना कराने के निर्देश हैं। साथ ही यह भी निर्देश हैं कि जिलों के सभी अमृत सरोवरों के जल प्रवाह में रुकावट को ठीक किया जाए। 18 जून तक की रिपोर्ट के अनुसार जिलों के शासकीय और अर्द्धशासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से रेनवॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना कराने के मामले में पीलीभीत, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी और गोंडा क्रमशः टॉप फाइव में हैं। यहां शत प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। वहीं अमृत सरोवरों के रखरखाव में गोरखपुर, महाराजगंज, प्रयागराज, आजमगढ़ और बाराबंकी क्रमशः टॉप फाइव जिले हैं। यहां अमृत सरोवरों में सिल्ट और वनस्पतियों को साफ कराने का कार्य पूरा कर लिया गया है। साथ ही निर्माणाधीन अमृत सरोवरों के कार्य को भी पूरा कर लिया गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने हाल ही में *कैच द रेन अभियान 2024* की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को इस बात से अवगत करा दिया है कि यह केंद्र और योगी सरकार के सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

पुण्य तिथि पर याद किए गए हिंदी मैथिली साहित्यकार राजकमल चौधरी

सहरसा (हिंस)। शहर के पटुआहा स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में राजकमल चौधरी की पुण्यतिथि पर बुधवार को शिक्षाविद सह मैथिली भाषा अभियानी दिलीप कुमार चौधरी ने राजकमल के साहित्यिक अवदानों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा राजकमल अपने कालजयी रचना के चलते सदा याद किए जाएंगे। वो समाज में व्याप्त रूढ़िवादी विचार के बिल्कुल खिलाफ थे। स्वभाव से विद्रोही होने के बावजूद जीवन के प्रति सकारात्मक एवं स्वीकार का भाव था। वो समय से आगे की सोचते थे। वो बहु-विवाह के खिलाफ थे। रोटी, राजनीति एवं स्त्री विमर्श पर उनकी कलम निर्बाध गति से चलती रही। वो अस्तित्ववादी थे। अस्तित्ववादी अनुभव को ही सबसे

बड़ा ज्ञान मानते हैं। वो सही मायने में अपने गांव महिषी के सच्चे सपूत हैं। उनकी रचना केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय साथ ही संघ लोकसेवा आयोग के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। राजकमल चौधरी के ऊपर विश्वविद्यालय में कई शोधकार्य भी होता रहा है। उनकी प्रमुख रचनाओं में मछली मरी हुई, अग्नि स्नान देहगाथा, नदी बहती थी, ताश के पत्तों का शहर, शहर था शहर नहीं था (हिंदी में) जबकि मैथिली में प्रमुख रचना है -ललका पाग, स्वर गंधा, आंदोलन, सांझक गाछ, एक चंपा कली एकटा विषधर, फूलपरास वाली काकी, आदि। हिंदी कहानियों में जीभ पर बूटों के निशान, मकान में जलते हुए लोग, भूगोल का प्राकृतिक ज्ञान, पिरामिड, एक अनार सौ बीमार आदि प्रमुख है। जीवन के अंतिम क्षणों में उनकी कालजयी रचना *मुक्ति प्रसंग* कविता के रूप में काफी प्रसिद्ध हुआ। वैसे तो उनकी सारी रचनाएं अद्वितीय है। उनका कहना था जिंदगी छोटी होती नहीं बल्कि हमलोग देर से जीना शुरू करते हैं। कुछ लोग कम उम्र ही पूरी जिंदगी जी लेते हैं जैसे कि राजकमल।

नीट परीक्षा में हुई अनियमितता गंभीर चिंता का विषय : कांग्रेस

रांची (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि नीट-2024 परीक्षा में हुई घोर अनियमितता गंभीर चिंता का विषय है। 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। इस पर प्रधानमंत्री की चुप्पी और भी घातक साबित हो रही हैं। परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है। भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का केंद्र बन गया है। सिन्हा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पेपर लीक पर सख्त कानून बनाकर युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि परीक्षा में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार तथा एनडीए सरकार की निष्क्रियता एवं चुप्पी के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में 21 जून को प्रातः 10 बजे से शहीद चौक रांची से राजभवन तक राज्यव्यापी विशाल विरोध-प्रदर्शन होगा।

विश्व ऊंट दिवस पर राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में होंगे अनेक कार्यक्रम

बीकानेर (हिंस)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी), बीकानेर द्वारा शनिवार को *विश्व ऊंट दिवस* के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में मुख्यतौर पर ऊंट दौड़, ऊंट साज-सजावट प्रतियोगिता, ऊंट व ऊंट गाड़ा प्रदर्शन प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहेंगे वहीं इस अवसर पर केंद्र द्वारा ऊंटपालकों व स्टेक होल्डर्स हेतु एक कार्यशाला व प्रौद्योगिकी व उष्ट्र फोटो प्रदर्शनी कार्यक्रम व उष्ट्र स्वास्थ्य शिविर आदि भी आयोजित किए जाएंगे। केंद्र निदेशक डॉ.आर.के.सावल के अनुसार एनआरसीसी, उष्ट्र पालन व्यवसाय के महत्व एवं बदलते परिवेश में पर्यटनीय दृष्टिकोण से इस पशु को बढ़ावा देने हेतु ऊंट सजावट, ऊंट व ऊंट गाड़ा प्रदर्शन प्रतियोगिताएं व अन्य संबद्ध विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रहा है। डॉ. सावल ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऊंट को ऐसे अनेकानेक नए आयामों के रूप में भी स्थापित

करना होगा ताकि उष्ट्र पर्यटन उद्योग से पशुपालकों की आमदनी प्राप्त हो सके। केंद्र में विश्व ऊंट दिवस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शान्तनु रक्षित ने बताया कि ऊंट दौड़, ऊंट साज-सजावट व उष्ट्र गाड़ा प्रतियोगिताएं, एनआरसीसी परिसर में 22 जून, शनिवार को सुबह 9.00 बजे से प्रारम्भ होकर प्रातः 10.30 तक सम्पन्न होंगी, इसके लिए इच्छुक ऊंट पालक भाई इन प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे तथा आमजन इन प्रतियोगिताओं का लुत्फ उठा सकेंगे। साथ ही उष्ट्र स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा। प्रतियोगिताओं के बाद ऊंटपालकों व स्टेक होल्डर्स हेतु सुबह 10.30 से कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

संपादकीय

मोदी जी की बढ़ती चुनौतियां

मोदी जी तीसरी बार प्राधानमंत्री तो बन गए जोड़-तोड़ के पर उनकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। आनन- फानन में मोदी जी ने बगैर भाजपा संसदीय बोर्ड की औपचारिक बैठक बुलाईं जिसमें पाटा के नेता को चुनना होता है। एनडीए की बैठक बुलाकर अपने आपको पीएम घोषित करवा लिया। पर इससे मोदी जी की चुनौतियां कम नहीं हुईं। आज वह कईं मोर्चो पर घिरे हुए हैं। आज हम सिर्प दो मोर्चो की बात करेंगे। पहला भाजपा के अंदर से आ रही चुनौतियां और दूसरा भाजपा और संघ के रिश्तों की। भाजपा के अंदर इस समय घमासान मचा हुआ है। टिकटों के बंटवारे को लेकर असंतोष से अंदरखाते एक-दूसरे को हरवाने का दौर चल रहा है। यह किसी से अब छिपा नहीं कि मोदी जी की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रादेश में हुईं है। कहां तो 75 सीटें जीतने की बात हो रही थी कहां पाटा 240 सीटों पर अटक गईं जो बहुमत से 32 सीटें कम हैं। उत्तर प्रादेश में हार के कारण भाजपा केन्द्र में मोदी-03 सरकार नहीं बना सकी। अब यह विवाद चर्म पर है कि उत्तर प्रादेश में हार का जिम्मेदार कौन है? एक तरफ अमित शाह हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रादेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमित शाह योगी को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जबकि योगी कह रहे हैं कि टिकटों के बंटवारे से लेकर पूरा अभियान तो आपने दिल्ली से चलाया तो इसमें मैं वैसे जिम्मेदार हुआ? अगर कोईं जिम्मेदार है तो वह आप हैं, दिल्ली है। दरअसल मोदी-शाह बहुत दिनों से योगी को पद से हटाना चाहते हैं क्योंकि वह समझते हैं कि मोदी- शाह की जोड़ी का विकल्प अगर पाटा के अंदर अब बचा है तो वह योगी हैं। योगी हटने को तैयार नहीं। अब तो योगी का पलड़ा और भी भारी हो गया है क्योंकि खबर आईं है कि सर संघ चालक मोहन भागवत ने गोरखपुर में योगी से मुलाकात की है और उनकी पीठ पर हाथ रख दिया है। आने वाले दिनों में देखें यह महाभारत क्या रंग लाता है। दूसरा मोर्चा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खोल दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद सबसे ज्यादा चर्चा आरएसएस के बयानों की है। भाजपा के प्रादर्शन पर पहला मुखर प्राश्न संघ से जुड़ी पत्रिका आर्गनाइजर ने उठाया। उसके बाद सरसंघ चालक मोहन भागवत ने इशारों में कईं चेतावनियां दे डाली। मैंने भागवत जी के बयान का पहले भी जिव्रा किया था, इसलिए यहां दोहराऊंगा नहीं और अब संघ की राष्ट्रीय कार्यंकारिणी के सदस्य व वरिष्ठ नेता इंद्रेश वुमार ने तीखे सवाल उठा दिए हैं। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यंकारिणी के सदस्य इंद्रेश वुमार ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि राम सबके साथ न्याय करते हैं। भाजपा को लेकर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी। उन्होंने कहा, जो अहंकारी हो गए हैं, उन्हें 240 पर रोक दिया, जिनकी राम में आस्था नहीं थी, उन सबको मिलाकर 234 पर रोक दिया। यह प्राभु का न्याय है। इंद्रेश वुमार गुरुवार को जयपुर के पास कानोता में रामरथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राम सबके साथ न्याय करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को ही देख लीजिए। जिन्होंने राम की भक्ति की, लेकिन धीरे-धीरे अहंकार आ गया। उस पाटा को सबसे बड़ी पाटा घोषित कर दिया। उनको जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने राम का विरोध किया, उन्हें बिल्वुल भी शक्ति नहीं दी। इन में से किसी को भी शक्ति नहीं दी। सब मिलकर (इंडिया ब्लाक) भी नंबर-1 नहीं बने, नंबर 2 पर खड़े हैं। इसलिए प्रामुख का न्याय विचित्र नहीं है, सत्य है, बड़ा आनन्ददायक है जिस पाटा ने भक्ति की, अहंकार आया, उस पाटा को 240 पर रोक दिया, पर सबसे बड़ी बना पाटा दिया। जिन्हें राम के प्राति आस्था नहीं थी, उन सबको मिलकर 234 पर रोक दिया। उन्होंने कहा कि तुम्हारी अनास्था की यही दंड है, तुम सफल नहीं हो सकते।

एनडीए की बैठक बुलाकर अपने आपको पीएम घोषित करवा लिया। पर इससे मोदी जी की चुनौतियां कम नहीं हुईं। आज वह कईं मोर्चो पर घिरे हुए हैं। आज हम सिर्प दो मोर्चो की बात करेंगे। पहला भाजपा के अंदर से आ रही चुनौतियां और दूसरा भाजपा और संघ के रिश्तों की। भाजपा के अंदर इस समय घमासान मचा हुआ है। टिकटों के बंटवारे को लेकर असंतोष से अंदरखाते एक-दूसरे को हरवाने का दौर चल रहा है। यह किसी से अब छिपा नहीं कि मोदी जी की सबसे बड़ी हार उत्तर प्रादेश में हुईं है। कहां तो 75 सीटें जीतने की बात हो रही थी कहां पाटा 240 सीटों पर अटक गईं जो बहुमत से 32 सीटें कम हैं। उत्तर प्रादेश में हार के कारण भाजपा केन्द्र में मोदी-03 सरकार नहीं बना सकी। अब यह विवाद चर्म पर है कि उत्तर प्रादेश में हार का जिम्मेदार कौन है? एक तरफ अमित शाह हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रादेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमित शाह योगी को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जबकि योगी कह रहे हैं कि टिकटों के बंटवारे से लेकर पूरा अभियान तो आपने दिल्ली से चलाया तो इसमें मैं वैसे जिम्मेदार हुआ? अगर कोईं जिम्मेदार है तो वह आप हैं, दिल्ली है। दरअसल मोदी-शाह बहुत दिनों से योगी को पद से हटाना चाहते हैं क्योंकि वह समझते हैं कि मोदी- शाह की जोड़ी का विकल्प अगर पाटा के अंदर अब बचा है तो वह योगी हैं।

गांव के कच्चे घरों में और नगरीय क्षेत्रों में ऐसे ही घरों में रहने को मजबूर हैं

बेघर परिवारों को मिलेंगे घर

प्रमोद भार्गव

केंद्रीय मंत्रीमंडल की पहली बैठक में ही प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना के अंतर्गत तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को स्वीकृति दे दी गई है। यह योजना भारत सरकार का एक समाज कल्याण प्रमुख कार्यक्रम है। इसे प्रधानमंत्री ने 2015 में आरंभ किया था। इस योजना के अंतर्गत राजग के बीते दो कार्यकालों में गरीब पात्र परिवारों के लिए कुल 4 करोड़ 21 लाख घरों का निर्माण किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की षपथ लेते ही घर का सपना देख रहे लोगों के सपने को साकार करने का प्रबंध कर दिया। हाषिए पर पड़े घर से वंचित और गरीब के लिए अपना घर बड़ी सौगात है। केंद्रीय मंत्रीमंडल की पहली बैठक में ही प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना के अंतर्गत तीन करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को स्वीकृति दे दी गई है। यह योजना भारत सरकार का एक समाज कल्याण प्रमुख कार्यक्रम है। इसे प्रधानमंत्री ने 2015 में आरंभ किया था। इस योजना के अंतर्गत राजग के बीते दो कार्यकालों में गरीब पात्र परिवारों के लिए कुल 4 करोड़ 21 लाख घरों का निर्माण किया गया है। ये घर ऐसे लोगों को दिए जा रहे हैं, जो अपने गांव के कच्चे घरों में और नगरीय क्षेत्रों में ऐसे ही घरों में रहने को मजबूर हैं। इस योजना के तहत जिस व्यक्ति के पास अपना भूखंड है, उसे आर्थिक मदद दी जाती है। नतीजतन इस योजना के अंतर्गत उन व्यक्तियों के घर का सपना पूरा हो रहा है, जो आर्थिक बदहाली के चलते घर बनाने में सक्षम नहीं है। हालांकि इस योजना पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मोदी ने 17 जुलाई 2020 को गारंटी दी थी कि 2022 तक प्रत्येक भारतीय के सिर पर छत होगी, जो खेखली साबित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरों में बेघरों को घर देने के लिए दो नई योजनाएं चल रही हैं। नया घर बनाने के लिए 9 लाख के ऋण पर 4 फीसदी और 12 लाख रुपए तक के कर्ज पर 3 प्रतिशत ब्याज दर में छूट दी जाती है। वर्तमान ब्याज दर 9.5 फीसदी है। बीते दस सालों में पात्र गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं। इन घरों में राज्य सरकारों की मदद से षोचालय एलपीजी गैस, बिजली और नल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी दी जाती हैं। अब इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने पात्र परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न आवास संबंधी जरूरतों की पूर्ति के लिए तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण एवं षहरी परिवारों को घर बनाने के लिए सहायता देने की घोशणा की है, जिससे आम आदमी का जीवन सुगम व सहस हो सके। यह देश के नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने का उत्तम प्रयास है। मनुष्य के जीवन में अपने घर का होना एक निर्णायक व अहम् उपलब्धि है। इससे सामाजिक प्रतिष्ठा भी आंकी जाती है। घर पारिवारिक जीवन को बेहतर और सुकूनदायी बनाता है। इसीलिए घर का मूल्यांकन केवल चार दीवारों पर छत से नहीं, बल्कि परिवार के जीवन से आजीवन जुड़ जाने वाली सुविधा से किया जाता है। इसीलिए घर के मालिक निरंतर घर को सजाते व संवारते हैं, क्योंकि अंततः वह उनके लिए आत्म-प्रेरणा का स्रोत भी बन जाता है। इस मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री ने परिवार की हर इकाई को घर दिलाने के उपाय आसान किए हैं। देष में हर परिवार के लिए अपना घर फिलहाल एक मृगतृशणा की तरह है। देषभर में घरों की मांग और आपूर्ति का जो आंकलन किया गया है, उसका अनुमान षहरी क्षेत्रों में करीब दो करोड़ और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 5 करोड़ घरों की जरूरत का है। इस सबके बावजूद यह षंका अपनी जगह कायम है कि घर-ऋण की योजना तभी फलीभूत होगी जब शहरी निम्न-मध्यमवर्गीय लोगों और लघु व सीमांत किसानों की आमदनी में इजाफा हो? साफ है, सरकारी क्षेत्र में संविदा पर काम करने वाले और असंगठित क्षेत्र में लगे लोगों की आय में वृद्धि हो? तभी लक्षित वर्ग कर्ज लेने व चुकाने लायक हो पाएगा, वरना सरकार सब्सिडी का अत्याधिक बोझ उठाना होगा। हालांकि ब्याज दरों में छूट देकर सरकार ने एक तरह से घर खरीदने वालों को सबसिडी की व्यवस्था कर दी है। इस योजना को लाबू करने के आरंभ में प्रधानमंत्री षहरी आवास योजना की घोशणा करते वक्त सरकार ने सबके लिए आवास मिषन पूरा करने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरषिप नमूने पर काम करने की उम्मीद जताई थी, लेकिन निजी क्षेत्र ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। षायद इसीलिए सरकार ने 12 लाख तक की रकम पर ब्याज में छूट देकर षहरों में निर्मित पड़े मकानों को खरीदने का व्यावहारिक रास्ता खोल दिया है। इस उपाय से सरकार को तत्काल भवन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के झंझट में भी नहीं उलझना होगा। फिलहाल घरों की कमी के जो आंकड़े सरकार के पास हैं, वे 2011 में दर्ज जनगणना के आंकड़ों से लिए गए हैं।

साफ है, आबादी में वृद्धि निरंतर हो रही है, सो घरों की संख्या में भी वृद्धि होनी ही है। हालांकि भारतीय सांख्यकीय संस्थान के षोधकर्ताओं का दावा है कि अभी भी घरों की जो कमी गिनाई जा रही है, उससे कहीं तीन गुना अधिक घरों की कमी है। स्वयंसेवी संगठन तो 25 करोड़ घरों की कमी बता रहे हैं। यह कमी तब है, जब देष में 28 करोड़ मकान मौजूद हैं। अर्थषास्त्री एक घर में औसत पांच सदस्यों का रहना मानते हैं। यदि इस औसत से अंदाजा लगाएं और देष की अधिकतम आबादी 127 करोड़ मान लें तो 28 करोड़ घरों में 140 करोड़ लोग रह सकते हैं। मसलन जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध घरों के हिसाब से नए घरों की जरूरत ही नहीं है। लेकिन हम सब जानते हैं कि यह हकीकत नहीं है। महानागरों में करोड़ों लोगों को छत नसीब नहीं है। लोग फुटपाथों पर रात गुजारते हैं। दरअसल ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई लोग 3 से 5 मकानों तक के मालिक है। भ्रश्ट अधिकारियों के पास दर्जन-दर्जन भर मकानों के दस्तावेज पाए गए हैं। अतएव एक व्यक्ति द्वारा कई-कई मकान खरीदने पर पाबंदी लगे। एक पारिवारिक इकाई के पास एक ही आवासीय घर हो। बेनामी संपत्ति और कालेधन पर अकुंष लगाने की दृश्टि से मोदी सरकार ने बीते दस सालों में अनेक कानून बनाए हैं, लेकिन उनकी सार्थकता सामने नहीं आई। बेनामी संपत्ति और कालाधन दोनों ही बेतहाषा एक सीमित वर्ग के पास बढ़ रहे हैं। इन लोगों में बड़े व्यापारी तो षामिल हैं ही, भ्रश्ट नौकरषाही भी षामिल है। दरअसल देष में कानून तो बन जाते हैं, किंतु उन पर सख्ती से अमल नहीं होता है। यदि इन कानूनों पर अमल हो तो बड़ी तदाद में बेनामी संपत्ति सामने आएगी। इस संपत्ति की जब्ती से भी कई बेघरों को घर दिए जा सकते हैं। वैसे भी मकान केवल जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने के लिए होना चाहिए, वरना यह स्थिति जमीन का संकट पैदा करेगी? आवासीय बस्तियों के लिए खेती की जमीन का उपयोग जहां अनाज का संकट बढ़ाता है, वहीं बेरोजगारी भी पैदा करता है। इस जमीन को बाजार भाव से खरीदकर यदि षहरी आबादी के लिए घर निर्माण करने के उपाय किए जाते हैं, तो 10-12 लाख रुपए में अपना घर खरीदना मुष्किल होगा? इस लिहाज से सरकार बेनामी संपत्ति पर नकेल कसती है तो निर्मित भवनों की कीमतों में कमी बनी रहेगी और ये घर निम्न व मध्यम आय वर्ग के लोगों की पहुंच में बने रहेंगे। इसी दृढ़ इरादे के साथ सब के लिए घर का सपना पूरा हो पाएगा।

दृष्टि कोण

जी-7 शिखर-सम्मेलन में वैश्विक समाधान

भारत की 11वीं भागीदारी है। एक बार फिर डॉ.एस. जयशंकर विदेश मंत्री बने, तथा विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने सभी बिदुओं को विश्व पटल पर भारत की विश्वसनीयता पर ध्यान वेंद्रित किया। जहां एक ओर साइंस व टेक्नोलॉजी तेज़ी से विकसित हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धक हथियारों, परमाणु बम, विश्व शांति में मानवीयता को तार-तार कर रहे हैं। शिखर सम्मेलन 2024 में वैश्विक, महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए इटली में अंतर्राष्ट्रीय नेता एकत्रित हुए। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के उपरांत, ये नरेंद्र मोदी का पहला विदेशी दौरा है। इटली की प्रधानमंत्री, जियरेजिया मेलोनी ने अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के बोगरे एग्नाज़िया रिसॉर्ट में सभी नेताओं का स्वागत किया। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, प्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा व जापान शामिल हैं। इटली ने, जी-7 देशों के सामूहिक शिखर सम्मेलन की वर्तमान में अध्यक्षता व मेज़बनी करी। इस सम्मेलन के मुख्य मुद्दों में जी-7; यूव्रोन-रूस में संघर्ष, हमास-इज़राइल युद्ध व चीन व पशिमी देशों के बीच आर्थिक तनाव सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर निर्णय लिए गए। उद्घाटन सत्र में अप्रीका, जलवायु परिवर्तन, विकास मध्य पूर्व और यूव्रोन पर चर्चा हुईं। प्रवासन, हिदप्रशांत, आर्थिक सुरक्षा व पोप प्रांसिस के वृत्रिम मेधा चर्चो के मुद्दे थे। वैथोलिक चर्च के 87 वषाय प्रमुख पोप प्रांसिस ने, वृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जी-7 नेताओं को संबोधित किया। यह पहली बार था, जब पोप जी-7 शिखर सम्मेलन में बोले। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यून के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की, प्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैव्रॉन, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री त्रषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठवें कीं। भारत के अलावा इटली ने अप्रीका, दक्षिण अमेरिका व हिद-प्रशांत क्षेत्र के 11 विकासशील देशों के नेताओं को शिखर सम्मेलन में भाग लिया। जी- 7 में अमेरिका, ब्रिटेन, प्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। इटली जी-7 (सात देशों के समूह) शिखर सम्मेलन की वर्तमान में अध्यक्षता व मेज़बानी इटली कर रहा है। हालांकि, यूरोपीय संघ जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन यह वरषिक शिखर सम्मेलन में भाग लेता है। जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, 21वीं सदी टेक्नोलॉजी की सदी है। मानव जीवन का शायद ही कोईं ऐसा पहलु होगा जो टेक्नोलॉजी के प्रभाव से वंचित हो। एक तरफ जहां टेक्नोलॉजी मनुष्य को चांद तक ले जाने का साहस देती है, वहीं दूसरी ओर साइबर सिक्युरिटी जैसी चुनौतियां भी पैदा करती है। अखिरकार इन अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियों की क्या उपयोगिता है? हमें मिलकर यह सुनिति करना होगा कि टेक्नोलॉजी का लाभ सभी वर्गो तक पहुंचे, समाज के हर व्यत्ति के सामर्थ्य को उजागर करे, सामाजिक असमानताओं को दूर करने में मदद करे, व मानवीय शत्तियों को सीमित करने की बजाय उनका विस्तार करे। जी-7 शिखर सम्मेलन से पूर्व यूरोपियन परलियामेंट के चुनाव हुए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में हुए आम चुनावों की चर्चा की। 2600 से ज्यादा पोलिटिकल परटियों ने हिस्सा लिया। 5 मिलियन से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक वोटिग मशीनें, 15 मिलियन पोलिग स्टाफ व लगभग 970 मिलियन वोटर्स, जिनमें से 640 मिलियन लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पीएम मोदी ने कहा, ठसबसे पहले, इस सम्मेलन में निमंत्रण के लिए, व हमारे आतिथ्य-सत्कार के लिए मैं प्रधानमंत्री मेलोनी का हरदिक आभार व्यत्त करता हूं। मैं चांसलर शोल्ज़ को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। जी-7 समिट का ये आयोजन विशेष भी है, और ऐतिहासिक भी है। जी- 7 के सभी साथियों को इस समूह की पचासवीं वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाईंठ। आटिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अप्रीका व भूमध्यसागरीय पर जी-7 आउटरीच सत्र वर्तमान में महत्वपूर्ण मुद्दे रहे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटिश पीएम त्रषि सुनक से बातचीत की। दूसरी तरफ रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने एक शांति प्रस्ताव पेश किया है। इसमें यूव्रोन को गुट निरपेक्ष रहने की सलाह है व यूव्रोन के क्षेत्रों को रूस के क्षेत्र के तौर पर मान्यता की मांग की गईं है। सेमीवंडक्टर सहित कईं मुद्दों पर त्रषि सुनक के साथ पीएम की चर्चा हुईं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने एनडीए सरकार के तीसरे कार्यंकाल में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराईं। सेमीवंडक्टर, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने की काफी गुंजाइश है। हमने रक्षा क्षेत्र में संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात की। इमैनुएल मैॉन ने इन मुद्दों पर हुईं बात हुईं है। विदेश मंत्रालय के प्रवत्ता रणधीर जयसवाल ने ट्वीट किया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली के अपुलिया में 50वें जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैव्रॉन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, शिक्षा के क्षेत्रों सहित साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जलवायु कार्रवाईं, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, कनेक्टिविटी व संस्वृति पर भी उन्होंने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इन राजनेताओं का मिलकर बातचीत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा करना आवश्यक है, ताकि शांति के हल ढूंढ़ने में मदद मिले। मजे की बात है कि अपुलिया के एक भारतीय रेस्तरां में उत्साह का माहौल था, जहां रेस्तरां के कर्मचारी पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल के व्यंजन संबंधी 'ऑर्डर' को पूरा करने में तेज़ी से लगे रहे। यूव्रोन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने जी-7 युद्धग्रस्त यून के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए इटली में शिखर सम्मेलन के दौरान शीर्ष एजेंडों में से एक रहा।

कुछ अलग

पानी की कसक

यह विडंबना ही है कि भीषण गर्मी में देश की राजधानी में जल संकट को सुलझाने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है। जिस समस्या को सुलझाने के लिये शासन-प्रशासन को सजग होना चाहिए था, उसको लेकर शीर्ष अदालत को निर्देश देने पड़ रहे हैं। कोर्ट ने दो राज्यों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि दिल्ली के लिये अतिरिक्त पानी का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हो। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में जीवनदायी पानी को लेकर राजनीति तो नहीं ही होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से कहा है कि हिमाचल प्रदेश जिस 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी को दिल्ली हेतु छोड़ने के लिये राजी हुआ, उसका दिल्ली तक पहुंचना सुनिश्चित करे। वैसे तो देश के कई राज्यों में नदियों के जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद जारी हैं, विवाद सुलझाने को कई प्राधिकरण भी बने हैं, लेकिन कम से कम पेयजल संकट के दौरान राजनीति नहीं की जानी चाहिए। एक तथ्य यह भी कि अतिरिक्त पानी देने वाले हिमाचल की सीमा दिल्ली से नहीं लगती, इसलिए हरियाणा के वजीराबाद बैराज के माध्यम से दिल्ली को अतिरिक्त पानी भेजा जा सकता है। बहरहाल, जानलेवा गर्मी के बीच दिल्ली जल संकट को दूर करने के लिये अदालत के हस्तक्षेप के बाद राज्यों में सहयोग तथा जल संसाधनों के तर्कसंगत प्रबंधन की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आबादी के लगातार बढ़ते दबाव के बीच जल संकट हर साल गर्मियों में गहरा जाता है। राष्ट्रीय राजधानी अपनी जल आपूर्ति के लिये पड़ोसी राज्यों पर ही निर्भर रही है। जिसके मूल में जल प्रबंधन में संवेदनहीनता व अक्षमता भी उजागर होती है। दिल्ली सरकार भी सारे साल प्रयास करने के बजाय सिर्फ गर्मियों में संकट पैदा होने पर हाथ-पांव मारती नजर आती है। दरअसल, दिल्ली सरकार अकसर कहती है कि कारगर तंत्र के अभाव में राज्य को न्यायसंगत ढंग से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। जिसके मूल में जलप्रबंधन में प्रणालीगत अंतर्विरोध भी निहित हैं। वहीं दूसरी ओर हरियाणा अकसर अपनी पानी की जरूरतों तथा हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त जल आपूर्ति मापने के लिये स्पष्ट तंत्र की कमी की बात कहता रहा है। दिल्ली सरकार कहती है कि हरियाणा उसके हिस्से का पानी नहीं पहुंचने देता है। दरअसल, जब दिल्ली व हरियाणा में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होती हैं तो जल संकट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो जाती है। दूसरी ओर, इस विवाद में मध्यस्थता करने के लिये बने ऊपरी यमुना नदी बोर्ड की कार्यक्षमता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि नदी बोर्ड जल प्रबंधन के लिए सबके सहयोग से पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाया जाए। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी न मिलना जन स्वास्थ्य के लिये भी खतरा है। जिसके लिये जल प्रबंधन स्थायी और न्यायसंगत ढंग से करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दिल्ली सरकार की शिकायत पर जहां सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार को अतिरिक्त पानी देने तथा हरियाणा सरकार को जल प्रवाह बाधा मुक्त बनाने को कहा है, वहीं दिल्ली के लोगों से कहा है कि वे पानी की बर्बादी रोकें। साथ ही जल प्रबंधन से जुड़ी अक्षमताओं को दूर करने को कहा गया है। जिसमें जल रिसाव व चोरी रोकने तथा टैंकर माफिया की निरंकुशता पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। वहीं अवैध कनेक्शनों पर भी नकेल कसने की जरूरत बतायी है। दूसरी ओर जरूरी है कि राज्यों में बेहतर सहयोग के लिए यूवाईआरबी जैसे निकाय इस बाबत हुए समझौतों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

देश दुनीया से

मोदी मंत्रिमंडल निरंतरता का द्योतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोईं बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है।

एक पाटा की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्यं व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोईं सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिता में उस तरह का कदम न उठाया जाए। देश का आर्थिक विकास, सड़कों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पाटा करेगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोईं बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। साथी दलों के सामने साथ मिलकर काम करने का जनादेश मिला है तो वो इसका ध्यान बिलवुल रखेंगे। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो नरेंद्र मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। प्रधानमंत्री सहित वैबिनेट की संख्या 31 है। पिछली सरकार में वैबिनेट की संख्या 26 थी। 16 सांसदों वाले तेलुगू देशम और 12 वाले जद यू को दो-दो मंत्री मिले हैं। वैबिनेट में 21 चेहरे पुराने हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रुप में वापसी हुईं है। सहयोगी दलों में हिदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वषाय जीतन राम मांझी, जद यू के राजीव रंजन सिह, तेलुगू देशम के 36 वषाय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वषाय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो वैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गईं है। इनमें हरियाणा से रविदरजीत सिह, जम्मू कश्मीर से जितेंद्र सिह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार वेंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोईं सांसद नहीं है लेकिन रवनीत सिह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजयी हुईं है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोकसभा सदस्यों डॉक्टर सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठावुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इनमें सुकांत पहली बार मंत्री बने हैं लेकिन शांतनु पिछली सरकार में जुलाईं 2021 से जहाजरानी राज्य मंत्री रहे हैं। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठावुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठावुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोईं नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल वुछ क्षेत्र, समूह, वुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है। इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोईं बदलाव होगा ऐसा मानने का कोईं कारण नहीं है। वास्तव में भाजपा के अंदर बहुमत न मिलने से निराशा और चिता अवश्य होगी कितु 10 वर्षो के शासन में आंतरिक और बा नीतियों में स्थायित्व आ चुका है। निति रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। सड़क परिवहन एवं अन्य निर्माण के क्षेत्र में नितिन गडकरी की भूमिका की प्रशंसा सभी दलों ने की है और सड़कों के मामले में भारत की विश्व स्तरीय पहचान बन चुकी है। विश्व भर के निवेशक सड़क सहित भारत की आधारभूत संरचना में निवेश करने के लिए खजाना खोल बैठे हैं और मंत्री परिषद की निरंतरता से वे आश्वस्त हुए होंगे। एक पाटा की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्यं व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोईं सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिता में उस तरह का कदम न उठाया जाए।

आप का नजरीया

पृथ्वी का आधार जल और जंगल है प्रेरणा

भौतिक विकास के पीछे दौड़ रही दुनिया ने आज जरा ठहरकर सांस ली तो उसे अहसास हुआ कि चमक-धमक के पेर में क्या कीमत चुकाईं जा रही है। आज ऐसा कोईं देश नहीं है जो पर्यांवरण संकट पर मंथन नहीं कर रहा हो। भारत भी चिंतित है। लेकिन, जहां दूसरे देश भौतिक चकाचौंध के लिए अपना सबवुछ लुटा चुके हैं, वहीं भारत के पास आज भी बहुत वुछ बाकि है। पामि के देशों ने प्रवृति को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पेड़ काटकर जंगल के कंव्रीट खड़े करते समय उन्हें अंदाजा नहीं था कि इसके क्या गंभीर परिणाम होंगे? प्रवृति को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए पामि में मजबूत परंपराएं भी नहीं थीं। प्रवृति संरक्षण का कोईं संस्कार अखण्ड भारतभूमि को छोड़कर अन्यत्र देखने में नहीं आता है। जबकि सनातन परम्पराओं में प्रवृति संरक्षण के सूत्र मौजूद हैं। हिन्दू धर्म में प्रवृति पूजन को प्रवृति संरक्षण के तौर पर मान्यता है। भारत में पेड़- पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रवृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गईं है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। ग्रह-नक्षत्र, पहाड़ और वायु देवरूप माने गए हैं। प्राचीन समय से ही भारत के वैज्ञानिक त्रषि-मुनियों को प्रवृति संरक्षण और मानव के स्वभाव की गहरी जानकारी थी। वे जानते थे कि मानव अपने क्षणिक लाभ के लिए कईं मौकों पर गंभीर भूल कर सकता है। अपना ही भारी नुकसान कर सकता है। इसलिए उन्होंने प्रवृति के साथ मानव के संबंध विकसित कर दिए। ताकि मनुष्य को प्रवृति को गंभीर क्षति पहुंचाने से रोका जा सके। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही भारत में प्रवृति के साथ संतुलन करके चलने का महत्वपूर्ण संस्कार है। यह सब होने के बाद भी भारत में भौतिक विकास की अंधी दौड़ में प्रवृति पददलित हुईं है। लेकिन, यह भी सच है कि यदि ये परंपराएं न होतीं तो भारत की स्थिति भी गहरे संकट के किनारे खड़े किसी पामि देश की तरह होती। हिन्दू परंपराओं ने कहीं न कहीं प्रवृति का संरक्षण किया है। हिन्दू धर्म का प्रवृति के साथ कितना गहरा रिश्ता है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि दुनिया के सबसे प्राचीन ग्रंथ त्रग्वेद का प्रथम मंत्र ही अग्नि की स्तुति में रचा गया है। हिन्दुत्व वैज्ञानिक जीवन पद्धति है। प्रत्येक हिन्दू परम्परा के पीछे कोईं न कोईं वैज्ञानिक रहस्य छिपा हुआ है। इन रहस्यों को प्रकट करने का कार्यं होना चाहिए। हिन्दू धर्म के संबंध में एक बात दुनिया मानती है कि हिन्दू दर्शन 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर आधारित है। यह विशेषता किसी अन्य धर्म में नहीं है। हिन्दू धर्म का सह अस्तित्व का सिद्धांत ही हिन्दुओं को प्रवृति के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। वैदिक वाङ्मयों में प्रवृति के प्रत्येक अवयव के संरक्षण और संवर्धन के निर्देश मिलते हैं। हमारे त्रषि जानते थे कि पृथ्वी का आधार जल और जंगल है। इसलिए उन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए वृक्ष और जल को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है- 'वृक्षाद् वर्षति पर्जन्यः पर्जन्यादन्न सम्भवः' अर्थात्वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। जंगल को हमारे त्रषि आनंददायक कहते हैं- 'अरण्यं ते पृथिवी स्योनमस्तु।' यही कारण है कि हिन्दू जीवन के चार महत्वपूर्ण आश्रमों में से ब्रा्चर्यं, वानप्रस्थ और संन्यास का सीधा संबंध वनों से ही है। हम कह सकते हैं कि इन्हीं वनों में हमारी सांस्वृतिक विरासत का सम्वर्धन हुआ है।

मंगफ अग्निकांड पीड़ितों के परिजनों को 12.5 लाख रुपये का मुआवजा देगी कुवैत सरकार, दूतावास से मिलेगी रकम

कुवैत सिटी।
सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है। कुवैती सरकार दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में लगी आग के पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा देगी। इस आग में 50 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 46 भारतीय भी शामिल थे। कुवैती मीडिया की रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, मंगफ शहर में बीती 12 जून को सात मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर गार्ड के कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। अग्निकांड में 46 भारतीयों की हुई थी मौत इस इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिनमें से ज्यादातर भारतीय थे। बताया कि कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर, पीड़ितों के परिवारों को 15,000 अमेरिकी डॉलर (12.5 लाख रुपये) का मुआवजा मिलेगा। सरकारी सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और पीड़ितों के दूतावासों को भेज दी जाएगी। मरने वालों में 46 भारतीय थे। तीन अन्य मृतक फिलिपींस से थे, और पीड़ितों में से एक की पहचान नहीं हो पाई है।

संबंधित पीड़ितों के दूतावासों को वितरित की जाएगी धनराशि रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित दूतावास यह सुनिश्चित करेंगे कि आग से प्रभावित लोगों के परिवारों को धनराशि वितरित की जाए, प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ितों के परिवारों तक सहायता तुरंत पहुंचे। अखबार ने कहा, इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों की सहायता करना है। भारत सरकार ने भीषण आग में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। केरल सरकार ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह आग त्रासदी में मरने वाले राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

महिलाओं का व्यवस्थागत ढंग से दमन मानवता के विरुद्ध अपराध के समान तेजी से बिगड़ रहे हालात

काबुल। यूएन के विशेष रैपोर्टेयर रिचर्ड बैनेट ने जिनीवा में मानवाधिकार परिषद के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अफगान महिलाओं व लड़कियों के इस दमन को मानवता के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। अफगानिस्तान में सत्तारुढ़ तालिबान प्रशासन की अगस्त 2021 में वापसी हुई थी, जिसके बाद से ही महिला अधिकारों के लिए हालात तेजी से खराब हुए हैं। महिलाओं व लड़कियों पर सख़्त पोशाक संहिता थोपी गई, उच्चतर शिक्षा हासिल करने पर पाबंदी लगाई गई, महिलाओं को रोजगार बाजार से बाहर कर दिया गया और सार्वजनिक स्थलों पर उनकी आवाजाही भी बेहद सीमित कर दी गई है। यूएन के स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञ ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में सचेत किया है कि तालेबान ने इस दमन के लिए हिंसक तौर-तरीकों को अपनाया, जिसके तहत हत्या, जबरन गुमशुदगी, यातना, बलात्कार समेत अन्य अमानवीय कृत्यों को अंजाम दिया गया। रिचर्ड बैनेट के अनुसार, तालिबान ने संस्थागत ढंग से महिलाओं व लड़कियों के दमन की व्यवस्था को अपनाया है, जिस तरह से उनके अधिकारों पर चोट पहुंचाई जा रही है, उससे मानवता की चेतना को गहरा धक्का पहुंचना चाहिए। व्यवस्थागत लैंगिक रंगभेद तालिबान की सत्ता पर वापसी के बाद से मौखिक व लिखित में कई सिलसिलेवार आधिकारिक आदेशों के जरिये, अफगान महिलाओं व लड़कियों की बुनियादी आजादी को एक तरह से खत्म कर दिया गया है। रिपोर्ट बताती है कि व्यवस्थागत दमन से कई पीढ़ियों की अफगान महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण पीछे छूट जाएगा, उनका सामाजिक-आर्थिक दर्जा हीन होगा और राजसत्ता द्वारा उन्हें जबरन पुरुषों पर निर्भर बना दिया जाएगा। रिचर्ड बैनेट का मानना है कि जिस तरह से मौजूदा अन्याय को अंजाम दिया जा रहा है, उसकी लैंगिक रंगभेद के जरिये व्याख्या की जा सकती है, चूंकि यह संस्थागत और वैचारिक है। मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ ने कहा कि सदस्य देशों को लैंगिक रंगभेद की अवधारणा को मान्यता देनी होगी और इसे संहिताबद्ध करना होगा।

अमेरिका ने चीन में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तार पर की आलोचना, तत्काल रिहाई की मांग की

वॉशिंगटन। अमेरिका ने स्वतंत्र पत्रकार और महिला अधिकार कार्यकर्ता हुआंग ज़ुएकिन (सोफिया हुआंग) के साथ ही श्रम अधिकार कार्यकर्ता वांग जियानबिंग को गलत तरीके से सजा देने पर चीन आलोचना की है। साथ ही चीन से दोनों ही कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करने की अपील की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा, हम पीआरसी से हुआंग और वांग के साथ-साथ उनकी मौलिक स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए अन्यायपूर्ण तरीके से हिरासत में लिए गए अन्य व्यक्तियों को तुरंत रिहा करने का आग्रह करते हैं। मैथ्यू ने आगे कहा कि चीन की इस तरह की बातें नागरिकों को डराने और चुप कराने के लगातार प्रयासों को दिखाता है। इसके साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने चीन से अभिव्यक्ति और निष्पक्ष न्याय जैसी स्वतंत्रता सहित मानवाधिकारों का सम्मान करने के अपने वादों को कायम रखने का आग्रह किया।

24 साल बाद पुतिन पहुंचे उत्तर कोरिया अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ मिलकर काम करना चाहते हैं

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल बाद उत्तर कोरिया की यात्रा पर पहुंचे। रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक दोनों देश वाशिंगटन के साथ बढ़ते टकराव के मद्देनजर अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं। आरआईए-नोवोस्ती और इंटरफैक्स के अनुसार पुतिन का प्योंगयांग के हवाई अड्डे पर उत्तर कोरियाई नेता किम-जोंग-उन ने स्वागत किया। पुतिन, 24 वर्षों में उत्तर कोरिया की अपनी पहली यात्रा पर हैं। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में उनकी सैन्य कार्रवाइयों के लिए देश के दृढ़ समर्थन की सराहना की। यह यात्रा उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन द्वारा सितंबर 2023 में पुतिन को निमंत्रण दिए जाने के बाद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार पुतिन की यह यात्रा हथियार समझौते के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है। उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में सड़कों को पुतिन और रूसी झंडों के चित्रों से सजाया गया था। एक इमारत पर एक बैनर में कहा गया था... हम रूसी संघ के राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

जो अमेरिकियों के हित में होगा, राष्ट्रपति बाइडन वही करेंगे, चीन की चेतावनी पर व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन।
अमेरिका के तिब्बत को लेकर बनाए गए नए विधेयक पर चीन ने चेतावनी जारी की है और कहा है कि अगर राष्ट्रपति बाइडन ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए तो चीन सख्त कदम उठाएगा। अब इसे लेकर व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति वही फैसला करेंगे, जो अमेरिकी लोगों के हित में होगा। अमेरिकी संसद ने इसी महीने रिजोल्व तिब्बत एक्ट नामक प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव के तहत तिब्बत विवाद का शांतिपूर्ण समाधान करने की मांग की गई है।

क्या है अमेरिका के प्रस्ताव में

मीडिया से बात करते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पिएरे से जब चीन की चेतावनी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति वही करेंगे, जो उन्हें लगता है कि अमेरिकी लोगों के हित में है। अभी मैं आपको यही बता सकती हूं। रिजोल्व तिब्बत एक्ट एक द्विदलीय विधेयक है, जो चीन की सरकार और दलाई लामा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत का समर्थन करता है, ताकि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का शांतिपूर्ण हल निकाला जा सके।

साथ ही यह विधेयक अमेरिका के विदेश विभाग को सशक्त बनाता है कि वह चीन की सरकार के तिब्बत को लेकर भ्रामक दावों का जवाब दे सके। यह विधेयक चीन के उस दावे को भी खारिज करता है, जिसमें चीन का कहना है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का हिस्सा रहा है।

अमेरिकी प्रस्ताव चीन की सरकार और दलाई लामा के प्रतिनिधियों और तिब्बत के लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों के बीच बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत का समर्थन करता है। प्रस्ताव के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग अब दुनिया के अन्य देशों की सरकारों के साथ मिलकर तिब्बत मुद्दे के समाधान की दिशा में काम करेगा।

चीन ने दी धमकी

चीन द्वारा इस विधेयक का विरोध किया जा रहा है और चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा है कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर न करें। चीन के विदेश विभाग के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि कोई भी ताकत जो शिजांग को अस्थिर करने या फिर चीन के दबाने की कोशिश करेगी, वह सफल नहीं होगी। अमेरिका को विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और अपने हितों के लिए सख्त कदम उठाएगा। चीन तिब्बत को शिजांग कहकर संबोधित करता है। चीन ने इस साल अप्रैल में कहा था कि वह सिर्फ दलाई लामा के प्रतिनिधियों से बात करेगा न कि निर्वासन में चल रही तिब्बत सरकार से।

चीन ने दलाई लामा की तिब्बत को स्वायत्ता देने की मांग भी खारिज कर दी है। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद साल 1959 में 14वें दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आ गए थे। उसके बाद से ही दोनों पक्षों में संबंध तनावपूर्ण हैं।

बाइडन ने पांच लाख अप्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की पेशकश की

राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिकी नागरिकों से विवाहित और कम से कम 10 वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों के लिए नागरिकता का मार्ग प्रदान करने की पेशकश की है, व्हाइट हाउस का अनुमान है कि इस कदम से 5,00,000 से अधिक लोगों को लाभ होने की संभावना है। व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में, बाइडन ने डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स (डीएसीए) लाभार्थियों के लिए उच्च-कुशल रोजगार वीजा तक पहुँचने की प्रक्रिया को आसान बनाने की योजना की भी घोषणा की। इससे नियोक्ता अपने महत्वपूर्ण कर्मचारियों को बनाए रख सकेंगे। बाइडन ने इस दौरान कहा कि यह सही है। मैं चाहता हूं कि जो लोग अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं, वे अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग अमेरिका में काम करने के लिए करें। मैं दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण करना चाहता हूं, जिसमें दुनिया का सबसे अच्छा कार्यबल हो। हमने पहले ही 15 मिलियन नई नौकरियां पैदा की हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

वर्जीनिया प्राइमरी चुनाव में जीते भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम, बंगलूरू से है नाता

वॉशिंगटन।
भारतीय मूल के सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया राज्य में हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की है। सुहास सुब्रमण्यम ने 11 अन्य उम्मीदवारों को पछाड़कर वर्जीनिया सीट से दावेदारी जीती है। जिन 11 उम्मीदवारों को सुहास ने पछाड़ा है, उनमें भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल भी शामिल हैं। सुहास सुब्रमण्यम पहले भारतीय मूल के, दक्षिण एशियाई मूल के और पहले हिंदू नेता हैं, जो साल 2019 में वर्जीनिया जनरल असेंबली के चुनाव में चुने गए थे। पहले भी राजनीति में सक्रिय रहे हैं सुहास सुहास सुब्रमण्यम वर्जीनिया स्टेट सीनेट के लिए भी साल 2023 में निर्वाचित हो चुके हैं। अब सुब्रमण्यम वर्जीनिया सीट से यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के लिए चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि वर्जीनिया सीट पर बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, ऐसे में सुहास सुब्रमण्यम की दावेदारी खासी मजबूत मानी जा रही है। वर्जीनिया सीट से मौजूदा सांसद जेनिफर वैक्सटन हैं, लेकिन बीते साल उन्होंने एलान किया था कि वह 2024 का चुनाव नहीं लड़ेंगी। वैक्सटन ने भी सुब्रमण्यम की दावेदारी का समर्थन किया था। अब सुहास का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लेंसी से होगा। बंगलूरू से है नाता सुहास सुब्रमण्यम (37 वर्षीय) का जन्म ह्यूस्टन में हुआ था। सुहास के माता-पिता बंगलूरू से अमेरिका शिफ्ट हुए थे। साल 2015 में सुहास को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में टेक्नोलॉजी पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया था। मीडिया के साथ बातचीत में सुहास ने हा कि वह अमेरिका के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस समस्याएं सुलझाने और भविष्य के प्रति सचेत होने के लिए है। हम सिर्फ अगले दो या तीन वर्षों के लिए कानून नहीं बनाएंगे बल्कि ये अगले 20-30 साल रहेंगे। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे एक बेहतर समाज और एक बेहतर दुनिया में रहें। सुहास ने कहा कि मेरे माता-पिता बंगलूरू और चेन्नई से हैं। उन्होंने कुछ समय सिकंद्राबाद में भी गुजारा। वो यहां आएं बेहतर भविष्य की तलाश में।

कैंसर से लड़ रहीं केट के स्वास्थ्य पर 'ट्रूपिंग द कलर' का बुरा प्रभाव, शाही परिवार ने दी जानकारी

लंदन।
बकिंघम पैलेस में आयोजित हुए 'ट्रूपिंग द कलर' कार्यक्रम में शामिल होने के कारण कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है। शाही परिवार के विशेषज्ञ ने इसकी जानकारी दी है। कैंसर से जूझ रहीं केट केट मिडलटन ने लाइम लाइट से दूर रहने का फैसला किया था। लेकिन किंग चार्ल्स के जन्मदिन पर 'ट्रूपिंग द कलर' समारोह में शामिल होने के बाद वह फिर फोकस में आ गईं। जिसने उनके प्रशंसकों में उत्साह भर दिया। लेकिन अब उनके स्वास्थ्य को लेकर खबर आने से एक बार फिर यह सुर्खियां बन गया है। पहले किंग के जन्मदिन समारोह में ना शामिल होने का फैसला लिया था वेल्स की 42 वर्षीय राजकुमारी कैंसर से लगातार लड़ाई लगातार लड़ रही हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के दौरान उनकी हालिया सार्वजनिक उपस्थिति ने कथित तौर पर उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। पहले मिडलटन ने घोषणा की थी कि वह किंग के जन्मदिन समारोह में अपने परिवार के साथ शामिल नहीं होंगी। लेकिन बाद में अपना फैसला बदलते हुए वह कार्यक्रम में शामिल हुईं, जिसका उन्के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है और उनकी नाजुक स्थिति ने तनावपूर्ण माहौल बना दिया है। सर्जरी के दौरान पता चली थी कैंसर की बात मिडलटन पेट की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं थीं, लेकिन सर्जरी के दौरान ही उन्हें कैसर से पीड़ित होने का पता चला। मार्च में केट मिडलटन ने सार्वजनिक बयान जारी कर कहा कि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं और जब तक उनकी तबीयत ठीक नहीं हो जाती, वे सार्वजनिक जिम्मेदारियों से दूर रहेंगी।

मक्का में भीषण गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 50 डिग्री के पार तापमान; अब तक 550 जायरीनों की मौत

यरुशलम
हज दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में शुमार है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। भीषण गर्मी के कारण जायरीनों की मौत हो रही है। इस साल गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार तक जा चुका है। चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान हैं। वहीं, यह गर्मी हज यात्रियों के लिए मुसीबत बन गई है। अब तक हज यात्रा के दौरान कम से कम 550 जायरीनों की मौत हो गई है। यह जानकारी राजनयिकों ने दी। मरने वालों में मिस्र के सबसे ज्यादा नागरिक शामिल दो अरब राजनयिकों ने जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश की मौत गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण हुई है। वहीं मरने वालों में अकेले मिस्र के 323 नागरिक हैं। वहीं, एक राजनयिक ने बताया कि सभी जायरीनों की भीषण गर्मी के कारण जान गई है। सिवाय एक शख्स के जो भीड़ में बुरी तरह से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि कुल आंकड़े मक्का के पास अल-मुआइसिम में स्थित अस्पताल के मुर्दाघर से हासिल हुए हैं। जॉर्डन के इतने लोगों की मौत वहीं,

सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 60 जायरीनों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। अम्मान द्वारा आधिकारिक तौर पर 41 लोगों की मौत की जानकारी दी गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन नई मौतों के साथ ही कई देशों द्वारा अब तक बताई गई कुल मौतों की संख्या 577 हो गई है। लाखों जायरीन कर रहे हज की यात्रा हज, दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में शुमार है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार हज की यात्रा पर जरूर जाना चाहिए।

वार्षिक हज यात्रा के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया है, जिसमें इस वर्ष लगभग 18 लाख मुसलमान भाग ले रहे हैं। गर्मी की मार पिछले महीने प्रकाशित एक सऊदी अध्ययन के अनुसार, हज यात्रा पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है। जिस क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, वहां का तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फ़ारेनहाइट) बढ़ रहा है।

कनाडा की संसद में आतंकी की याद में रखा गया मौन, भारत ने भी उसी भाषा में दिया जवाब

ओटावा।
भारत के बार-बार कहने के बावजूद कनाडा अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल कनाडा की सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। ताजा मामला हरदीप सिंह निज्जर से जुड़ा है। दरअसल कनाडा की संसद में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया, जिसके जवाब में भारत ने भी कनाडा को उसी भाषा में जवाब दिया है। कनाडा के वैंकुवर स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास ने 23 जून को एयर इंडिया आंतकी हमले की याद में श्रद्धांजलि सभा के आयोजन का एलान किया है।

एयर इंडिया विमान हमले की बरसी मनाएगा भारतीय वाणिज्य दूतावास

वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत, आतंकवाद के पागलपन के खिलाफ है और इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। 23 जून 2024 को एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) पर हुए कायराना आतंकी हमले की 39वीं बरसी है, जिसमें 329 मासूम लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में 86 बच्चे भी थे। यह नागरिक उड्डयन के इतिहास की सबसे घिनौनी आतंकी घटनाओं में से एक है। 23 जून, 2024 को वैंकुवर में स्टैनले पार्क में एयर इंडिया मेमोरियल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय मूल के लोगों को इस कार्यक्रम में आकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखानी चाहिए।

खालिस्तानी आतंकियों ने दिया था हमले को अंजाम

22 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट 182 ने कनाडा के मॉन्ट्रियल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। अगले दिन यानी 23 जून 1985 को जब विमान आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहा था तो उसमें जोरदार धमाका हुआ और विमान का मलबा टुकड़े-टुकड़े होकर अटलांटिक महासागर में जा गिरा था। इस हमले को ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए खालिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया था। हमले में विमान में सवार क्रू समेत सभी 329 लोग मारे गए थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने कनाडा की सरकार को चरमपंथियों के हमले को लेकर आगाह भी किया था, लेकिन इसके बावजूद कनाडा की सरकार ने सावधानी नहीं बरती और 329 लोगों को कनाडा सरकार की लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ी थी। अब एक बार फिर भारत सरकार कनाडा की सरकार को वहां पनप रहे चरमपंथियों को लेकर आगाह कर रही है, लेकिन 1985 की तरह अब भी कनाडा सरकार चरमपंथियों के महिमामंडन में जुटी है।

निज्जर को लेकर भारत-कनाडा के रिश्तों में आया तनाव

भारत के वाणिज्य दूतावास का यह कदम कनाडा की संसद में निज्जर की याद में मौन रखने के बाद सामने आया है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर भारत में वांछित आतंकवादी था और चरमपंथी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था। भारत ने जो 40 वांछित आतंकियों की लिस्ट कनाडा को सौंपी थी, उसमें निज्जर का भी नाम था। निज्जर की बीते साल 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा की सरकार ने निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत की सरकार ने कनाडा के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। इस मामले को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। इसी महीने इटली में आयोजित हुए जी7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई थी।

कौन था हरदीप सिंह निज्जर

हरदीप सिंह निज्जर पंजाब के जालंधर से साल 1997 में फर्जी पासपोर्ट पर कनाडा गया था। हालांकि निज्जर के शरणार्थी के दावे को कनाडा की सरकार ने खारिज कर दिया था। इसके बाद निज्जर ने कनाडा में शादी करके वहां की नागरिकता लेने की कोशिश की, लेकिन कनाडा सरकार ने फिर से उसका आवेदन खारिज कर दिया। हालांकि बीते साल जब निज्जर की गोली मारकर हत्या की गई तो कनाडा की सरकार ने निज्जर को कनाडा का नागरिक बताया। निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा की पुलिस ने तीन भारतीय युवकों को गिरफ्तार किया है।

डांस में करियर या कोरियोग्राफर कैसे बने

डांस सिखाना यानि कोरियोग्राफर बनना आज कल युवाओं की पसंद बन रहा है.यह एक पैसा और नाम देने वाला करियर है और फिल्म इंडस्ट्री में अच्छे कोरियोग्राफर की डिमांड रात दिन बढ़ती जा रही है.लेकिन इसमें करियर बनाने की सोचने से पहले यह जान लें की कोरियोग्राफी केवल डांस करना ही नहीं है बल्कि दूसरों को नए तरह का डांस सिखाना है. इसलिए सब तरह के डांस, डांसिंग स्टेप्स और डांस को हर तरह के म्यूजिक पर डांस कर सकना ही कोरियोग्राफी है. चलिए जाने डांस मैं करियर कैसे करे कोरियोग्राफर कैसे बने.

कोरियोग्राफर कैसे बने:-

कुछ लोगो को बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक होता हैं. ऐसे लोग बचपन से डांस सीखते हैं या ऐसे भी उन् लोगो को बहुत अच्छा डांस आता. जो लोग डांस में माहिर होते हैं उन् लोगो के घर में भी बहुत सारे डांस कम्पटीशन'से जीती हुई ट्रॉफीज होती हैं. ऐसे लोग बड़े होकर भी अपनी डांस को कंटिन्यू रखना चाहते हैं और डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं. लेकिन जिन लोगो को यह अच्छी तरह से पता ही नहीं होता कि उन्हें डांस में करियर बनाने के लिए क्या क्या करने की जरूरत हैं उन् लोगो का सपना तो अधूरा ही रह जाता हैं.

लेकिन हमारा सवाल यह हैं की अगर हुनर और जज्बा हैं तो क्यों हमारा कोई भी सपना अधूरा रहे.आज हम अपने इस लेख में आप लोगो को यह बताएँगे की हम डांस मैं अपना करियर बनाने के लिए क्या क्या तरीका अपना सकते हैं.आप लोगो को बस हमारे इस लेख में दिए गए कुछ ट्रिक्स को ध्यान से पड़ने की और फॉलो करने की जरूरत हैं.यकीं मानिये इन् ट्रिक्स को फॉलो करके आप लोग डांस मैं अपना करियर बनाने में कामयाब जरूर हो जायेंगे.

डांस में करियर कैसे बनाये अपने डांस को हमेशा कंटिन्यू रखे:-

आपको अगर डांस करने में रूचि हैं और आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह आप अपने डांस को कभी भी ऑफ मत रखिए.हमारा कहने का मतलब हैं की आप हो सके तो रोज या दो तीन दिन के बाद बाद अपने घर में ही डांस की प्रैक्टिस करिए.आप अगर चाहे तोह एक कमरे को लॉक करके उस कमरे में अपने डांस की प्रैक्टिस कर सकते हैं. आप अगर अपने डांस को एक दम से बंद न करके उसको कंटिन्यू रखेंगे तो आपको डांस में एक्सपीरियंस बना रहेगा और आपको डांस करने में किसी भी तरह की गलती का एहसास नहीं होगा.

स्कूल, कॉलेज में हो रही डांस कॉम्पेटीशन्स में भाग ले:-

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाने मैं इंटरेस्टेड हैं तो आप स्कूल, कॉलेज और बाकि छोटे मोटे functions में होने वाले डांस competitions में भाग लेते रहे. ऐसे छोटे मोटे competitions में भाग लेते रहने से आपकी ऐम्बर्रसमेंट वाली फीलिंग खतम हो जायेगी और जब आपको किसी के सामने डांस करने से ऐम्बर्रसमेंट का एहसास नहीं होगा तब आप अपने डांस को खुल के कर पाएंगे और डांस मैं अपना करियर बनाने में और डांस की दुनिया में अपनी एक जगह बनाने में कामयाब हो जायेंगे.

डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह इस के लिए आपका डांस में माहिर होना बहुत जरूरी हैं. और मैं अपने आप को पक्का और निपुण बनाने के लिए आप लोग एक डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं. ऐसा करने से डांस के प्रति आपका जूनून और डांस मैं आपका नॉलेज दोनों की वृद्धि होगी. और तभी आप डांस के लिए परफेक्ट माने जायेंगे.

कोरियोग्राफर कैसे बने

कोरियोग्राफर बनने के लिए जरूरी है की आप को डांस करने का बहुत शौक हो. इसके लिए सबसे पहले आप किसी अच्छे डांस स्कूल में प्रवेश लें और डांस के बेसिक स्टेप्स को जान लें जिससे किसी के भी सामने आप कुछ डांस कर के बता सकें. अब डांस की पढाई करनी होगी. कोरियोग्राफी को सिखाने के लिए हर जगह स्कूल या यूनिवर्सिटी नहीं है इसलिए आपको कुछ जगहों पर उपलब्ध डांस की ही संस्थाओं में प्रवेश लेना होगा.

कुछ प्रमुख संस्थाएं जो कोरियोग्राफी सिखाती हैं

- » संगीत नाटक अकादमी न्यू डेल्ही,
- » नाटय इंस्टिट्यूट ऑफ कथाक एंड कोरियोग्राफी बंगलोरे
- » फैकल्टी ऑफ आर्ट्स इन यूनिवर्सिटी मैसोरे
- » स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एंड म्यूजिक, इंदौर
- » कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी
- » महात्मा गांधी मिशन संगीत अकादमी औरंगाबाद,
- » शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर
- » गर्ल्स कॉलेज इंदौर
- » फ्लेम स्कूल ऑफ आर्ट्स पुणे
- » बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी,

प्राइवेट इंस्टिट्यूट में भी डांसं

जब आप गवर्नमेंट के इन इंस्टिट्यूट से डांस में डिग्री या डिप्लोमा ले लें तो यह मत समझिए कि आपकी डांस की पढाई पूरी हो गयी है.इसके बाद अप्प प्राइवेट संस्थानों से डांस की पढाई करें. कुछ प्रमुख संस्थान जो कोरियोग्राफी सिखाते हैं उनके नाम हैं थे।

डांसवर्क्स परफामिंग आर्ट्स अकादमी, मुम्बई

न्यू डेल्ही, शामक डावर इस्टिट्यूट फॉर परफामिंग आर्ट्स, मुम्बई

श्रृति संगीत विद्यालय जळगाव आदि हैं.

अब किसी मुम्बई के ग्रुन को ज्वाइन करें

जब आप प्राइवेट इंस्टिट्यूट से भी डांस सीख लें उसके बाद आप मुम्बई के किसी डांस ग्रुप को ज्वाइन कर लें. वैसे तो डांस ग्रुप हर जगह होते हैं पर मुंबई में रहकर आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर्स से संपर्क भी कर सकते हैं इसलिए डांस में करियर बनाने के लिए मुम्बई ही सबसे सही जगह है.

जॉब में ज्यादा से ज्यादा सीखें

अपने इतना सीखा है इसका मतलब यह नहीं कि आप अपने आपको सबसे अच्छा कोरियोग्राफर समझने लगें. याद रखें पढाई के दौरान सीखने में और जॉब करते समय सीखने में बहुत अंतर होता है. इसलिए जब आप डांस ग्रुप ज्वाइन करें तो आप जयादा से ज्यादा अनुभव लेने की कोशिश करें.

विडियो सीडी से सीखें

आप कुछ फॉरेन कोरियोग्राफर के डांसेज की सीडीस खरीद लें. जब आप खाली हों तो आप डांस की सीडीस चलाकर उनके स्टेप्स को नोट करें और सोचें कि इस स्टेप में और क्या नया हो सकता है. यह सभी नए स्टेप जो आप बना रहे हैं उसे आप अकेले में परफॉर्म करके अपने वीडियो कैमरे में रिकॉर्ड कर लें जिससे की आप यह डांस स्टेप्स भूलेंगे नहीं और समय पर आप किसी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को वह स्टेप्स करके दिखा सकते हैं.

प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें

जब आपको यकीन हो जाए कि किसी गाने की कोरियोग्राफी आप कर सकते हैं और आपके पास अनेकों नए डांस स्टेप्स हैं तब आप फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें और उन्हे पहली मुलाकात में ही हु डांस स्टेप दिखाएँ की फिल्म प्रोड्यूस और डायरेक्टर्स आप से प्रभवित हुए बिना नहीं रह सके और आपको की कोरियोग्राफी करने का अवसर दें. वैसे तो अनेक फिल्म प्रोड्यूसर अच्छे' कोरियोग्राफर की तलाश करते हैं पर कुछ बड़े बैनर जिनके साथ काम करके आप अपना भविष्य संवार सकते हैं बालाजी टेलीफिल्म्स, मुक्ता आर्ट्स, एरोस इंटरनेशनल, उत्व मोशन पीक्चर्स, भंसाली प्रोड्यूक्शन्स,यश राज प्रोड्यूक्शन्स, धर्म प्रॉड्यूक्शन्स, विशेष फिल्म्स, राजश्री प्रोड्यूक्शन्स हैं.

क्या सैलरी होती है

इस करियर में अनुभव के आधार पर सैलरी मिलते है. एक फ्रेशर कोरियोग्राफर के तौर पर 400 से 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त करता है जबकि कुछ अनुभव हो जाने पर कोरियोग्राफर को 2000 रूपए प्रति घंटे तक मिल जाते हैं.फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े अनुभवी और सफल कोरियोग्राफर एक साल में 20 लाख रूपए तक कमा लेते हैं.

आप को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया होगा की डांस में करियर कैसे बना सकते हैं या डांस में करियर बनाने के के लिए हम किन किन तरीको को अपना सकते हैं. हम तो आप लोगो से बस यही कहेंगे कि अपने इस पैशन को ऐसे ही ठंडा मत हो जाने दीजिये ।

टीवी एंकर क्या है

इस फिल्ड में स्कोप और सम्भावनायें

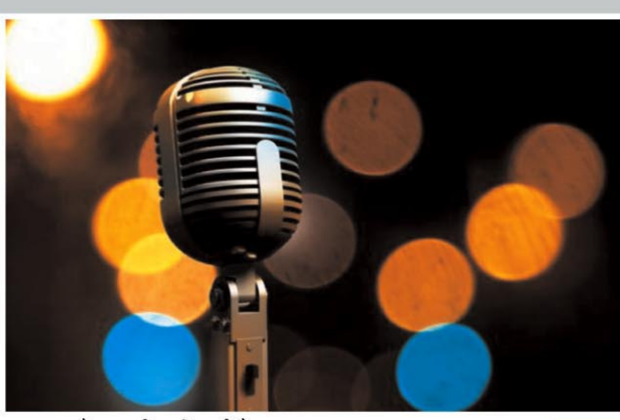

एंकर टीवी के परदे पर सबसे पहले किसी खबर की सूचना देता है, उसके बारे में बताता है। जब भी हम किसी टीवी एंकर के बारे में सोचते हैं तो मन में यही सवाल आता है की इस फिल्ड में जॉब करना काफी आसान होता है। टीवी पर एंकरिंग करना कोई आसान काम नही होता तथा इस फिल्ड में पैसा कमाना भी आसान काम नही है। टीवी एंकरिंग करनी हो या किसी रेडियो में शो होस्ट करना हो दोनों में काफी मेहनत करनी पड़ती है। एंकरिंग करने के लिए हमे अनेक बातो का ख्याल रखना पड़ता है। एक अच्छे एंकर का काम दर्शकों को चैनल से जोड़े रखना होता है। आजकल टीवी पर एंकरिंग करना एक फैशन बन गया है। लेकिन टीवी पर एंकरिंग करनी हो या रेडियो शो होस्ट करना या फिर किसी मैच की लाइव कमेंट्री करना, इस सबके लिए छात्रों के पास विशेष योग्य का होना अनिवार्य है। इसके साथ ही विनम्र आवाज तथा आत्मविश्वास का होना भी अनिवार्य होता है।

टीवी एंकर के लिए शैक्षिक योग्यता

आजकल काफी छात्र टीवी एंकर की चाह रखते हैं। इस क्षेत्र में आजकल जॉब के लिए काफी अवसर मिल जाते हैं। टीवी एंकरिंग करने के लिए छात्र को किसी मान्यता प्राप्त संस्था से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होनी अनिवार्य है। इसके अलावा छात्र को हिंदी भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अनिवार्य है।

टीवी एंकर के लिए क्षेत्र

आजकल काफी लोग टीवी एंकर बनने के लिए इससे सम्बंधित कोर्सेज करते हैं। छात्रों को इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए अनेक ऑप्शन मिल जाते हैं। यदि आपने टीवी एंकरिंग का कोर्सेज किया है तो आप भी इस फिल्ड में अपना करियर आसानी से बना सकते हैं। आजकल टीवी में अनेक प्रकार के शो आते हैं। आप चाहे तो टीवी में होने वाले शोज में भी आप जॉब के लिए कोशिश कर सकते हैं।

टीवी एंकर के गुण

1. एक अच्छा टीवी एंकर बनने के लिए आपके पास स्पष्ट आवाज का होना बहुत ही जरुरी होता है।

2. इसके अलावा टेक्निकल सिस्टम को समझने की कैपिसिटी का होना भी अनिवार्य होता है।

3. कई बार तो टीवी एंकरिंग करने के लिए स्क्रिप्ट भी खुद ही लिखनी पड़ती है। ऐसे में आपके पास जर्नलिज्म बैकग्राउंड होना अनिवार्य है।

4. एक अच्छा एंकर बनने के लिए आपके पास मधुर आवाज के साथ-साथ कुशल संचालन योग्यता होनी चाहिए। जिससे आप आसानी से एंकरिंग कर सकेंगे।

टीवी एंकरिंग के कोर्सेस

1. एंकरिंग की बुनियादी जानकारियां
2. टीवी न्यूज़ चैनलों की दुनिया
3. स्टूडियो की बुनियादी जानकारी
4. आवाज़ को निखारें
5. कैसे बने स्टाईलिश एंकर
6. जॉब इंटरव्यू की कैसे करें तैयारी
7. एंकर टिप्स

प्रमुख इंस्टीटयूट

- » इंडियन इंस्टिट्यूट आफ मास्स कम्युनिकेशन, न्यू दिल्ली
- » एशियाई अकादमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नॉएडा
- » भारतीय विद्या भवन, न्यू दिल्ली
- » गार्डन सिटी कॉलेज, बैंगलोर

ज्वेलरी डिजाइनिंग

में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य

अगर आप की रुचि डिजाइनिंग क्षेत्र में जाने की है तो ज्वेलरी डिजाइनिंग आपके लिए बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। भारत एक ऐसा देश है जहां लोगों में ज्वेलरी के प्रति सबसे ज्यादा क्रेज रहता है। इस वजह से ज्वेलरी इंडस्ट्री भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस इंडस्ट्री की क्षमता 2015 तक 2.15 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

योग्यता: इस क्षेत्र से जुड़े कई डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और एडवांस डिप्लोमा कोर्सेज उपलब्ध हैं। कुछ नामी इंस्टिट्यूट में कंप्यूटर की सहायता से भी ज्वैलरी डिजाइनिंग की शिक्षा दी जाती है। कुछ कोर्सेज के लिए कम से कम स्नातक होना आवश्यक है और कुछ शॉर्ट टर्म या कम अवधि ?वाले कोर्स सीधे बारहवीं के बाद भी किए जा सकते हैं।

कोर्स में क्या पढ़ाया जाता है

कोर्स में आपको पत्थरों के विभिन्न प्रकार, कलर स्कीम, डिजाइन थीम, परजेंटेशन और फ्रेमिंग, इंडिविजुअल जूलरी पीस का डिजाइन करना, पुरुषों की जूलरी, कॉस्ट्युम जूलरी, कॉस्टिंग वगैरह के बारे में बताया जाता है। जहां तक जूलरी की डिजाइनिंग का संबंध है इसके लिए कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होता। किसी फील्ड के प्रफेशनल जूलरी डिजाइनिंग वर्कशॉप में शामिल होकर अपना प्रॉडक्शन हाउस खोल सकते हैं।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में दिनों दिन बढ़ते रुझान के चलते करियर का स्कोप काफी अच?छा है। शुरुआती सैलरी आप 10 हजार रुपये महीने तक आसानी से कमा सकते हैं। इसमें सबसे बेहतरीन बात यह है कि आप इसका काम फ्रीलांस भी कर सकते हैं या फिर अपना बिजनेस भी स्टार्ट कर सकते हैं।

किन क्षेत्रों मे हैं नौकरी के अवसर

प्राइवेट सेक्टर में मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों, ज्वेलरी हाउसेस, रिसर्च एंड ऑर्गेनाइजेशन, ऑक्शन हाउसेस में नौकरी मिलने के चांसेस रहते हैं। अगर आप चाहें तो आप फ्रीलांस डिजाइन के जरिए अपने बीजनेस की शुरुआत भी कर सकते हैं।

आभूषणों में भी विभिन्न तरह के कोर्स होते हैं इनमें से प्रमुख हैं

- » डिप्लोमा इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 2 वर्ष)
- » डायमंड ग्रेडिंग कोर्स (अवधि 2 माह)।
- » सर्टिफिकेट इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 1 साल)
- » जैम आइडेंटिफिकेशन (अवधि 3 माह)।
- » शार्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज इन जैमोलॉजी, पॉलिशिंग, मैन्युफैक्चरिंग।

कहां से करें कोर्स

- » इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेमोलॉजी, दिल्ली।
- » इनसाइन-द ज्वैल डिजाइन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- » आर्च जेमोलॉजी एंड ज्वैलरी इंस्टीट्यूट, जयपुर।
- » इंडियन डायमंड इंस्टीट्यूट-सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन एंड मेन्युफैक्चर, सूरत।

आयुर्वेद के हैं कई फायदे, आयुर्वेद में बनाये अपना सुनहरा भविष्य

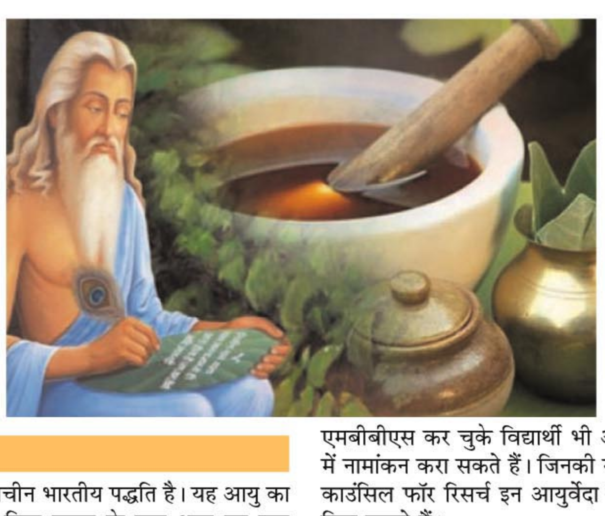

स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं सर्जरी (बीएएमएस) जैसा कोर्स विभिन्न भारतीय आयुर्वेदिक संस्थानों में है। इसके बाद विद्यार्थी पीजी प्रोग्राम, जैसे एमडी (आयुर्वेद) और एमएस (आयुर्वेद) की पढ़ाई कर सकते हैं। कुछ संस्थानों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनकी अवधि तुलनात्मक रूप से कम होती है।

क्या है आयुर्वेद

आयुर्वेद आयुर्विज्ञान की प्राचीन भारतीय पद्धति है। यह आयु का वेद अर्थात आयु का ज्ञान है। जिस शास्त्र के द्वारा आयु का ज्ञान कराया जाए,उसका नाम आयुर्वेद है। शरीर, इंद्रिय सत्व और आत्मा के संयोग का नाम आयु है। आधुनिक शब्दों में यही जीवन है। प्राण से युक्त शरीर को जीवित कहते है। आयु और शरीर का संबंध शाश्वत है। आयुर्वेद में इस संबंध में विचार किया जाता है। जिस विद्या के द्वारा आयु के संबंध में सर्वप्रकार के ज्ञातव्य तथ्यों का ज्ञान हो सके या जिस का अनुसरण करते हुए दीर्घ आयुष्य की प्राप्ति हो सके उस तंत्र को आयुर्वेद कहते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: बीएएमएस की अवधि एक साल की इंटर्नशिप सहित साढ़े 5 साल की होती है। जो विद्यार्थी इस कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं, उनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना निर्धारित है। विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर इस कोर्स में दाखिले की योग्यता बनती है। एमबीबीएस कर चुके विद्यार्थी भी आयुर्वेद में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकन करा सकते हैं। जिनकी रुचि शोधकार्यों में है, उन्हें सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदा एंड सिद्धा के माध्यम से मौके मिल सकते हैं।

व्यक्तिगत गुण: प्रकृति और प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे जड़ी-बूटी, वनस्पति आदि में स्वाभाविक दिलचस्पी से आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होनी चाहिए, तभी आप लोगों को बेहतर परामर्श दे सकते हैं। रोगियों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने और उनके साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की क्षमता आवश्यक है।

मौकों की कमी नहीं

ये आप जानते हैं कि भारत में नए ट्रेंड के मुताबिक अब ऐसा वर्ग बन रहा है जो एलोपेथी की बजाय आयुर्वेद पर विश्वास कर रहा है। मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग भी रोजमर्रा के इलाज के लिए आयुर्वेद की शरण ले रहा है। ऐसे में इस फील्ड में काफी स्कोप है। निजी और सरकारी आयुर्वेदिक अस्पतालों, क्लीनिकों में जूनियर डॉक्टरों के रूप में आयुर्वेद में प्रोफेशनल नियुक्ति पाते हैं। काम के अनुभव के साथ-साथ इस क्षेत्र में तरक्की की संभावना भी बढ़ती जाती है। इस क्षेत्र में रिसर्च के काफी काम होते हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा प्राप्त करके रिसर्च से भी जुड़ा जा सकता है। युर्वेदिन संस्थानों में टीचिंग से संबंधित मौके भी मिलते हैं। आयुर्वेदिक क्लिनिक या आयुर्वेदिक दवाओं की दुकान खोलकर इस क्षेत्र में स्वरोजगार से भी जुड़ा जा सकता है, पर इसके लिए जरूरी है कि कहीं काम करके अनुभव प्राप्त कर लिया जाए।

भारत का बुनियादी ढांचा आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा, गौतम अदाणी ने किया ये बड़ा एलान

नई दिल्ली।
अदाणी समूह हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए ऊर्जा हस्तांतरण परियोजनाओं और विनिर्माण क्षमता में 100 अरब डॉलर (लगभग 835 करोड़ रुपये) से अधिक का निवेश करेगा। समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने क्रिसिल के एक कार्यक्रम में यह एलान किया। गौतम अदाणी ने बताया कि सूरज की रोशनी और पवन चक्की से बिजली का उत्पादन करने के लिए सौर पार्कों व विंड फार्म्स के निर्माण के अलावा समूह हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा टरबाइन और सौर पैनल बनाने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर बनाने से जुड़े प्रमुख सुविधाओं का निर्माण कर रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलाइज़र की मदद से पानी से हाइड्रोजन को विभाजित करके बनाया जाता है, को उद्योग के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र को डीकार्बोनाइज़ करनेकी दिशा में संभावित रामबाण के रूप में देखा जाता है। क्रिसिल के इंफ्रास्ट्रक्चर- द कैटेलिस्ट फॉर इंडियाज फ्यूचर कार्यक्रम में अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि ऊर्जा संक्रमण और डिजिटल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर के अवसर हैं, जो भारत को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदल देंगे। गौतम अदाणी ने कहा अगले दशक में हम एनर्जी ट्रांजिशन (ऊर्जा हस्तांतरण) के क्षेत्र में 100 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे और हमारी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य श्रृंखला का और विस्तार करेंगे। समूह पहले से ही हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक हर प्रमुख घटक के निर्माण का विस्तार करता है।

अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने क्रिसिल के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां भारत का बुनियादी ढांचा उद्योग एक आश्चर्यजनक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसके प्रभाव को हम पूरी तरह से तब समझ पाएंगे जब हम एक दशक पीछे देखेंगे। हमने एक बुनियादी ढांचा पूंजीगत व्यय चक्र शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। इसके जरिए भारत के कई दशकों के विकास की नींव रखी गई। यह शासन की गुणवत्ता के साथ शुरू हुआ, इसलिए विश्व स्तर पर बहुत कम क्षेत्र सरकारी नीति के साथ इतने मजबूती से जुड़े हुए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

हुण्डई मोटर कंपनी कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। हुण्डई मोटर कंपनी अपने कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर विचार कर रही है। इससे उत्साहित होकर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने भारतीय कारोबार को स्टॉक एक्सचेंज पर लाने की सोच रही हैं। सूत्रों ने कहा कि करीब आधा दर्जन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ उनकी बातचीत चल रही है। वे अपनी कीमत बढ़ाने और रकम जुटाने में मूल कंपनी की मदद करने के लिए भारत में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि किन कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है लेकिन संकेत दिया कि हुण्डई की इस पहल पर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां नजर जमाए हुए हैं। हुण्डई इंडिया के शुरुआती आईपीओ के लिए काम करने वाले एक निवेश बैंकर ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि आईपीओ के लिए कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ बातचीत हुई है। भारतीय बाजार अधिक मूल्यांकन, जबरदस्त नकदी प्रवाह और सभी प्रकार के निवेशकों तक पहुंच प्रदान करते हैं। हुण्डई का आईपीओ अन्य संभावित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आईपीओ के लिए एक कसौटी साबित होगा। हुण्डई मोटर कंपनी ने पिछले सप्ताह अपनी भारतीय इकाई हुण्डई मोटर इंडिया में 17.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम दस्तावेज जमा कराए थे। कंपनी का आईपीओ 25,000 करोड़ रुपए का होगा जो भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। खबरों में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया की प्रमुख होम अप्लायंस कंपनी एलजी भी अपनी भारतीय इकाई एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को सूचीबद्ध कराने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत में कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रूस की कंपनी नयारा एनर्जी, सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर शामिल हैं। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि पांच लाख करोड़ डॉलर के भारतीय बाजार में पेशकश किया गया मूल्यांकन कोरिया, रूस और यूरोप के मुकाबले करीब दो से पांच गुना अधिक है। सेंट्रम कैपिटल के पार्टनर ने कहा कि आम तौर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियां और विशेष रूप से पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने घरेलू बाजार के बाहर सूचीबद्ध होना नहीं चाहती हैं। लेकिन भारत में ज्यादा मूल्यांकन के मद्देनजर वे इस पर नए सिरे से विचार कर रही हैं।

भारतीय मसालों की दीवानी हुई दुनिया, रिकॉर्ड मात्रा में हुआ निर्यात, चीन और बांग्लादेश ने खरीदी बंपर लाल मिर्च

नई दिल्ली। भारतीय मसालों और उनके उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर रिकॉर्ड 4.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मसाला बोर्ड के जारी आंकड़ों से पता चला है कि निर्यात होने वाले मसालों की मात्रा और कीमतों, खासकर लाल मिर्च, इलायची और हल्दी, में बढ़ोतरी के कारण निर्यात से प्राप्त आय बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में देश से 15,39,692 टन मसालों का निर्यात हुआ था इसकी कीमत 36,958.80 करोड़ रुपये (4.46 अरब डॉलर) है। लाल मिर्च का निर्यात रिकॉर्ड 1.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो वित्त वर्ष 2022-23 के 1.3 अरब डॉलर से 15 प्रतिशत ज्यादा है। यह देश के कुल मसाला निर्यात का 34 प्रतिशत है। इसकी सबसे ज्यादा मांग चीन और बांग्लादेश से आई। मात्रा के आधार पर भी लाल मिर्च का निर्यात 5.24 लाख टन से 15 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 6.01 लाख टन पर पहुंच गया।

गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में

नई दिल्ली। गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में एंड्रॉयड स्मार्टफोन का उपयोग करने वालों के लिए ऐप के रूप में उपलब्ध है, जो अंग्रेजी, हिंदी और आठ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करता है। जेमिनी गूगल एआई द्वारा विकसित जनरेटिव कृत्रिम मेधा वाला चैटबॉट है। इसे पहले बार्ड के नाम से जाना जाता था। जेमिनी एक्सपीरियंस के एक इंजीनियरिंग के ब्लॉग अनुसार आईफोन का उपयोग करने वालों के लिए जेमिनी तक पहुंच अगले कुछ हफ्तों में गूगल ऐप के जरिए शुरू की जाएगी। उन्होंने लिखा कि गूगल की आपकी एआई सहायक जेमिनी का भारत में पहला वर्ष रोमांचक रहा है। छात्रों से लेकर डेवलपर्स और कई अन्य जिज्ञासु लोगों तक भारत में लोग हर रोज अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए जेमिनी को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, भारत में जेमिनी एडवांस्ड के उपयोगकर्ता अब गूगल के नवीनतम अगली पीढ़ी के एआई (कृत्रिम मेधा) मॉडल, जेमिनी 1.5 प्रो की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

डीईई डेवलपमेंट और एक्मे फिनट्रेड का आईपीओ ओपन हुआ : 21 जून तक बोली लगा सकेंगे रिटेल निवेशक, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,819

मुंबई।
शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ ओपन हो गए हैं। इसमें डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड और एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड शामिल हैं। आइए इन दोनों कंपनियों के आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड

डीईई डेवलपमेंट इस आईपीओ के जरिए टोटल 418.01 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 325 करोड़ के 16,009,852 नए शेयर इश्यू करेगी। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 93.01 करोड़ के 4,582,000 शेयर बेचेंगे।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 19 जून से 21 जून तक बोली लगा सकेंगे। 26 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 949 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

डीईई डेवलपमेंट ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 193-203 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 73 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 203 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,819 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 949 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,647 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स का प्रीमियम 39.41 प्रतिशत

कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 39.41 प्रतिशत यानी 80 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 203 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 283 पर हो सकती है। हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स की स्थापना 1988 में हुई थी

डीईई डेवलपमेंट एक इंजीनियरिंग कंपनी है, जिसकी स्थापना 1988 में हुई थी। कंपनी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से ऑयल एंड गैस, पावर, केमिकल और अन्य इंडस्ट्री के लिए स्पेशलाइज्ड प्रोसेस पाइपिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करती है। कंपनी के पास हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बैंकॉक और थाईलैंड में 7 मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी हैं।

2. एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड

एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 132 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी पूरे 132 करोड़ के 11,000,000 नए शेयर इश्यू करेगी। इसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए एक भी शेयर नहीं बेच रहे हैं। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 19 जून से 21 जून तक बोली लगा सकेंगे। 26 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 1625 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं

इस इश्यू का प्राइस बैंड 114-120 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 125 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 120 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 15,000 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1625 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 195,000 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में एक्मे फिनट्रेड इंडिया का प्रीमियम 33.33 प्रतिशत

कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 27 प्रतिशत यानी 40 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 120 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 160 पर हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

आईपीओ क्या होता है

जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर्स को आम लोगों के लिए जारी करती है तो इसे इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए शेयर इश्यू करके पैसा जुटाती है। इसी के लिए कंपनी आईपीओ लाती है।

इतने ट्रिलियन एम-कैप के बाद फिर से निविडिया बनी दुनिया की नंबर-1 कंपनी

माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल है अब इस पायदान पर

नई दिल्ली।
रातों-रात दुनिया में बड़ा बदलाव हो गया है। पहले जहां माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी थी अब निविडिया बन गई है। जी हां, एम-कैप के मामले में सेमीकंडक्टर बनाने वाली निविडिया ने माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़ दिया है।

निविडिया के शेयर में आई तेजी

निविडिया के शेयरों में तेजी आई। कंपनी के शेयर में लगभग 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है और एक स्टॉकी की कीमत 135.58 डॉलर पहुंच गई। वहीं माइक्रोसॉफ्ट के स्टॉक में हल्की गिरावट देखने को मिली और एक शेयर की कीमत 447.58 डॉलर हो गई। स्टॉक में आई तेजी के बाद निविडिया का एम-कैप 3.335 ट्रिलियन डॉलर था। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैपिटलाइजेशन 3.317 ट्रिलियन डॉलर है। इस साल की शुरुआत में निविडिया का मार्केट कैप 1.2 ट्रिलियन था जो उस समय माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के एम-कैप का आधा था। निविडिया के शेयर में शानदार तेजी आई और कंपनी के एम-कैप में 103 बिलियन डॉलर जुड़ गए। करीब 9 महीने में कंपनी का एम-कैप 1 ट्रिलियन से बढ़कर 2 ट्रिलियन हो गया है। वहीं 3 महीने पहले कंपनी का एम-कैप 3 ट्रिलियन पहुंच गया था। इस साल भी निविडिया थी नंबर-1 पर इस महीने से पहले वर्ष 2002 में निविडिया का एम-कैप एप्पल से ज्यादा था। अब कुछ समय से वॉल स्ट्रीट पर निविडिया के शेयर में तूफानी तेजी देखने को मिली है और निविडिया के शेयर ने बाकी दो दिग्गज कंपनी यानी एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़ दिया है। एक साल निविडिया के शेयर में लगभग 209 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट के शेयर में 32 फीसदी का रिटर्न दिया है। माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल किस पायदान पर दुनिया की टॉप-10 वैल्यूएबल कंपनी की लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट दूसरे नंबर पर आता है। माइक्रोसॉफ्ट का एम-कैप 3.317 ट्रिलियन डॉलर है। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। एप्पल के शेयर में 1.1 फीसदी की गिरावट आई जिसके बाद कंपनी का एम-कैप 3.285 ट्रिलियन डॉलर हो गया।

कोका-कोला अब भारत में बेचेगी माइनोरिटी स्टेक, खरीदार की तलाश

नई दिल्ली।
कोल्ड ड्रिंक ब्रांड कोका-कोला माइनोरिटी स्टेक बेचने के लिए भारतीय खरीदार की तलाश कर रही है। इसके लिए कंपनी ने बड़े कारोबारी घरानों से बातचीत की है। कोका-कोला इंडिया ने अपनी स्वामित्व वाली बॉटलिंग सहायक कंपनी, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज में महत्वपूर्ण माइनॉरिटी स्टेक बेचने के लिए चार बड़े भारतीय कारोबारी घरानों के प्रमोटरों से बातचीत की है। इनमें जुबिलेंट ग्रुप के मालिक भारतीय परिवार, डाबर के बर्मन परिवार, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निर्माता पारेख परिवार और एशियन पेंट्स के प्रमोटर परिवार शामिल हैं। जुबिलेंट फूडवर्क्स, जो भारत की सबसे बड़ी फूड कंपनी है और डोमिनोज पिज्जा, डंकिन डोनट्स और पोपेयेस के लिए भारत में विशेष फ्रेंचाइजी रखती है, इस प्रस्तावित निवेश को अपने समूह की कंपनियों के माध्यम से करने की संभावनाएं तलाश रही है। जुबिलेंट फूडवर्क्स अन्य एशियाई बाजारों में भी डोमिनोज की फ्रेंचाइजी रखती है और तुर्की के प्रमुख कॉफी रिटेलर का अधिग्रहण कर चुकी है।

बड़े पैमाने का सौदा होने के कारण साफ नहीं है कि ये कारोबारी परिवार एक कंसोर्टियम बनाकर एक साथ निवेश करेंगे या स्वतंत्र रूप से निवेश करेंगे। कोका-कोला का उद्देश्य इस सौदे के जरिए एचसीसीबी में निवेशकों को जोड़कर भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को मजबूत बनाना है। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के प्रोमोटर्स को उनके संबंधित पारिवारिक कार्यालयों के माध्यम से संभावित 800 मिलियन डॉलर से एक बिलियन डॉलर के निवेश के लिए संपर्क किया है। इस सौदे से बड़े भारतीय कारोबारी परिवारों को आर्थिक लाभ मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को समर्थन मिल सकता है।

खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें महंगाई से निपटने की प्रक्रिया को धीमी कर रही, बोले आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक कार्यक्रम में महंगाई पर टिप्पणी की। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि आरबीआई खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन देश में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण अवस्फीति की प्रक्रिया को अंतिम मील तक पहुंचाने में धीमी साबित हो रही है। दास ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, महंगाई को थामने की प्रक्रिया को खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। यह जो जिद्दी और उच्च स्तर पर है। इसकी मुख्य वजह आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियां हैं। यह मौसम की स्थिति से भी प्रभावित है। दास ने जोर देकर कहा कि जैसा कि कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में देखा गया है, अवस्फीति की यात्रा अपने अंतिम पड़ाव धीमी हो जाती है। दास ने कहा, बहुत सारी अनिश्चितताएं हैं; खाद्य मुद्रास्फीति लगातार ऊंची बनी हुई है। पिछले सात महीनों में औसत खाद्य मुद्रास्फीति 8 प्रतिशत के आसपास रही है। भारत की मुख्य मुद्रास्फीति रीडिंग काफी हद तक कम हो गई है और यह मई में 3 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है। महंगाई धीमी गति से चलने वाला हाथी आरबीआई लगातार खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त करता रहा है। हाल ही में एमपीसी की बैठक बाद आरबीआई गवर्नर दास ने महंगाई को धीमी गति से चलने वाला हाथी करार दिया था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर एक साल के न्यूनतम स्तर 4.75 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में मुद्रास्फीति मामूली रूप से कम होकर 8.69 प्रतिशत रह गई, यह अप्रैल में 8.70 प्रतिशत थी। इसी तरह, थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में खाद्य पदार्थों की थोक मुद्रास्फीति 10 महीने के उच्चतम स्तर 9.82 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में सब्जियों की मुद्रास्फीति 32.42 प्रतिशत थी, जो उससे पिछले महीने में 23.60 प्रतिशत थी। प्याज की मुद्रास्फीति 58.05 प्रतिशत और आलू की मुद्रास्फीति 64.05 प्रतिशत प्रतिशत रही।

कर्मचारी के वेतन से अधिक कुत्ते पर किया खर्च; हिंदुजा परिवार पर शोषण के गंभीर आरोप, केस दर्ज

नई दिल्ली।

अरबपति हिंदुजा परिवार पर लेक जिनेवा स्थित अपने विला में घरेलू कर्मचारियों का शोषण करने, उनके पासपोर्ट जब्त करने और 15-18 घंटे के काम के लिए 8 डॉलर का भुगतान करने का आरोप लगा है। स्विट्जरलैंड में हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ मानव तस्करी का मुकदमा शुरू हुआ, इससे कुछ दिन पहले वे एक समझौते पर पहुंचे। जिसमें तीन वादी परिवार के खिलाफ दीवानी मुकदमा वापस ले लिए गए थे।

मुकदमे में आरोप है कि अरबपति परिवार ने अपने कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए और किसी को भी बिना अनुमति के घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें भारत में उनके काम के लिए भुगतान किया गया था, इसलिए लेक जेनेवा का दौरा करते समय उनके पास स्विस मुद्रा नहीं थी।

रिपोर्ट के अनुसार, एक अभियोजक ने हिंदुजा बंधुओं पर अपने पालतू कुत्ते पर एक कर्मचारी की तुलना में अधिक खर्च करने का आरोप लगाया। पेट्स नामक एक बजट दस्तावेज का जिक्र करते हुए अभियोजक येवेस बर्टोसा ने अदालत को बताया कि एक महिला कर्मचारी को सप्ताह के सातों दिन 15 से 18 घंटे तक के काम के लिए सात स्विस फ्रैंक (7.84 डॉलर) के बराबर भुगतान किया जाता था। उन्होंने कहा कि यह एक साल में परिवार की ओर से कुत्ते पर खर्च की गई राशि 8,584 स्विस फ्रैंक से भी कम है। अभियोजक ने परिवार के चार सदस्यों प्रकाश हिंदुजा, उनकी पत्नी कमल, उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता के लिए एक वर्ष की सजा की मांग की। रिपोर्ट में कहा गया है कि यवेस बर्टोसा ने यह भी मांग की है कि परिवार अदालत की लागत 1 मिलियन स्विस फ्रैंक का भुगतान करे और कर्मचारियों के मुआवजे के फंड के लिए भी 3.5 मिलियन फ्रैंक दे। हालांकि, हिंदुजा बंधु के वकील ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परिवार कर्मचारियों को काम पर रखने या कार्यों के दैनिक संचालन में शामिल नहीं था। फोर्ब्स को दिए एक बयान में, हिंदुजा के वकील रोमेन जॉर्डन ने अभियोजकों पर अरबपति परिवार के खिलाफ पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसी अन्य परिवार के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया गया होगा।

हिंदुजा परिवार खुद का बचाव करने और न्यायिक प्रणाली में विश्वास रखने के लिए दृढ़ हैं। एक अन्य पारिवारिक वकील येल हयात के हवाले से कहा, वेतन को केवल नकद में भुगतान किए गए वेतन के आधार पर कम नहीं कहा जा सकता। कर्मचारियों के रहने की भी व्यवस्था की गई थी। हयात ने कहा कि 18 घंटे काम कराने का दावा भी अतिशयोक्ति है।

हिंदुजा परिवार 20 बिलियन डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर लोगों में से एक है। यह परिवार लंदन में रियल एस्टेट के अलावा शिपिंग, बैंकिंग, मीडिया और अन्य उद्योगों से जुड़े कारोबार करता है। यह परिवार बहुराष्ट्रीय समूह हिंदुजा समूह को नियंत्रित करता है।

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुत धमंडी हैं तो अनन्या मजाकिया

-एक हवाई जहाज की केबिन क्रू मेंबर ने एक चैनल से बातचीत में किया खुलासा

नई दिल्ली, (ईएमएस)। अभिनेत्री कियारा आडवाणी को बॉलीवुड में दस साल हो चुके हैं। इस मौके अभिनेत्री ने केट काटकर जश्न मनाया। सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी के बाद कियारा और भी ज्यादा सुर्खियों में हैं। हालांकि कियारा के बारे में एक लेटेस्ट खबर उनके फैंस की चिंता बढ़ा सकती है। दरअसल कियारा आडवाणी को किसी ने घमंडी बताया है जिसे सुनकर शायद आपको यकीन न हो। एक हवाई जहाज की केबिन क्रू ने हाल ही में बताया कि कियारा के अंदर बहुत एटीट्यूड है। एक चैनल से बातचीत में फ्लाइट की क्रू मेंबर ने दावा किया कि कियारा में बहुत एटीट्यूड है। उन्होंने बताया कि जब क्रू मेंबर्स ने कियारा को काजू और बादाम ऑफर किया तो कियारा ने मना कर दिया। इस दौरान उनके मना करने का तरीका बहुत ही खराब था। कियारा ने क्रू मेंबर से अपने असिस्टेंट को बुलाने के लिए कहा ताकि वही उन्हें काजू दे सके। ये बात वहां मौजूद क्रू मेंबर को बुरी लगी। एयर होस्टेस ने बताया कि उनकी कियारा से सीधी बात नहीं हुई थी। वहीं इस वायरल क्लिप पर लोग कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,कियारा को फालतू में ओवर हाइप कर रखा है। मुझे न तो वही अभिनेत्री के तौर पर अच्छी लगती है और ना ही उसकी एक्टिंग। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि सिद्धार्थ कोई और अच्छी लड़की डिजर्व करता है। एयर होस्टेज ने बातचीत में बताया कि जाह्नवी कपूर बहुत ही सुलझी और सॉफ्ट एक्ट्रेस हैं। एक बार जाह्नवी कपूर की फ्लाइट में आंख लग गई वह गहरी नींद में सो रही थीं लेकिन जब हमने उन्हें उठाया तो वह गुस्सा नहीं हुईं। उन्होंने हमारी पूरी बात ध्यान से सुनी। इसके अलावा अनन्या पांडे को एयर होस्टेस ने मजाकिया बताया।

शर्माजी की बेटी को लेकर काफी चर्चा में ताहिरा कश्यप

- 28 जून को ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी को लेकर ताहिरा कश्यप काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार निर्देशन की दुनिया में कदम रख रही हैं। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की मल्टी टैलेंटेड पत्नी ताहिरा कश्यप की फिल्म शमार्जी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। इस फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर लीड रोल में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म शमार्जी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर आधारित कहानी है। हल्की-फुल्की और सादगी से भरपूर ये कहानी आपके दिलों को छू जाएगी। फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है, जिनमें 3 मध्यवर्गीय महिलाएं और दो छोटी लड़कियां शामिल हैं। इन सबका एक ही सरनेम शर्मा है। उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके यूनिक एक्सपीरियंस और संघर्षों को सामने लाती है। सोशल मीडिया पर रिलीज की घोषणा करते हुए निमार्ताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैं?प्राइम वीडियो इंडिया में कंटेंट लाइसेंसिंग के डायरेक्टर मनीष मेघानी ने कहा, यह फिल्म तीन एडल्ट महिलाओं के आपस में जुड़े सफर को दिखाती है, जिन्हें साक्षी, दिव्या और सैयामी ने शानदार ढंग से निभाया है। यह उनके संघर्षों, आकांक्षाओं और जीत को खूबसूरती से दशार्ती है। इसमें वंशिका और अरिस्ता की भी कहानी है, उनके टीनएज गर्ल्स से एडल्ट होने के एक्सपीरियंस को भी दिखाया गया है। अप्लॉज एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर नायर ने कहा, ताहिरा के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी या ड्रामा से काफी आगे है। यह मध्यम वर्ग की महिलाओं और शहर की जिंदगी के अनुभवों का आईना है, जो महिलाओं की भावनात्मक गहराई और सहनशक्ति को खूबसूरती से दिखाती है। एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, यह फिल्म दर्शकों को तीन महिलाओं के जीवन के उतार-चढ़ाव भरे सफर पर ले जाती है, जो अपने-अपने अनूठे तरीकों से चुनौतियों का सामना करती हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म 'सरफिरा' का ट्रेलर रिलीज

अक्षय कुमार की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'सरफिरा' की घोषणा के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। अक्षय की फिल्म का पोस्टर और उनका लुक चर्चा में बना हुआ है। कई दिनों से 'सरफिरा' के ट्रेलर के बाद फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इमोशंस और प्रेरणादायक मौकों से भरपूर 'सरफिरा' का ट्रेलर कांटों जैसा है। फिल्म 'सरफिरा' के ट्रेलर में अक्षय की शानदार परफॉर्मेंस देखी जा सकती है। अक्षय कुमार की आने वाली है फिल्म 'सराफिरा' में एक अनोखी कहानी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। यह स्टार्ट-अप और एयरलाइंस की दुनिया पर आधारित एक प्रेरणादायक कहानी है। एक आम आदमी की आकांक्षाओं पर आधारित यह फिल्म सामाजिक वर्गों के बीच की खाई को पाटने और अपने सपनों को साकार करने की भावना को जीवंत करती है। अक्षय ने 'बेबी', 'एयरलिफ्ट', 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' और 'ओएमजी' जैसी फिल्मों से लाखों दिल जीते हैं। उनकी ये नई फिल्म लोगों के दिलों को जरूर छू जाएगी। यह फिल्म साउथ की फिल्म सोरारई पोटरू पर आधारित है। इस फिल्म में एक्टर सूर्या ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दिलचस्प बात यह है कि 'सरफिरा' में सूरज की भी खास झलक देखने को मिलती है। फिल्म 'सराफिरा' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राधिका मदन, आर सरथकुमार और सीमा भूमिका में नजर आएंगी। अक्षय कुमार और परेश रावल वे 12 साल बाद एक साथ आ रहे हैं फिल्म 'सराफिरा' का निर्देशन सुधा कोंगारा ने किया है। 'सरफिरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहली बार एक साथ काम करेंगे आयुष्मान और करीना

बालीवुड की फिल्म निमार्ता मेघना गुलजार की आगामी फिल्म में पहली बार एक्टर आयुष्मान खुराना और करीना कपूर एक साथ काम करने जा रहे हैं। एक ट्रेड सूत्र ने कहा, मेघना गुलजार इस फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना और करीना कपूर खान के साथ बातचीत कर रही हैं। यह एक दमदार फिल्म है, जिसमें उनके द्वारा चुने गए कलाकारों की क्षमता वाले कलाकारों की मौजूदगी की गारंटी है। मेघना ने राजी के लिए आलिया भट्ट और विक्की कौशल को साथ लिया है और फिर सैम बहादुर के लिए विक्की और सान्या मल्होत्रा को साथ लिया है। फिल्म इंडस्ट्री के सूत्रों ने खुलासा किया है कि मेघना गुलजार की अगली निर्देशित फिल्म दायरा जिसका निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में होंगे।

अभिनेत्री और बिजनेस वूमेन के बाद लेखिका बनी आलिया

मुंबई (ईएमएस)। आलिया भट्ट हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री में से एक हैं। वह कुछ सालों से हर किसी की फेवरेट बन गई हैं। बेहतरीन अभिनेत्री से लेकर बिजनेस वूमेन के साथ-साथ अब वह लेखक भी बन गई है, तभी तब उन्हें मल्टी टैलेंटेड कहा जाता है। दरअसल राहा की मम्मी आलिया ने अभिनय के साथ ऐसी कई चीजों में इनवेस्ट किया है जो उनके फ्यूचर के लिए फायदेमंद है। उनका एड-ए-मम्मा नाम का क्लोथिंग ब्रांड भी है। आलिया का अपना प्रोडक्शन हाउस भी है। जिसका नाम इंटरनल सनशाइन है। अब वह लेखक भी बन चुकी हैं, उन्होंने अपनी पहली किताब की झलक फैंस के साथ शेयर की है। आलिया ने बच्चों के कपड़ों के ब्रांड एड-ए-मम्मा के तहत किताबों की एक सीरीज पर काम कर रही हैं। बच्चों की पिक्चर बुक की सीरीज की पहली किताब एड फाइंड्स ए होम पेश की है, जिस पर तन्वी भट्ट ने चित्र बनाएं हैं। आलिया ने अपने पोस्ट में लिखा- एक नया रोमांच शुरू हो रहा है एड फाइंड्स ए होम एड-ए-मम्मा की दुनिया से किताबों की एक नई सीरीज की शुरूआत है। मेरा बचपन कहानियों और कहानीकारों से भरा था और मैनें भी यह सपना देखा था कि एक दिन मैं अपने अंदर के उस बच्चे को बाहर निकाल कर किताबों में डालूंगी, मैं अपने साथी कहानीकारों की आभारी हूं। जिन्होंने अपने शानदार विचारों, इनपुट और कल्पना से हमारी पहली किताब को जीवंत करने में मदद की। इस यात्रा के लिए शुभकामनाएं। वहीं आलिया अपनी बुक लॉन्च इवेंट के दौरान मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट के साथ पहुंची।

अलका याग्निक की सुनने की क्षमता पर पड़ा असर, तेज संगीत से दूर रहने की दी सलाह

अपनी सुरीली आवाज से 90 के दशक में बॉलीबुड में अपनी पहचान बनाने वाली पार्श्वगायिका अलका याग्निक एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने इस बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि उनकी सुनने की क्षमता पर असर पड़ा है। अलका के मुताबिक उन्हें ये समस्या एक वायरल अटैक के बाद हुई। एक दिन फ्लाइट से बाहर निकलते वक्त उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। अलका ने प्रशंसकों और सह-कलाकारों को दुर्लभ स्थिति के बारे में बताते हुए तेज संगीत से दूर रहने की सलाह दी। अलका याग्निक ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "मेरे सभी प्रशंसकों, दोस्तों, फॉलोवर्स और शुभचिंतकों के लिए. कुछ हफ़्ते पहले, जब मैं एक फ्लाइट से बाहर निकली, तो मुझे अचानक लगा कि मैं कुछ भी सुन नहीं पा रही हूं. इस घटना के बाद के हफ़्तों में कुछ हिम्मत जुटाकर, मैं अपने सभी दोस्तों और शुभचिंतकों के लिए अब अपनी चुप्पी तोड़ना चाहती हूं, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं एक्शन में क्यों गायब हूं। मेरे डॉक्टरों ने वायरल अटैक के कारण एक रेयर सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस के रूप में इसका डायगनोज किया है...इस अचानक, बड़े झटके ने मुझे पूरी तरह से चौंका दिया है। जैसा कि मैं इससे उबरने का प्रयास कर रही हूं, कृपया मुझे अपनी प्रार्थनाओं में रखें।" इस मौके पर अलका ने अपने फैंस और दूसरे सिंगर्स को अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मैं अपने प्रशंसकों और युवा सहयोगियों को हेडफोन और तेज संगीत के बारे में चेतावनी देना चाहती हूं। एक दिन मैं अपने पेशे से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के बारे में जरूर बात करूगी। आपके सभी प्यार और समर्थन से मैं अपना जीवन वापस पटरी पर लाने की उम्मीद करती हूं और जल्द ही आपसे दोबारा मिलने की उम्मीद करती हूं। इस कठिन समय में आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 58 वर्षीय अलका याग्निक एक लोकप्रिय भारतीय गायिका हैं। वह नब्बे के दशक की सर्वश्रेष्ठ गायिकाओं में से एक हैं। वह चार दशकों से भी अधिक समय से अपने गानों से लोगों का मनोरंजन कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने 'तू शायर है मैं तेरी शायरी', 'गली में आज चांद निकला', 'अगर तुम साथ हो' जैसे कई सुपरहिट गानों को अपनी आवाज दी है। अलका कई स्टेज शो भी किए हैं। अब जब उन्होंने अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है तो फैंस चिंता जाहिर कर रहे हैं।

सोफी के एयरपोर्ट लुक ने दीवाना बनाया फैंस को

हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी का एयरपोर्ट लुक काफी वायरल हो रहा है। सोफी ने व्हाइट कलर की टीशर्ट के साथ डार्क क्रीम कलर की पैंट पहनी हुई है। उन्होंने अपने लुक को सनग्लासेस और स्टाइलिश बैग के साथ पूरा किया। उनकी उंगली में बेहद खूबसूरत रिंग नजर आई। बता दें कि सोफी का जन्म इंग्लैंड के मैनचेस्टर में हुआ था। उन्होंने भरतनाट्यम और भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखा हुआ है। लंदन एकेडमी ऑफ म्यूजिक और ड्रामेटिक्स से उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया। सोफी ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अपनी पढ़ाई की। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने अपना सिंगिंग करियर शुरू किया। उन्होंने श्वेता शेट्टी और अलीशा चिनॉय के लिए बतौर बैकअप सिंगर आवाज दी। उनका पहला ग्रुप सॉन्ग ये दिल सुन रहा है था। बता दें कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी बेहतरीन सिंगिंग और अदाकारी से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने फैशन सेंस को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। वह फैशन आइकॉन भी मानी जाती हैं।

पंचायत 3 को भी खूब पसंद कर रहे लोग

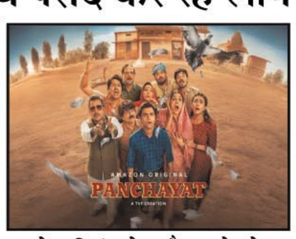

वेब सीरीज पंचायत 3 को भी खूब पसंद कर रहे हैं। इस वैब सीरीज की कहानी के साथ ही लोग रघुवीर यादव, नीना गुप्ता, जितेंद्र कुमार, फैजल मलिक और अशोक पाठक के किरदारों को खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं, पंचायत 3 में नया किरदार जगमोहन की अम्मा उर्फ दमयंती देवी खूब चर्चा बटोर रही हैं। दमयंती देवी का किरदार निभाने वाली आभा शर्मा की खूब सराहना की जा रही है, लेकिन ये एक्टिंग का सफर उनके लिए इतना आसान नहीं था। उन्होंने अपने एक्टिंग के शौक को लेकर मीडिया से बातचीत की और बताया कि उन्हें कैसी मुश्किलों से गुजरना पड़ा। पंचायत के पहले दो जबरदस्त सीजन के बाद अब लोग सिक्वल पंचायत 3 को पसंद कर रहे हैं।

भैरवां एंथम सॉन्ग को दिलजीत और दीपक ब्लू ने दी है आवाज

-गाने में किया है पंजाबी और तेलुगु लिरिक्स का एक्सपेरिमेंटल मिक्स

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म कल्कि 2898 एडी जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म का पहला ऑडियो सॉन्ग भैरवां एंथम एक कैच के साथ रिलीज किया गया था, वहीं आज फाइनली इस गाने का वीडियो सॉन्ग भी रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी अभिनीत नाग अश्विन ने जबर्दस्त अभिनय किया है। भैरवां एंथम सॉन्ग संतोष नारायणन द्वारा कंपोज है, दिलचस्प बात ये है कि इस जोश भर देने वाले सॉन्ग को दिलजीत दोसांझ और दीपक ब्लू ने अपनी आवाज दी है और पंजाबी और तेलुगु लिरिक्स का एक्सपेरिमेंटल मिक्स किया है। बता दें कि प्रभास और दिलजीत दोसांझ ने पहली बार नाग अश्विन की मोस्ट अवेटेड फिल्म कल्कि 2898 एडी के गाने भैरवां एंथम के लिए कोलैबोरेट किया है। दिलजीत ने ट्रैक में अपना खुद का पंजाबी फ्लेवर एड किया है। यह गाना हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी रिलीज होगा। भैरवां एंथम के तमिल के लिए लिरिक्स कुमार और विवेक, तेलुगु के लिए रामजोगय्या शास्त्री और विवेक और हिंदी के लिए कुमार द्वारा लिखे गए हैं।वीडियो सॉन्ग में प्रभास एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं, जबकि दिलजीत को उनके गाने पर थिरकते हुए और अपनी दमदार आवाज से मंच पर आग लगाते हुए देखा जा सकता है। लास्ट में बाहुबली स्टार भी पंजाबी अवतार में नजर आते हैं। शनिवार को टीम ने एक छोटा प्रोमो जारी किया जिसे फैंस ने खूब सराहा। वहीं मेकर्स ने भैरवां एंथम वीडियो जारी करना था लेकिन इसका ऑडियो रिलीज किया गया और लिखा गया, ह्रभैरवां एंथम के लिए इंतजार लगभग खत्म हो गया है। बस थोड़ी देर और, और आप इसे एंजॉय कर सकते हैं। इस बीच, इसे अपने फेवरेट सॉन्ग स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुनें! प्रभास एक्स दिलजीतदोसांझ। भैरवां एंथम का वीडियो सॉन्ग रिलीज होते ही फैंस भी खुशी के मारे उछल पड़े हैं। गाना आते ही वायरल हो रहा है तमाम फैंस ने दिलजीत और प्रभास की जोड़ी की तारीफ की है।

सूडोकु नवताल- 6828

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6827 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7575

बं	ल	र	ह	द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मेरे अपने,छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन,बंदिश,दो उस्ताद,हीरो,आंधी तूफान, जवाब,बुलंदी

शब्दजाल - 7574 का हल

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6528

7		1	6			
2	25		32	4	36	
	3	2		5	7	6
	27	6	33		39	
4		3		1	2	
5	37		31	7	30	3
6		4		2		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6527 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	33	7	35	1	28	3
4	3	2	7	6	1	5
2	32	3	38	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	33	1	31	5	30	4
3	1	4	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

इगोर स्टिमैक की बर्खास्तगी के बाद एआईएफएफ ने शुरू की नए हेड कोच की तलाश, मंगाए आवेदन

नई दिल्ली ।
अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इगोर स्टिमैक की मुख्य कोच पद से बर्खास्तगी के बाद नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए आवेदन की जानकारी साझा की। दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। नए युग की हो रही शुरुआत स्टिमैक और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील छेत्री के संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल युग की नई शुरुआत होने जा रही है। पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक की बर्खास्तगी से टीम में बदलाव की लहर शुरू हो गई है। फीफा रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना है। फिलहाल विश्व कप का सपना उनकी पहुंच से दूर है। एआईएफएफ ने जारी किया आवेदन एआईएफएफ की तरफ से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि, इस पद का प्राथमिक उद्देश्य फीफा विश्व कप/एएफसी एशियाई कप/एसएएफएफ चैम्पियनशिप और एएफसी अंडर-23 चैम्पियनशिप के लिए योग्यता के साथ विभिन्न मैचों और प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम और अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय टीम का चयन, निगरानी और तैयारी करना है और प्रमुख लक्ष्यों में एशियाई खेल 2026 में उल्लेखनीय तैयारी और प्रदर्शन करना है।एआईएफएफ ने साफ किया है कि उन्हें इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति की तलाश है जिसके पास 10-15 साल का कोचिंग का अनुभव है। इसके अलावा ऐसे खिलाड़ी को प्राथमिकता दी जाएगी जिसके पास पहले से ही राष्ट्रीय टीम की कोचिंग का अनुभव है। एआईएफएफ और स्टिमैक के बीच ठनी हाल ही में स्टिमैक ने एआईएफएफ को चेतावनी दी थी कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, मैं समय से पहले इस तरह अपना अनुबंध खत्म किये जाने के कारण दस दिन के भीतर अपना बकाया भुगतान किये जाने के लिये कह रहा हूं। यह रकम वही होगी जो अनुबंध के कार्यकाल में मुझे मिलनी थी। ऐसा नहीं करने पर मैं फीफा की ट्रिब्यूनल में एआईएफएफ के खिलाफ मामला दर्ज करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर, बटलर और आर्चर को निभानी होगी अहम भूमिका : वॉन

ग्रोस आइलेट । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट फिर जीतने का अच्छा अवसर है पर इसके लिए कप्तान जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ी लय में नहीं है और उसने बड़ी मुश्किलों से सुपर आठ में जगह बनायी है। उसे अब सुपर आठ में सह-मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका का भी मुकाबला करना है। वॉन ने कहा, सेमीफाइनल और उससे भी आगे तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड को अपने सर्वश्रेष्ठ दो खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उन्होंन कहा कि आर्चर इंग्लैंड के लिए बहुत अहम हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो 20 ओवरों में से हर ओवर में गेंदबाजी कर सकते हैं और उनकी वापसी अब तक काफी अच्छी रही है। वॉन ने साथ ही कहा, बटलर को भी सुपर आठ के लिए फॉर्म में आना होगा। कप्तान को बल्ले से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत है कयोंकि वह अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं। इंग्लैंड को उनकी जरूरत पड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि अगर इंग्लैंड टीम अपने खिताब को बचाने के लिए पूरी तरह से एकजुट होकर प्रयास करती है किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। अगर इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतता है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी20 विश्व कप में इंग्लैंड टीम आयरलैंड से हार गयी थी और तब भी इसी प्रकार लगा था कि हम बाहर हो जाएंगे पर उन्होंने वापसी करते हुए खिताब जीता। - लेकिन उन्होंने इसे पीछे छोड़ दिया, लगातार चार गेम जीते और खिताब अपने नाम किया। वॉन ने साथ ही कहा, इंग्लैंड एक बहुत ही खतरनाक टीम है। वे अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेल सकते हैं। उनका आगे जाना दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो बड़े खेलों पर निर्भर करता है। इसमें से इंग्लैंड को कम से कम एक जीतना होगा। उन्होंने विस्तार से बताया कि यह बिल्कुल भी सबसे खराब स्थिति नहीं है। वॉन ने कहा कि कैरीबियाई पिचों की धीमी प्रकृति के कारण सुपर आठ चरण में लेग स्पिनर आदिल राशिद इंग्लैंड के लिए अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जाएंगे और वह विपक्षी स्पिनरों के खिलाफ टीम की कमान संभालने के लिए मोईन अली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं।

हमने अपनी गलतियों से अब तक सबक नहीं लिया : हसरंगा

ग्रोस आइलेट । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम इस बार टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के कारण सुपर आठ तक

का सफर भी नहीं तय कर पायी है। उसी को लेकर टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने कहा है कि टीम ने लगातार गलतियां की हैं जिन्हें अब सुधारना है। ताकि आगे के टूर्नामेंटों में वह बेहतर प्रदर्शन कर सके। पिछले साल श्रीलंकाई टीम एकदिवसीय विश्व कप में नौवें स्थान पर रही थी पर इसके बाद भी उसने कोई सुधार नहीं किये। इसी कारण वह इस टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। हसरंगा ने कहा, 'इस स्थिति के लिए मै निराश हूं। हमने इस विश्व कप और इससे पहले एकदिवसीय विश्व कप में की गयी गलतियों पर चर्चा की थी पर उससे कुद सीखा नहीं।

कोच दिनेश लाड के कारण यहां तक पहुंचा हूं : हरमीत

न्यूयार्क । अमेरिकी टीम ने अपने पहले ही टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है।

अमेरिकी टीम में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शनन से टीम को जीत दिलायी है। इन्हीं में शामिल बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय कोच दिनेश लाड को दिया है। लाड भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के भी कोच रहे हैं। हरमीत ने अमेरिका जाने से पहले दो अंडर-19 विश्व कप में भारत की ओर से खेला था। इसके बाद आगे अवसर नहीं मिलने के कारण वह अमेरिका चले गये थे। हरमीत ने कहा, 'मैं यहां तक पहुंचने में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों और विशेष रूप से कोच लाड का आभारी हूं। उन्होंने सबसे पहले मेरी प्रतिभा को पहचाना। वह मेरे स्कूल के दिनों में कोच और मेंटर थे। उन्होंने कहा, 'असल में उन्होंने ही मुझे अपने स्कूल में शामिल होने की सलाह दी थी। वहां उन्होंने मुझे वह सब कुछ उपलब्ध कराया जो उनके नियंत्रण में था। हरमीत ने कहा कि ऐसे कोच के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच सकता था। उन्होंने कहा, 'मैंने स्वामी विवेकानंद स्कूल में दाखिला लिया। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े, तब उपनगरों में क्रिकेट प्रचलित नहीं था, मैंने स्कूल में जो कुछ भी हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा ने दिखाया दम पावो नूरमी खेलों के बने विजेता, जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ।
टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। नीरज के अलावा फिनलैंड के टोनी केरानेन ने 84.19 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक और ओलिवियर हेलांडर ने 83.96 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

बढ़त लेने के बाद पिछड़ गए थे नीरज

नीरज चोपड़ा सबसे पहले थ्रो करने आए और उन्होंने पहली ही बार में 83.62 मीटर का थ्रो किया। विश्व चैंपियन नीरज की यह खराब शुरुआत नहीं थी। नीरज एंडरसन पीटर्स से आगे रहे जिन्होंने पहली बार में 82.58 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में नीरज ने 83.45 मीटर का थ्रो किया जो उनके शुरुआती प्रयास से बेहतर नहीं था। दूसरे प्रयास के बाद नीरज पिछड़ गए थे और ओलिवियर हेलांडर ने बढ़त बना ली थी। ओलिवियर ने दूसरे प्रयास में 83.96 मीटर का थ्रो किया था। इससे नीरज दूसरे स्थान पर खिसक गए थे।

तीसरे प्रयास में नीरज ने की वापसी

दूसरे प्रयास में पिछड़ने के बाद हालांकि, नीरज ने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की और 85.97 मीटर का थ्रो कर बढ़त हासिल कर ली। नीरज का यह सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। नीरज आठ भाला फेंक एथलीटों में एकमात्र खिलाड़ी रहे जिन्होंने 85 मीटर के थ्रो को पार किया। वहीं, ओलिवियर अपने तीसरे प्रयास में 83 मीटर के पार भी नहीं जा सके और उन्होंने 82.60 मीटर का थ्रो किया। तीसरा प्रयास समाप्त होने के बाद नीरज ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

नीरज ने चौथे प्रयास में 82.21 मीटर का थ्रो किया। नीरज का यह इस मुकाबले का सबसे कमजोर थ्रो रहा, लेकिन इससे उनकी बढ़त पर कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि अन्य कोई एथलीट उनके सर्वश्रेष्ठ थ्रो के करीब भी नहीं पहुंच सका। इस तरह नीरज ने चौथे प्रयास के समाप्त होने के बाद भी अपनी बढ़त को बरकरार रखा। नीरज पांचवें प्रयास में फाउल कर बैठे, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस प्रयास में भी कोई नीरज को पीछे नहीं छोड़ सका और पांचवें प्रयास की समाप्ति के बाद भी टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी की बादशाहत बरकरार रही। पांचवें प्रयास में आंद्रियन मारडारे ही 82 मीटर के थ्रो को पार कर सके, जबकि नीरज सहित तीन खिलाड़ियों ने फाउल किया। हालांकि, छठे प्रयास में नीरज ने 82.97 मीटर का थ्रो किया। दिलचस्प बात यह रही कि अंतिम प्रयास में नीरज और मैक्स डेहिंग ही सफल प्रयास कर सके, जबकि अन्य सभी खिलाड़ियों ने फाउल किया।

मैक्स डेहिंग का निराशाजनक प्रदर्शन

प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे कम उम्र के सदस्य जर्मनी के मैक्स डेहिंग का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। माना जा रहा था कि वह नीरज चोपड़ा को कड़ी टक्कर देंगे, लेकिन उन्होंने पहले प्रयास में 79.84 मीटर का थ्रो किया, जबकि दूसरे प्रयास में फाउल कर बैठे। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया और चौथे प्रयास में 79.04 मीटर का थ्रो ही कर सके। इसके बाद उन्होंने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया और छठे प्रयास में 77.81 मीटर का थ्रो फेंका।

केन विलियमसन ने कप्तानी छोड़ी, सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी ठुकराया: टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में नहीं पहुंच पाई न्यूजीलैंड टीम

नई दिल्ली ।
टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर-8 में जगह बनाने से चूकी न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केएन विलियमसन ने टी -20 और वनडे की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को भी अस्वीकार कर दिया है। हालांकि, वह न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगे। केन विलियमसन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह समर सीजन में किसी विदेशी लीग में खेलने का मौका ढूंढ रहे हैं, जिसके चलते वह न्यूजीलैंड का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं कर सकते हैं। वह अपने परिवार को समय देना चाहते हैं। विलियमसन ने आगे कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। वह टीम के लिए तीनों फॉर्मेट में आगे खेलना जारी रखेंगे। न्यूजीलैंड ने अब तक टी-20 और वनडे का वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है न्यूजीलैंड टीम पिछले तीन टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी और 2021 में फाइनल भी खेला था। हालांकि, न्यूजीलैंडने अभी तक टी-20 और वनडे का एक भी खिताब नहीं जीता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार एक अन्य क्रिकेटर लॉकी फर्ग्यूसन ने भी नेशनल क्रॉन्ट्रैक्ट लेने से मना कर दिया है। टी-20 में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी की है केन विलियमसन ने 40 टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी की है। इनमें 22 मैचों में टीम को जीत और 10 मैचों में हार मिली है, जबकि 8 मैच ड्रॉ रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने 75 टी-20 में टीम की कप्तानी की है, जिसमें 39 में जीत और 34 में हार मिली है। 1 मैच ड्रॉ रहा है। विलियमसन ने 91 वनडे मैचों में टीम की कप्तानी की है ओर 46 मैचों में टीम को जीत और 40 मैचों में हार मिली है।

पांड्या और ऋषभ का फार्म में होना टीम के लिए फायदेमंद : हरभजन

फ्लोरिडा ।
भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और विकेटकीपर के अलावा बल्लेबाज ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर शानदार प्रदर्शन टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। पांड्या ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उबर कर वापसी की है। वहीं ऋषभ ने कार हादसे के बाद पहले ही अंतरराट्रीय टूर्नामेंट में पुरानी लय हासिल कर ली है। इसी कारण भारतीय टीम आसानी से सुपर आठ में पहुंच गयी है।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि पांड्या विकेट ले रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्व कप से पहले आईपीएल में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की। वहीं ऋषभ ने इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए बेहद कठिन पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से अंतर पैदा किया है। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे पर अब वह संभव नहीं लग रहा है। हरभजन ने कहा, 'ऋषभ को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है। भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है पर चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो निडर होते हैं।

एनआरएआई ने ओलंपिक के लिए भारतीय शॉटगन टीम घोषित की, तोंडाइमन करेंगे अगुआई

नई दिल्ली ।
भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए पांच सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम घोषित कर दी है। सीनियर ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज तोंडाइमन ने खेलों में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्तक तक आयोजित किया जाएगा।

तोंडाइमन ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में जगह बनाई है, जबकि राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में निशाना साधेंगी। अनंतजीत सिंह नरुका भारत के एकमात्र पुरुष स्कीट निशानेबाज होंगे, जबकि रायजा ढिल्लों और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में उन पांच कोटा स्थानों को पूरा करेंगी जो शॉटगन टीम ने क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान हासिल किए थे। महेश्वरी और अनंतजीत स्कीट मिक्स्ड टीम स्पर्धा में एकमात्र भारतीय जोड़ी के रूप में भी भाग लेंगे। यह स्पर्धा पेरिस खेलों में पहली बार हो रही है। भारत के पांचों शॉटगन निशानेबाज अपने पहले ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एनआरएआई महासचिव को पदक आने की उम्मीद

एनआरएआई के महासचिव के सुल्तान सिंह ने कहा, स्थानों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और हाल ही में संपन्न लोनाटो विश्व कप में कुछ निशानेबाजों के पदक जीतने की स्थिति में चीजें बदल सकती थीं, लेकिन हमारा मानना है कि हमारे पास एक बेहतरीन शॉटगन टीम है जिसने किसी भी खेल में भारत के लिए अब तक के सर्वोच्च कोटा स्थान जीते हैं और निश्चित रूप से इस स्पर्धा में दूसरा ओलंपिक पदक एक मजबूत संभावना है। महिला ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह के नाम को भी चयन समिति ने मंजूरी दे दी है और एनआरएआई ने कोटा स्वैप के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) को पत्र लिखा है। एनआरएआई ने साथ ही कहा कि इस स्थिति में आईएसएसएफ से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही उनका नाम आगे भेजा जा सकता है।

सुपर आठ में भारत को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर स्टोइनिस से रहेगा खतरा

सेंट लूसिया ।
आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ में 24 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला होगा। इसमें भारतीय टीम को ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस से सावधान रहना होगा। स्टोइनिस ने इससे पहले आईपीएल में भी कई मैच विजेता पारी खेलते हुए अपनी टीमों को जीत दिलायी थी। इस विश्वकप में भी स्टोइनिस ने अब तक खेले गये 4 मैचों में 78.00 के औसत और 190.24 के स्ट्राइक रेट से 156 बनाने बनाये हैं।

इसके अलावा गेंदबाजी में 8.66 के औसत और 5.77 की इकोनॉमी से 6 विकेट भी लिए हैं। ये प्रदर्शन सभी अन्य खिलाड़ियों से बेहतर है। स्टोइनिस के इस प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगातार जीत मिली है। इस दौरान चार में से दो मैचों में वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। टीम के हर मैच में उन्होंने गेंद या बल्ले या फिर दोनों से ही अच्छा प्रदर्शन किया। ओमान के खिलाफ मैच में स्टोइनिस ने 36 गेंदों पर 2 चौकों और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 67 रन बनाने के अलावा से 19 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में उन्होंने 17 गेंदों पर 30 रन बनाने के अलावा 24 रन देकर 1 विकेट लिया। नामीबिया के खिलाफ स्टोइनिस को बल्लेबाजी का अवसर तो नहीं मिला पर उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लेते हुए गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में स्टोइनिस ने 29 गेंदों पर तेजी से खेलते हुए 59 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को सुपरआठ में स्थान मिला। स्टोइनिस के अलावा केवल वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ही गेंद और बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। रसेल ने 3 मैचों में दो बार नाबाद रहते हुए 59 के औसत और 178.78 के स्ट्राइक रेट से 59 रन बनाने के अलावा 13.25 के औसत से चार विकेट लिए हैं। वहीं इसी प्रकार शाकिब ने 4 मैचों में 30.66 के औसत और 106.97 के स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाने के अलावा 37.00 के औसत से दो विकेट लिए हैं। नामीबिया के गेरहार्ड इरामस ने 34 के औसत से चार मैचों में 102 रन बनाने के अलावा 20.25 के औसत से चार विकेट लिए हैं। वहीं अन्य ऑलराउंडर किसी एक क्षेत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। सुपर 8 राउंड से टूर्नामेंट के सभी मैच वेस्टइंडीज में होंगे। अमेरिका की तुलना में वहां के विकेट अच्छे हैं। इससे बल्लेबाजों की मुश्किल कुछ कम होगी और ऑलराउंडर्स को भी अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा। स्टोइनिस लक्ष्य का पीछा करने के मामले में भी काफी अच्छे हैं।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज़ हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

अबीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराएं।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

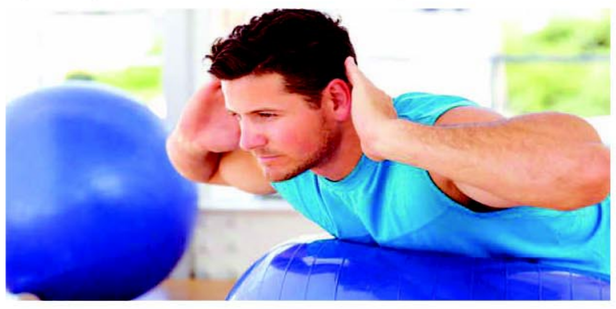

स्क्रब करते समय इन बातों का ध्यान रखें

त्वचा को निखारने के लिए हम कई तरीके प्रयोग करते हैं, इसमें एक है स्क्रब। स्क्रब से चेहरे की डेड स्किन निकल जाती है, और नई त्वचा चेहरे पर आ जाती है। नियमित अंतराल पर स्क्रब करने से चेहरा साफ नजर आता है और दाग धब्बे भी गायब होने लगते हैं। स्क्रब बहुत जोर से तो बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए, इससे त्वचा डैमेज हो सकती है। जैसे हम नए कपड़े लेकर आते हैं और उसका ध्यान बहुत अच्छे से रखते हैं।

धनिया की पत्तियों का सेवन है लाभकारी

धनिया और इसके पत्तों का सेवन कई मायनों में लाभकारी है। धनिया की हरी पत्तियों का लोग भोजन में कई प्रकार से उपयोग करते हैं। साथ ही, घरेलू उपचार के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है। धनिया को ताजे छाछ में मिला कर पीने से बदहजमी, मितली, पेचिश और कोलाइटिस से राहत मिलती है। टायफायड होने की स्थिति में हरी धनिया के पत्तों का सेवन करने से लाभ मिलता है।

विटमिन बी-12

अपनी ओर से हम हमेशा संतुलित और पौष्टिक आहार अपनाने की कोशिश करते हैं। फिर भी आज की अति व्यस्त जीवनशैली की वजह से हमारे खानपान में कोई न कोई ऐसी कमी रह ही जाती है, जिससे सेहत संबंधी कई समस्याएं हमें परेशान करने लगती हैं। वैसे तो सभी विटमिंस और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स हमारी अच्छी सेहत के लिए जरूरी होते हैं, पर विटमिन बी-12 एक ऐसा तत्व है, जिसकी कमी सेहत के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदेह साबित होती है।

क्यों जरूरी है

क्या काम है इसका

विटमिन बी-12 हमारी कोशिकाओं में पाए जाने वाले जीन डीएनए को बनाने और उनकी मरम्मत में सहायता करता है। यह ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड और नर्व्स के कुछ तत्वों की रचना में भी सहायक होता है। हमारी लाल रक्त कोशिशओं का निर्माण भी इसी से होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों के लिए अलग-अलग तरह के प्रोटीन बनाने का भी काम करता है। यह ऐसा विटमिन है, जिसका अवशोषण हमारी आंतों में होता है। वहां लैक्टो बैसिलस मौजूद होते हैं, जो बी-12 के अवशोषण में सहायक होते हैं। फिर यह लिवर में जाकर स्टोर होता है। उसके बाद शरीर के जिन हिस्सों को इसकी जरूरत होती है, लिवर इसे वहां भेजने का काम करता जाता है।

वेजिटेरियन

शाकाहारी लोगों को अपने खानपान का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। उनके पास विटमिन बी-12 हासिल करने के स्रोत सीमित संख्या में होते हैं, इसलिए उन्हें दूध, दही, पनीर, चीज, मक्खन, सोया मिल्क या टोफू का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। बी-12 मुख्यतः मिट्टी में पाया जाता है। इसलिए यह जमीन के भीतर उगने वाली सब्जियों जैसे-आलू, गाजर मूली, शलजम, चुकंदर आदि में भी आंशिक रूप से पाया जाता है। इसके अलावा 45 मल्टीग्रेन ब्रेड और वे प्रोटीन पाउडर भी इसके अच्छे स्रोत हैं। यदि एक किलोग्राम आटे में 100 ग्राम व प्रोटीन पाउडर मिला दिया जाए तो इससे व्यक्ति को विटमिन बी-12 का पोषण मिल जाता है।

उपचार एवं बचाव

अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किए सीरम विटमिन बी-12 की जांच करवानी चाहिए। अकसर लोग इसके लक्ष्णों को मामूली थकान या एनीमिया समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, पर ऐसा करना उचित नहीं है क्योंकि आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप धारण कर सकती है। शाकाहारी लोगों को अपने खानपान के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए और उन्हें मिल्क प्रोडक्ट्स का सेवन भरपूर मात्रा में करना चाहिए। आम तौर पर किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में इसकी मात्रा 400-500 पिकोग्राम/मिली लीटर होनी चाहिए। अगर शरीर में इसकी मात्रा इससे कम हो जाए तो व्यक्ति को मिथाइल कोबालामिन नामक टैबलेट या इंजेक्शन दिया जाता है। दवा की मात्रा मर्ज की गंभीरता पर निर्भर करती है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। यह दवा आंतों में मौजूद लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया को सक्रिय करने का काम करती हैं। अगर सही समय पर इसकी पहचान कर ली जाए तो दवाओं और स्वस्थ खानपान से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

खानपान में विटमिन बी-12

अकसर यह सवाल उठता है कि हमें अपने खानपान में किन चीजों को शामिल करना चाहिए, ताकि शरीर में विटमिन बी-12 की कमी न हो। यहां वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन लोगों के लिए दी जा रही है, कुछ ऐसी चीजों की सूची, जिनमें विटमिन बी-12 पाया जाता है ।

नॉनवेज

नॉन-वेजटेरियन लोगों को अंडा, मछली, रेड मीट, चिकिन और सी फूड से विटमिन बी-12 भरपूर मात्रा में मिल जाता है, पर इनके ज्यादा सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जो नुकसानदेह साबित होता है। इसलिए नॉनवेज का सेवन सीमित और संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

नोट: हमें रोजाना औसतन 2.4 माइक्रोग्राम विटमिन बी-12 की जरूरत होती है, जो शाकाहारी लोगों को सामान्यत: 2 ग्लास दूध, 2 कटोरी दही, 100 ग्राम पनीर के अलावा खाने में 4-5 मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटियां, 4-5 मल्टीग्रेन ब्रेड, ओट्स और बिस्किट के सेवन से मिल जाता है। नॉन-वेजटेरियन लोगों को नाश्ते में नियमित रूप से एक उबले अंडे के अलावा लंच और डिनर में चिकेन या फिश के दो पीसेज लेने चाहिए।

क्या है कमी की वजह

- आनुवंशिकता
- आंतों की कोई भी सर्जरी
- क्रोंज्स नामक आंतों की बीमारी, जिसकी वजह से आंतें विटमिन बी-12 का अवशोषण नहीं कर पातीं।
- अगर व्यक्ति को लंबे समय तक एनीमिया की समस्या रही हो तो उसमें भी विटमिन में बी-12 की कमी पाई जा सकती है। इसकी कमी से होने वाली समस्या को मेगालोब्लास्टिक एनीमिया कहा जाता है।
- अगर डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन का लंबे समय तक सेवन किया जाए तो भी आंतों में मौजूद विटमिन बी-12 नष्ट हो जाता है।

इसकी कमी को पहचानें कैसे

अगर शरीर में विटमिन बी-12 की कमी हो तो प्राय- ऐसे लक्षण देखने को मिलते हैं -

- हाथ-पैरों में झनझनाहट और जलन
- याद्दाश्त में कमी
- व्यवहार में अस्थिरता
- अनावश्यक थकान
- डिप्रेशन
- अगर शरीर में विटमिन बी-12 की बहुत ज्यादा कमी हो जाए तो इससे स्पाइनल कॉर्ड के नर्व्स नष्ट होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को पैरालिसिस तक हो सकता है।

याद्दाश्त की रक्षा करेंगे ये वर्कआउट

तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज दोनों जरूरी होते हैं। दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है और एकाग्रता बढ़ती है। चुस्त-दुरुस्त शरीर और तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज जरूरी होते हैं। यही नहीं, कुछ ताज़ा अध्ययनों से पता चला है कि डाइट में बदलाव लाकर, एक्सरसाइज व पजल खेलने से मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित लोग स्वस्थ हो सकते हैं। तो चलिए आज हम कुछ ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं, जिनसे मेमोरी बेहतर बनती है।

एरोबिक एक्सरसाइज करें : दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। साइकोलॉजी के जानकारों के अनुसार एक्सरसाइज दिमाग को दुरस्त रखती है और याददाश्त को भी रिस्टोर कर सकती है। इससे दिमाग की रक्त आपूर्ती बढ़ती है और वहां ज्यादा पोषण और ऑक्सीजन पहुंच पाता है। एरोबिक्स फिटनेस को बढ़ाती है और अधिक उम्र के मनुष्यों में ब्रेन टिशू लॉस को कम करती है और दिमाग को भी तेज करती है।

बेहतर याददाश्त के लिए स्वस्थ दिल : एक अध्ययन के मुताबिक स्वस्थ दिल के लिए किया जाने वाला वर्कआउट, उम्र बढ़ने के साथ होने वाली याददाश्त हानि से भी बचाता है। अनुसंधानकताओं ने अ नुसंधान के दौरान पाया कि स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। जिससे बाद के जीवन में संज्ञानात्मक क्षमताएं संरक्षित रहती हैं।

क्या है दिल और दिमाग का संबंध : दरअसल हमारे शरीर की धमनियां उम्र के साथ सख्त होती जाती हैं। अतः दिमाग तक रक्त पहुंचाने से पहले दिल तक जाने वाली महाधमनी तक रक्त पहुंचाने वाली नलिका भी कठोर होने लगती है। अनुसंधानकर्ता के अनुसार जिन वयस्कों की महाधमनियां बेहतर स्थिति में होती है और जो शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं अनका दिमाग और याददश्त भी बेहतर होते हैं। अध्ययन मुख्य रूप से इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जितनी जल्दी लोग जीवनशैली में बदलाव लाएंगे, उन्हें बुढ़ापे में दिमाग से जुड़ी बीमारी डिमेंशिया होने की संभावना भी काफी हद तक कम होगी। डिमेंशिया से लाखों लोग बच सकते हैं बशर्ते कि वे प्रतिदिन शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, और शरीर व दिमाग़ तरोताजा और हेल्दी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में एक्सरसाइज करें।

भ्रामरी प्राणायाम : ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, एकाग्रता बढ़ती है और मस्तिष्को को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, रक्त और पोषक तत्व मिल जाते हैं। इन सबसे याददाश्त बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम याददाश्त के लिए अच्छा होता है। इसे करने से ऐसे हार्मोंस निकलते हैं जो मस्तिष्क को शांत करते हैं।

उष्ट्रासन : उष्ट्रासन का अभ्यास करने पर रीढ़ से होकर गुजरने वाली स्त्रायु कोशिकाओं में तनाव पैदा होता है जिससे उनमें खून का संचार बढ़ जाता है और याददाश्त बेहतर होने लगती है। रोज़ाना तीन मिनट तक लगातार उष्ट्रासन करने से काफी फायदा होता है।

पानी न केवल आपके शरीर के सभी अंगों को सही प्रकार कार्य करने में मदद करता है, बल्कि साथ ही साथ यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

हाईड्रेशन

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है, संचार सुचारू रहता है और अन्य कई स्वास्थ्य परेशानियों से भी हमारा बचाव होता है। लेकिन, क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि पानी हमारी त्वचा के लिए भी जरूरी होता है। आपके लिए इससे जुड़े कुछ सवालों के जवाब लेकर आए हैं। हम आपको बताऐंगे कि कैसे अपने शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रखा जाए, ताकि त्वचा सुंदर और स्वस्थ बनी रहे।

सारा दिन कम होता है पानी

हमें दिन भर नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। आखिर हमारे शरीर से लगातार पानी कम होता रहता है। यहां एक बात जानना और जरूरी है कि हम जो भी पानी पीते हैं वह त्वचा तक पहुंचने से पहले हमारे शरीर के अन्य अंगों तक पहुंच जाता है। तो, ऐसे में त्वचा का बाहर से खयाल रखना भी जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन है खतरनाक

अगर त्वचा में पानी की अधिक कमी हो जाए, तो इससे वह रूखी, सख्त और पपड़ीदार हो जाती है। रूखी त्वचा पर झुर्रियां और अन्य प्रकार के नुकसान होने की आशंका अधिक होती है। तो, अपनी त्वचा को किसी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

त्वचा को भी चाहिए पानी

शरीर के अन्य अंगों की तरह हमारी त्वचा को भी पानी की जरूरत होती है। हमारी त्वचा पानी से बनी कोशिकाओं से निर्मित होती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह, हमारी त्वचा को भी सही प्रकार से काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है।

मॉश्चराइजर

अपनी त्वचा में नमी का जरूरी स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है कि रोज रात को मॉश्चराइजर लगाकर सोएं। इससे आपकी त्वचा को अच्छा पोषण मिलेगा। केमिकल उत्पादों के उपयोग से बचें। स्वस्थ त्वचा के लिए कुदरती उत्पादों का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

एक्सफोइलेट और हाइड्रेट

आपको अपनी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि उसका रुखापन भी दूर करने की जरूरत होती है। साथ ही साथ आपको मृत कोशिकाओं को हटाना भी होता है। आप अपनी त्वचा पर मॉश्चराइजर लगाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन और क्रेक कम हो सकते हैं। अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाये रखने के लिए इस क्रिया को नियमित रूप से दोहराया जाना जरूरी है।

पोषण दें

रोजाना खूब पानी पिएं। इससे आपकी त्वचा में पानी की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही आपको अपने आहार में भी बदलाव करने की जरूरत है। इसके लिए आपको खूब फल और सब्जियां खाने की जरूरत है। इससे आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलेगा। प्रोसेस्ड और तैलीय भोजन का सेवन न करें। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा नहीं है।

रूखी त्वचा का रखें ख्याल

अपनी त्वचा के रूखे हिस्सों पर आपको अधिक मेहनत करने की जरूरत होती है। अगर आपको एहसास हो कि आपकी त्वचा रूखी और खुजली वाली हो गयी है, तो उस पर आइंटमेंट अथवा क्रीम जरूर लगाएं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन दूर होगा। पानी की पर्याप्त मात्रा और त्वचा की सही देखभाल से आप अपनी त्वचा को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकते हैं।

रेसिपी

ओपन बीन बर्गर

सामग्री

टॉपिंग के लिए: 3/4 कप बेक्ड बीन्स, 1 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून टमॅटो कैचप, 3/4 कप पकाई हुई स्पैगेटी, नमक स्वादअनुसार, 2 बर्गर बन्स, पिघला हुआ मक्खन , **लगाने के लिए**: 4 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़

विधि

टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें, प्याज़ और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। बेक्ड बीन्स् और टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। स्पैगटी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। टॉपिंग को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी**: ब्रेड बन्स् को 2 तिरछे भाग में काट लें। प्रत्येक ब्रेड बन के बीच के भाग को निकाल लें और प्रत्येक आधे भाग पर थोड़ा पिघला हुआ मक्ख़न लगाऐं। ब्रेड के आधे टुकड़ो को चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रखकर, पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 10 मिनट तक बेक कर लें। बर्गर बन को टॉपिंग के एक भाग से भरकर, 1 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस डालकर अंत में 1 टेबल-स्पून चीज़ छिड़के। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 3 और ओपन बर्गर बना लें। तुरंत परोसें।

क्रिमी टमेटो स्पैगटी

सामग्री

1/2 कप फ्रेश क्रीम, 1 कप हल्के उबले और कटे हुए टमाटर, 1/2 कप सन-ड्राईड टमेटोज, 7 से 8 किलो चैरी टमाटर, 3 कप पकाई हुई स्पैगटी, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, ताजी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, **परोसने के लिए**: गार्लिक ब्रेड

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। चिली फ्लैक्स, टमाटर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। सन-ड्राईड टमेटोज़, चैरी टमाटर, चीज़, फ्रेश क्रीम, स्पैगटी और काली मिर्च पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट के लिए पका लें। चीज़ से सजाकर गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**